ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 15 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-227

बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए यूपी में 'सुविधा-केंद्र'

आइये नागरिकता प्रमाण पत्र ले जाइये...

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली से बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत की नागरिकता का फर्जी प्रमाण पत्र बांटा जा रहा था। अब हाथरस भी फर्जी नागरिकता प्रमाण पत्र बांटने के बड़े केंद्र के बतौर सामने आया है। रायबरेली और हाथरस से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए फर्जी प्रमाण पत्र दिए जा रहे थे। रायबरेली के सलोन में फर्जी प्रमाण पत्र का अड्डा उजागर होने के बाद अब हाथरस के हसायन विकास खंड की ग्राम पंचायत सिंचावली सानी में भी ऐसा ही एक ठिकाना उजागर हुआ। यहां बीडीओ के यूजर आईडी से पिछले 19 महीने में उत्तर प्रदेश के 47 जिलों समेत देश के छह राज्यों के लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए। प्रशासन का कहना है कि अभी इस प्रकार के 814 मामले सामने आए हैं, लेकिन इनकी संख्या बढ़ सकती है। हाथरस के जिलाधिकारी ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है। जनपद के सभी ब्लॉकों में जांच के आदेश दिए गए हैं। सिंचावली के ग्राम पंचायत अधिकारी ईश्वरचंद्र हैं। ईश्वरचंद्र को ग्राम पंचायत की सीआरएस (नागरिक पंजीकरण प्रणाली) आईडी 3 अगस्त को जारी हुई। लेकिन उनकी आईडी पर एक जनवरी 2023 से 2 अगस्त 2024 के बीच करीब 814 जन्म प्रमाण पत्र पहले ही जारी हो चुके थे। इसके बाद तत्काल विभागीय अफसरों को इसकी जानकारी दी दी गई। ▶10 पर

रायबरेली के बाद हाथरस दूसरा बड़ा ठिकाना उजागर

देशभर में घुसपैठियों को यहीं से मिल रहा सर्टिफिकेट

राष्ट्रपति मुर्मु ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित

समाज में कलह पैदा करने वाली प्रवृतियों को खारिज करना होगा

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारत जैसे विशाल देश में ऊंच-नीच की धारणा के आधार पर कलह पैदा करने वाली प्रवृतियों को खारिज करने का पुरजोर आह्वान करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और देश में सामाजिक लोकतंत्र निरंतर मजबूत हो रहा है।

श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, अपनी विविधताओं और बहुलताओं के साथ, हम एक राष्ट्र के रूप में, एकजुट होकर, एक साथ, आगे बढ़ रहे हैं। समावेश के साधन के रूप में, सकारात्मक कदमों को मजबूत किया जाना चाहिए। मैं दृढ़ता के साथ यह मानती हूं कि भारत जैसे विशाल देश में, कथित सामाजिक स्तरों के आधार पर कलह को बढ़ावा देने वाली प्रवृत्तियों को खारिज करना होगा।

सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

देश में सामाजिक लोकतंत्र निरंतर मजबूत हो रहा

राष्ट्रपति ने डॉक्टर बी.आर. आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा, हमें अपने राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना चाहिए। राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं टिक सकता जब तक कि उसके आधार में सामाजिक लोकतंत्र न हो। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीतिक लोकतंत्र ने निरंतर प्रगति की है और इस बात की पुष्टि करता है कि देश में सामाजिक लोकतंत्र मजबूत हुआ है। श्रीमती मुर्मु ने कहा, समावेशी भावना, हमारे सामाजिक जीवन के हर पहलू में दिखाई देती है। सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और समाज के अन्य हाशिए के वर्गों के कल्याण के लिए अनेक अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने सरकार द्वारा दलितों, जनजातीय समूहों के उत्थान के लिए लागू की जा रही योजनाओं और अभियानों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत पिछले चार वर्षों से सबसे तेज गति से बढ़ने वाली बड़ी अर्थ-व्यवस्थाओं में शामिल है।

▶10 पर

प्रधानमंत्री कर रहे हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का तिरंगा विरोधी फरमान

तिरंगा फहराने के लिए लोगों को क्यों लेना पड़े आदेश: हाईकोर्ट

चेन्नई, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के प्रति आत्मगौरव जगाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान कर रहे हैं। कई प्रदेशों में तिरंगा रैलियां निकल रही हैं, तिरंगा सभाएं हो रही हैं, लेकिन तमिलनाडु सरकार खुलेआम देशद्रोह पर आमादा है। तमिलनाडु में तिरंगा रैली निकालने या तिरंगा सभा करने की सरकार ने मनाही कर रखी है। लोगों को विवश होकर हाईकोर्ट जाना पड़ा। मद्रास हाईकोर्ट ने तिरंगा रैली निकालने की इजाजत दी है और तमिलनाडु सरकार को बुरी तरह फटकारा है। मद्रास हाईकोर्ट ने बुधवार 14 अगस्त 2024 को अपने दिए फैसले में आम नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वतंत्रता दिवस पर पूरे तमिलनाडु में राष्ट्रीय ध्वज के साथ बाइक रैली निकालने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने कहा कि तिरंगा रैली की अनुमति नहीं देना देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने इसकी अनुमति देने से मना कर दिया था। न्यायाधीश जी जयचंद्रन ने तमिलनाडु सरकार से पूछा, नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए हर साल अदालत की अनुमति क्यों लेनी पड़ती है? न्यायाधीश ने राज्य सरकार से पूछा, यदि राज्य इसमें किंतु-परंतु जोड़ना चाहता है तो राज्य के नागरिकों को क्या संदेश जाएगा? क्या राज्य उन्हें राष्ट्रीय ध्वज फहराने या ले जाने की अनुमति नहीं देना चाहता, जबकि उन्हें ऐसा करने का अधिकार है।

मद्रास हाईकोर्ट ने सरकार को फटकारा तिरंगा रैली की इजाजत दी

▶10 पर

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली

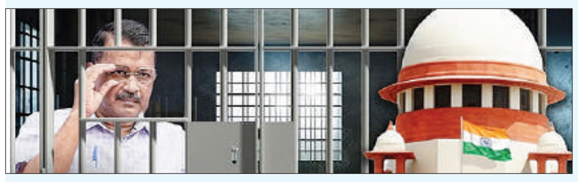

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सीबीआई की ओर से केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका पर जांच एजेंसी को नोटिस जारी किया। पीठ ने केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से कहा कि हम कोई अंतरिम जमानत नहीं दे रहे हैं। हम नोटिस जारी करेंगे। इस मामले पर अगली सुनवाई के लिए 23 अगस्त की तारीख तय की गई है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया। दरअसल, सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से कोई भी कोर्ट में उपस्थित नहीं था। दरअसल, केजरीवाल ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई की ओर से उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए जमानत अंतरिम मांगी है। ▶10 पर

अयोध्या में भक्ति और गौरव पर लगातार पोत रहे कालिख

चुनावी चमत्कार के बाद अब चोरी-भ्रष्टाचार पर उतारू

रामपथ और भक्तिपथ पर लगी बेशकीमती लाइटें गायब!

अयोध्या, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

पांच सौ वर्ष से भी अधिक पुराने संघर्षों से उबार कर जिस धर्म नगरी को दोबारा गौरव वापस दिलाया गया, वह शहर लगातार अपने चेहरे पर कालिख पोत रहा है। राम मंदिर के साथ-साथ पूरे अयोध्या का सौंदर्यीकरण भी चल रहा है लेकिन उस सौंदर्यीकरण में भी लूटमार और चोरी बटमारी चल रही है। अब अयोध्या में भक्तिपथ और रामपथ पर लाखों की 3800 बैम्बू और 36 गोबो प्रोजेक्टर लाइटों के चोरी होने का मामला सामने आया है। ये लाइटें राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या की साज-सज्जा के लिए लगाई गई थीं। ठेकेदार ने थाने में तहरीर दी है कि आधी से ज्यादा लाइटें चोरी हो गई हैं। जबकि इस मामले में प्रशासन ने कहा है कि संभवत: ये लाइटें लगाई ही नहीं गईं। अब आप सोचिए कि प्रशासन इतनी भी सतर्क नहीं है कि उसे पता ही नहीं कि सरकारी धन पर लगने वाली लाइटें निर्धारित स्थान पर लगी या नहीं।

कमिश्नर का विचित्र बयान: पता नहीं लाइटें लगी थी या नहीं

योगी सरकार की ओर से अयोध्या को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की योजना के तहत मठ-मंदिर और प्रमुख सड़कों के किनारे आकर्षक लाइटें लगाई गई थीं। पर्यटक स्थलों की इस खूबसूरती पर अयोध्या के लोगों ने हाथ साफ कर दिया। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने यश इंटरप्राइजेज और कृष्णा ऑटोमोबाइल को रामपथ और भक्ति पथ पर लाइटें लगाने का ठेका दिया था। इसके तहत नया घाट, हनुमान गढ़ी और टेढ़ी बाजार पर लगभग 6400 बैम्बू और 96 गोबो प्रोजेक्टर लाइटें लगाई गई थीं। अब वह लाइटें वहां से गायब हैं। अयोध्या प्रशासन इस शर्मनाक घटना की टोपी संबंधित ठेकेदार को ही पहनाने और अपने आपको बचाने में लगा है। राम पथ पर लगी बेशकीमती फैंसी लाइटों की चोरी की रिपोर्ट पर जिला प्रशासन ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि कड़ी सुरक्षा के कारण बड़े पैमाने पर चोरी की संभावना नहीं है। डिविजनल कमिश्नर गौरव दयाल ने कहा, संभावना यह है ▶10 पर

पंचायत चुनाव में भाजपा ने जीती 97 प्रतिशत सीटें

71 प्रतिशत सीटें तो निर्विरोध जीत गई भाजपा

अगरतला, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

त्रिपुरा में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने जबरदस्त जीत ने हासिल की है। गृह मंत्री अमित शाह, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के लिए त्रिपुरा के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पंचायत चुनाव में भाजपा ने जीतीं 97 प्रतिशत सीटें जीती हैं।

भाजपा ने ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों की 71 प्रतिशत सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल की। शेष 29 प्रतिशत सीटों के लिए मतदान हाल ही में आठ अगस्त को हुआ था और मतगणना मंगलवार को समाप्त हो गई। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में, सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में निर्णायक जीत हासिल की है।

भाजपा ने कई वार्डों में जीत दर्ज करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा ने 35 में से 34 पंचायत समितियों में शानदार जीत हासिल की। पार्टी ने सभी आठ जिला परिषदों में जीत हासिल की और 606 ग्राम पंचायतों में से 584 पर जीत हासिल

। इससे पहले पार्टी ने जून में पूर्वोत्तर राज्य में दोनों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी।राज्य निर्वाचन आयुक्त असित कुमार दास ने [illegible] 96 सीटों पर चुनाव लड़े थे, जिनमें से भाजपा ने 93 सीटें जीतीं। जबकि कांग्रेस और माकपा ने क्रमश: दो और एक सीट पर जीत दर्ज की। पंचायत समितियों के मामले में, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 27^0

डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या का मामला

सीबीआई ने शुरू की मामले की जांच

सीबीआई की विशेष टीम दिल्ली से कोलकाता पहुंची

घटना के खिलाफ बंगाल के अस्पतालों में काम बंद

कोलकाता, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला से दुष्कर्म और हत्या मामले में सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी में सीबीआई ने नई एफआईआर दर्ज की है। इसके मद्देनजर सीबीआई की दिल्ली से एक टीम मामले कोलकाता पहुंची। सीबीआई ने दिल्ली से एक विशेष चिकित्सा और फोरेंसिक टीम भेजी है। कोलकाता पहुंचने के बाद टीम सबसे पहले न्यू टाउन राजारहाट में बीएसएफ-दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अधिकारियों से मिलने पहुंची। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बीते दिन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था।

इस बीच पुलिस कोलकाता के सीजीओ कॉम्प्लेक्स में सीबीआई कार्यालय पहुंची। पुलिस अधिकारी मामले से संबंधित साक्ष्य और दस्तावेजों के साथ यहां पहुंचे हैं। आरोपी संजय रॉय को भी पुलिस यहां लेकर आई है। चिकित्सा अधिकारियों और फोरेंसिक टीम की एक विशेष टीम वारदात की जगह पर भी पहुंची है। इससे पहले केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हत्याकांड की जांच मंगलवार को अपने हाथ में ले ली थी। एजेंसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के कुछ ही घंटों के अंदर सभी औपचारिकताएं पूरी कर लीं थीं। ▶10 पर

बंगाल के अस्पतालों में डॉक्टरों ने किया काम बंद

कोलकाता, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में डॉक्टर्स ने काम बंद रखने का ऐलान किया है। इसके चलते बुधवार को पश्चिम बंगाल में लगभग सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हैं और इससे आम जनता को खासी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सभी सरकारी अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी) के टिकट काउंटरों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। जूनियर डॉक्टरों के साथ ही वरिष्ठ डॉक्टर्स भी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एक डॉक्टर ने बताया कि हमारी कोई नई मांग नहीं है। हमने देखा है कि लोगों को बचाने का प्रयास किया गया है। कुछ लोगों ने आरजी कर अस्पताल की उसी मंजिल पर निर्माण कार्य शुरू करके सबूतों के साथ ▶10 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,105.88

+149.85 +0.19% ↑

एनएसई :24,143.75

4.75 (0.02%) ↑

एक महिला अपने जीवन में निभाती है कई भूमिकाएं : बिन्दु रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा संचालित जीतो बिजनेस नेटवर्क महिला रेफरल वी-कनेक्ट का प्रथम ऑफिस दर्शन आशा बाँटिया के अर्बन डीवा-एम जी रोड स्थित यूटिलिटी बिल्डिंग में आयोजित हुआ। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने कहा कि एक महिला अपने जीवन में कई भूमिकाएँ निभाती है और अपनी शक्ति को साकार करने की यात्रा में उसकी क्षमता कभी नहीं रुकती है। एक उद्यमी बनने के लिए एक महिला के संघर्ष और बाधाओं को पार करके स्वयं की स्वतंत्र पहचान बनाती है। इस राह में आगे बढ़ने के लिए महिला का मन ही उसकी ताकत और कमजोरी है। एक बार जब वह इस पर काबू पा लेती है तो वह आगे बढ़ सकती है और कुछ भी कर सकती है। फिर तो व्यवसाय को आगे बढ़ाने हेतु उपकरण से लैस वह अनुभव भी प्राप्त कर लेती है। कैसे कार्य करना चाहिए और कैसे व्यवहार करना चाहिए। वह सामाजिक

मानदंड के साथ चलती है। आशा बाँटिया को देख यह साबित हो गया कि प्रेरणा और साहस के साथ, व्यक्ति ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकता है। अर्बन डीवा की संस्थापिका आशा बाँटिया अपने गृहिणी से व्यवसायी बनने के सफर को साझा करते हुए कहा कि एक विवाहित महिला के लिए उसके परिवार का साथ सबसे पहले आता है। उनके इस कार्य में घर, परिवार का तन-मन-धन से सहयोग प्राप्त हुआ। बचपन से व्यवसाय के प्रति उनका रुझान रहा, हर वस्तु, कार्य आदि में उन्होंने स्वयं के हुनर को आजमाया और आत्मविश्वास के साथ बढ़ती रही। कभी ऑनलाइन तो कभी ऑफलाइन ग्राहकों तक सोशल मीडिया द्वारा पहुँची। आज उनके स्टोर में भारतीय संस्कृति झलकती है। परिधान से लेकर साज-सज्जा सामग्री उनके पास उपलब्ध है। अपने अनुभव को साझा करते हुए सभी को प्रेरणा दी कि बिना किसी झिझक के स्वतंत्र होकर कार्य करें। जब परिवार में सभी लोग एक-दूसरे का साथ देते हैं तो महिलाएँ बहुत तेजी से आगे बढ़ सकती हैं। आशा ने कहा कि जेबीएन महिला विंग के ऑफिस दर्शन इवेंट की मेजबानी करके बहुत खुशी हुई। अपने कार्यस्थल और अपनी कहानी को इतनी ऊर्जावान महिलाओं के साथ साझा करना एक अद्भुत अनुभव रहा। सभी ने मेरे ऑफिस का दौरा किया और मेरी यात्रा के बारे में जाना। मुझे उम्मीद है कि मेरे अनुभव और उपलब्धियाँ आपके अपने जुनून और सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेंगी।

सभी का आपसी परिचय हुआ

प्रारंभ में नवकार मंत्र का संगान हुआ। सभी का आपसी परिचय हुआ। कुछ मनोरंजक प्रतियोगिता हुई। कार्यकारिणी सदस्य मीना बडेरा, मधु दुधेड़िया, सुनीता बोरन्दिया, जेबीएन से सुशीला श्रीश्रीमाल, मीना जैन, सुखदेवी जैन और संगीता श्रीश्रीमाल उपस्थित थी। रेफरल हेड सुमन रांका ने सभी का स्वागत कर कहा कि प्रथम कार्यालय दर्शन द्वारा समान विचारधारा वाले उद्यमियों के साथ नेटवर्क बढ़ेगा। एक-दूसरे के अनुभवों से सीखेंगे। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होंगे। सहयोग और विकास के अवसर तलाशें और आगे बढ़े। रेफरल उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने कहा कि साथ जुड़कर, आप न केवल अपना विकास बढ़ाएंगे, बल्कि हमारे जेबीएन समुदाय की सामूहिक सफलता में भी योगदान देंगे। रेफरल मंत्री सीमा शाह ने संचालन किया और धन्यवाद दिया।

बिना ज्ञान के मनुष्य संसार में प्रगति नहीं कर सकता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में विराजित साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि आत्मा के भीतर ही ज्ञान रहा हैं। लेकिन आत्मा पर अज्ञान रूपी कर्मों के आवरण लगे होने से आत्मा में रहे ज्ञान को प्रकट नहीं होने देता है। दान के अनेक रूपों में विद्या दान को भी गिना गया है। परिवार समाज, राष्ट्र आध्यात्मिक, सामाजिक और व्यावसायिक तथा शैक्षणिक हर क्षेत्र में ज्ञान की अहम भूमिका है। ज्ञानियों ने ज्ञान को तीसरा नेत्र कहा है। बिना ज्ञान के मनुष्य को आंखें होते हुए भी अंधे के समान बतलाया गया हैं। अज्ञानी आत्मा भी ज्ञान रूपी नेत्र के मिलने पर सम्यम् ज्ञान की रोशनी से अपने को कुपथ से हटाकर सुपथ पर कदम बढ़ा लेता हैं। उन्होंने आगे कहा कि बिना ज्ञान के मनुष्य संसार में प्रगति नहीं कर सकता हैं। सच्ची शांति व सुख के लिए ज्ञान की साधना सर्वोपरि हैं। विद्या दान के महत्व को परिभाषित करते हुए साध्वी ने

कहा कि किसी अभावग्रस्त जरूरतमंद विद्यार्थी की स्कूल फीस भरकर उन्हें नोटबुक पेन, पेन्सल, गणवेश तथा शैक्षणिक सामग्री किताबें आदि में सहयोग कराना भी दान का एक प्रकार है, जो आपके जीवन में पुण्यवाणी का बंध कराता है। अवश्य ही हमें इस विद्यादान के यज्ञ में सहयोग प्रदान करने के लिए आगे रहना चाहिए। साध्वी ने आगम में वार्णित मेधकुमार, मेथ मेधरय राजा धर्मरुचि अणुगार आदि अनेक महान आत्माओं के घटना-प्रसंगों के माध्यम से अभयदान को सभी दानों में सर्वश्रेष्ठ बताया। प्रारंभ में साध्वी स्नेहप्रभा जी ने कहा कि दान तीन प्रकार का होता है, अभय दान, सुपात्र दान और अनुकम्पा दान। मरते हुए प्राणी के प्राणों की रक्षा करना और भयभीत प्राणी को भय से मुक्त करना अभयदान हैं। पांच महाव्रती साधु साध्वी को दान देना श्रेष्ठ सुपात्रदान हैं। व्रतधारी श्रावक को दान देना मध्यम सुपात्रदान है तथा समकित को दान देना जधन्य सुपात्रदान हैं।

जिनशासन के रत्न बनकर जीवन को उत्तम बनाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमने पदार्थों और पद को महत्व दिया है, लेकिन उस पदार्थ के अन्दर रही हुई चेतन आत्मा को महत्व नहीं देते हैं। सम्मान मिले या अपमान मिले लेकिन अपने जीवन का मान हमें नहीं खोना है। संसार में कंकर भी होते हैं और रत्न भी होते हैं, लेकिन हमें जिनशासन के रत्न बनकर जीवन को अति उत्तम बनाना है। अनेक भव्य आत्माओं ने ग्लान साधु साध्वी जी भगवन्तों की वैयावच्च सेवा करते करते 'जिन' नाम कर्म का भी बंध कर लिया है। बीस स्थानक तप की आराधना से तीर्थंकर नाम कर्म का उपार्जन होता है। पक्के और बड़े घर बनाना ही अपनी प्रसिद्धि का द्योतक नहीं है, बल्कि कच्चे घर में भी अपने पूर्वजों के नाम को प्रसिद्ध करते हुए जिनशासन के कार्य और सेवा करते रहें। सम्यक् दर्शन जिनके जीवन में उतर जाता है वो अपनी सम्पत्ति और द्रव्य का

दुरुपयोग नहीं करते हैं। परमात्मा के द्वार पर जब भी जाओ तब खाली हाथ नहीं बल्कि हाथ भरे हुए जाना चाहिए, जो भरे हाथ जाते हैं उनकी किस्मत भी सद्पुण्य से भरी हुई रहती है। देवाधिदेव के अचिंत्य पुण्य से हमें परमात्मा से कुछ भी मांगना नहीं पड़ता है, बल्कि सब कुछ परमात्मा के पुण्य प्रताप से ही मिल जाता है। अभयदेव सूरी जी ने आठ वर्षों तक ठाणांग आदि ऐसे नव अंगों पर साठ हजार श्लोक प्रमाण टीकाएं लिखी है, वही टीकाएं आज संघ के काम आ रही है। दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिनालय के बाहर तिरंगा ध्वजारोहण किया जाएगा।

अच्छे मन से करें सामायिक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामायिक व्रत आवश्यक (प्रतिक्रमण) करने की भूमिका-पीठीका मानी गयी है। विशेष आवश्यक भाषा में श्रावको को प्रेरणा देते हुए जिन भद्र मणि क्षमा श्रमण 12 वीं शताब्दी में कह गए हैं कि आप लोग बार बार सामायिक करें। सावद्य योगों का त्याग करने की प्रवृत्ति बढ़ावें। सामायिक के भावों में विषमता उग्र द्वेष नहीं जागना चाहिए। सहजता युक्त जीवन का उदारण देते हुए उन्होंने कहा कि श्रावक सुदर्शन ने अनार्य कर्म में रचे हुए अर्जुन मालगार से मैत्री पूर्ण व्यवहार किया। मैत्री से ओतप्रोत भाव समता में रचे हुए ऐसे श्रावक यश कीर्ति कमा गए। वर्तमान सम्प्रदायिक विद्वेष से परस्पर दुरिया बढ़ती जा रही है। अभी सामायिक हजारों करते है, परन्तु भाव सामायिक की अपूर्णता होने से घर घर में विषमता-कटुता, कलह अहंकारिता, आवेश युक्त भावों में क्या सामायिक ठहर सकेगी? समता के बादलों से शीतल पानी की वर्षा से कषाय रुपी गर्मी शांत होगी, तब समझना कि भीतर में सामायिक ने प्रवेश किया।

मैंने पहले ही अतिक्रमण हटाने का दिया है स्पष्ट आदेश: वन मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के वन विभाग मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि हालांकि वन भूमि पर अतिक्रमण का मामला अदालत में सुलझ गया है, लेकिन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जो अतिक्रमण नहीं हटाया गया है उसे ही हटाया जाए और किसानों को इस बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। मंत्री ने यह आश्वासन चिकमगलूरु जिले के प्रभारी मंत्री केजे जॉर्ज के नेतृत्व में जन प्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल और मालेनाडु कोस्टल पीपुल्स यूनियन के प्रतिनिधियों को दिया, जिन्होंने विधान सौधा में उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा मैंने पहले ही अतिक्रमण हटाने का स्पष्ट आदेश दे दिया है। अतिक्रमण का मामला कोर्ट में सुलझने के बावजूद नहीं हटने पर कोर्ट सरकार को नोटिस भी दे रही है। इसलिए केवल

2015 के बाद के ऐसे अतिक्रमणों को ही बेदखली के लिए अधिसूचित किया गया है। मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि उन्होंने निर्देश दिया है कि 3 एकड़ के अंदर अतिक्रमण और निस्तारित नहीं हुए अन्य आवेदनों को नहीं छुआ जाये।

मंत्री द्वारा अतिक्रमण हटाने के दिये गये निर्देश से पहाड़ के किसानों में बेचैनी है और सभी छोटे-छोटे किसान तथा घर बना चुके किसान डरे हुए हैं। विभाग के इस रुख के कारण अधिकारी गांवों के छोटे किसानों पर अत्याचार कर रहे हैं। इसलिए प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि आप स्पष्ट रुख बताएं। साथ ही अनुरोध किया गया कि जिस कृषि भूमि का निस्तारण न्यायालय में हो चुका है, उसे अगले रीपर तक खाली न किया जाए। इस पर मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए अनुरोध पर वन विभाग के अधिकारियों को एक और स्पष्ट निर्देश देने का वादा किया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को यह भी आश्वासन दिया कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि क्या खाली करना चाहिए और क्या खाली नहीं करना चाहिए। अतिक्रमण क्यों खाली किया जा रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी अधिकारियों और आम लोगों को उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित करने और पारंपरिक वन अधिनियम में संशोधन के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजने के लिए मंत्री को धन्यवाद दिया। सरकार ने इस मुद्दे पर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल ले जाने का भी अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल में श्रृंगेरी विधायक टीडी राजेगौड़ा, तारिकेरे विधायक श्रीनिवास, पूर्व मंत्री किमाने रत्नाकर, पूर्व परिषद सदस्य गोपाल स्वामी, गुंडलू टाउन विधायक गणेश और मालेनाडु पीपुल्स यूनियन के अनिल होसाकोप्पा, सुकेश दासनकोडी मौजूद थे।

आलस्य नही समय का सदुपयोग करें पर संस्कार शाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत बच्चों में सद संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कार शाला आलस्य नही समय का सदुपयोग करें का आयोजन सरकारी हाई स्कूल जुगनहल्ली में किया गया। अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया। मंत्री लता नवलखा ने महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सीपीएस ट्रेनर पलक जैन रही। पलक ने विषय पर कन्नड़

भाषा में अपनी प्रस्तुति देते हुए उदाहरण के माध्यम से बच्चों को बताया कि समय का सदुपयोग करने से हमारा विकास होता है। भविष्य उज्वल होता है। बच्चों की शंकाओं का समाधान भी किया। अंत में गेम ऐक्टिविटी कराई गई। बच्चों ने बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया और आगे से समय का सदुपयोग का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम की संयोजिका सुरेखा श्रीश्रीमाल ने ट्रेनर का परिचय दिया और स्नेहा चोरड़िया ने आभार प्रकट किया। कार्यशाला में 28 बच्चे उपस्थित थे।

भजनों में बही भक्ति की सरिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री देवासी (राईका) समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में मागडी रोड स्थित देवासी समाज भवन में श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार को जागरण व प्रसादी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम भगवान भोलेनाथ की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर जागरण का शुभारंभ हुआ। भजन गायक रतनसिंह राजपुरोहित एंड पार्टी की ओर से भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। गायक कलाकारों ने भजनों के माध्यम से भगवान भोलेनाथ की महिमा का बखान किया। भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। भजन संध्या व प्रसादी के आयोजक हरिराम फालका ने स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा मंडल प्रधान एम.एल. शिवकुमार, विश्व हिन्दु प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रवक्ता शशिकांत शर्मा, कवि सुनील तरूण, अरिहंत एक्सप्रेस संस्थापक प्रशांत गोयनका, करणी सेना के अध्यक्ष जयसिंह बघेल का समाज की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर एच. भानाराम बार, देवाराम सामड़, गुमानराम भीम, मोतीलाल खाटाणां, दुर्गाराम लुंका, घासीराम सामड़, छोगाराम सांगावत, हरिराम सांगावत, कानाराम गांगल सहित समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नवकार मंत्र मोक्ष पाने की पहली सीढ़ी : राजेश मुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में राजेश मुनिजी ने फरमाया कि हमें हीरे के समान मिले इस मनुष्य जीवन को व्यर्थ नहीं जाने देना है। सत्संग की गंगा में डूबकी लगाकर संसार सागर से पर जाने के लिए सिद्धत्व अवस्था को पाना है। यह कार्य इस मनुष्य जीवन में ही संभव है।

हमें कषायों से ऊपर उठकर उन्हें शांत करते हुए अपने आत्म स्वरूप को पाना है। नवकार मंत्र मोक्ष पाने की पहली सीढ़ी है। वह यदि हमारे रग रग में बस जाए फिर उसके सहारे गुरु सान्निध्य, देव, गुरु की आज्ञा में रहकर अपने मद को शून्य करते हुए आत्म स्वरूप को पाना है। मुनि ने फरमाया कि जब तक मद जिंदा रहेगा हम केवल ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते। गुरु अपने शिष्यों के लिए ज्ञान, दर्शन और चरित्र रूपी तीन लक्ष्मण रेखाएं खींचते हैं। इस रेखा के अंदर ही अपनी आत्मा का कल्याण का लक्ष्य रखना है। शिष्य इसका उल्लंघन करने की चेष्टा नहीं करें ताकि हम प्रभु में लीन रह सकें। संतों के सान्निध्य से हमें शांति, समाधि और सद्भावना की प्राप्ति होती है। संतों का लक्ष्य भक्तों के आत्म रंजन का होता है, मनोरंजन का नहीं। मद का नशा मदिरा से भी कई गुना अधिक होता है। कषायों को जड़ से काटना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। ऋषभ मुनिजी ने कहा कि गुरु हमारे जीवन में कभी साथी तो कभी मांझी बनकर सही राह दिखाते हैं। गुरु ही शिष्य के लिए मोक्ष रूपी सीढ़ियों का निर्माण करते हैं और उसे मोक्ष के द्वार तक पहुंचाते हैं। गुरु के सानिध्य में ही शिष्य का कल्याण संभव है। नवयुवक मंडल से बसंत बैताला, विनीत मुथा, वचन चोपड़ा, सुशील धारीवाल, दिलीप मुथा ने व्यवस्था में सहयोग दिया। डबल रोड से धर्मचंद लोढ़ा, महेश समदड़िया, वन्नारपेट से विजय धोका, गणपत राज धोका एवं परिवार उपस्थित रहे। संघ के अध्यक्ष धन रूपचंद मेहता ने स्वागत किया। संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

स्कूल के बच्चों में नोटबुक्स का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए कास्यपुरा गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल रामनगर में पढ़ रहे बच्चों में हनुमानमल, संजय कुमार, मनोज कुमार बैद परिवार नोखा बेंगलूरु के सहयोग से नोट बुक्स का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ हुआ। परिषद अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि स्कूल के प्राध्यापक से उन्हें जानकारी मिली की उन्हे बच्चों के लिए नोट बुक्स की आवश्यकता है, जिसे हमने प्रायोजक परिवार के सहयोग से उपलब्ध करवाया। स्कूल प्राध्यापक ने उनकी जरूरत पर उन्हे बुक्स उपलब्ध करवाने के लिए तेयुप आर आर नगर का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर परिषद् से अध्यक्ष विकाश छाजेड़, निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़, कार्यसमिति सदस्य समिक दुगड़ ने अपने समय का विसर्जन कर सेवा कार्य में सहयोग किया।

कांग्रेस सरकार ने बिना धन की उपलब्धता आश्वासन के गारंटी लागू की: अशोक

आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए भाजपा के विपक्षी नेता आर अशोक ने बुधवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने आवश्यक धन की उपलब्धता की गारंटी सुनिश्चित किए बिना चुनाव पूर्व गारंटी लागू की। बेंगलूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस विधायक सरकार की विफलताओं के लिए उस पर हमला करने के लिए मजबूर होंगे। अशोक ने कहा कि बीईएससीओएम, केएसआरटीसी और अन्य राज्य परिवहन उपक्रम गारंटी पर खर्च को पूरा करने में असमर्थता के कारण घाटे में हैं और कहा कि वित्त विभाग को संभाल रहे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को जागना चाहिए

और आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने चाहिए। बेंगलूरु के विकास के लिए आवंटित धन वापस लिया जा रहा है और विभिन्न बुनियादी ढांचे के काम वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर गारंटी के वित्तपोषण के लिए विभिन्न विकासात्मक कार्यों के लिए धन को डायवर्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने बीबीएमपी के लिए धन को छोड़कर 8 से 9 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

लेकिन कांग्रेस सरकार उन्हें धन के लिए तरसा रही है। भाजपा नेता ने दावा किया कि भाजपा-जेडीएस द्वारा आयोजित मैसूरु चलो पदयात्रा को जबरदस्त सफलता मिली है। अशोक ने कहा कि पदयात्रा की सफलता ने कांग्रेस सरकार को हिलाकर रख दिया है और कई नेताओं को पिछली भाजपा सरकार के खिलाफ आरोप लगाने पर मजबूर होना पड़ा है।

भाजपा में असंतोष के बारे में पूछे जाने पर अशोक ने कहा कि वह इस मुद्दे को पार्टी के केंद्रीय नेताओं के समक्ष उठाएंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान स्थिति से अवगत है और उचित समय पर आवश्यक कदम उठाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि अगर पार्टी हाईकमान द्वारा इसे मंजूरी दी जाती है तो वह कुछ नेताओं द्वारा नियोजित बेल्लारी पदयात्रा में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कुछ मामूली मतभेद हैं।

मतभेद जल्द ही दूर हो जाएंगे

केंद्रीय नेताओं ने बसवराज पाटिल यतनाल, रमेश जारकीहोली और अन्य जैसे पार्टी नेताओं के साथ पहले ही चर्चा कर ली है। मतभेद जल्द ही दूर हो जाएंगे और हम साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी व्यक्तियों से ज्यादा महत्वपूर्ण है। भाजपा नेता और एमएलसी सीपी योगेश्वर के आगामी उपचुनाव में चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के बयान पर एक सवाल के जवाब में अशोक ने कहा कि भाजपा नेताओं ने योगेश्वर के आवास का दौरा किया है और उनसे चर्चा की है। उन्होंने कहा पार्टी उम्मीदवार के चयन पर फैसला एनडीए को लेना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपचुनाव से पहले पार्टी के भीतर विद्रोह से लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जाएगा। उन्होंने कहा राज्य में भाजपा और जेडीएस के एनडीए उम्मीदवार की सफलता के लिए हम सभी को एकजुट होकर काम करना होगा।

राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में अगले तीन दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है और ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की गई है।

दक्षिणी आंतरिक जिलों में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ छिटपुट बारिश होगी। कुछ जगहों पर भारी और कहीं बहुत भारी बारिश के आसार हैं और मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सभी को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी गई है।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र ने मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर कहा कि चित्रदुर्ग, तुमकुरु, चिकबल्लापुर और रामनगर जिलों में भारी वर्षा की संभावना है। भारी बारिश के कारण अर्कावती, पलार, पोन्नय्यर, अपर पेन्नार, शिंशा, वेदवती, कावेरी और उसकी सहायक नदियों में जल स्तर बढ़ने की संभावना है। साथ ही, विजयपुर जिले में धोनी नदी बाढ़ स्तर से ऊपर बह रही है, इसलिए नदियों के किनारे की बस्तियों में सावधानी बरती गई है। 16 और 17 अगस्त को भारी बारिश और उसके बाद मध्यम बारिश की संभावना है। तटीय और तटीय पहाड़ी जिलों में गरज और बिजली के साथ छिटपुट बारिश भी संभव है। यहां-वहां भारी बारिश की आशंका है। अगले तीन दिनों तक उत्तरी आंतरिक जिलों में छिटपुट मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

भीमा नदी के तट पर

बाढ़ से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए किया अभ्यास

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला प्रशासन ने अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर बाढ़ से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए सरदागी (बी) गांव में भीमा नदी के तट पर एक अभ्यास किया। टीम सरदागी (बी) गांव के पास भीमा नदी के तट पर पहुंची, बचाव अभियान का प्रदर्शन करने के लिए एक काल्पनिक बाढ़ की स्थिति बनाई। अभ्यास के दौरान, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे, विधायक आलमप्रभु पाटिल और उपायुक्त फौजिया तरन्नुम लाइफ जैकेट पहने हुए मोटर बोट पर सवार हुए। आपदा प्रबंधन टीम और अग्निशमन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने टीम के प्रत्येक सदस्य को स्थिति, उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षण सत्र देखने के लिए स्थानीय स्वयंसेवक और ग्रामीण अभ्यास में एकत्र हुए।

शिरूर में भूस्खलन मामला

दो सप्ताह से अधिक समय के बाद तलाशी अभियान फिर से शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय के बाद, बुधवार को नौसेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और अन्य एजेंसियों ने केरल के लॉरी चालक अर्जुन और दो अन्य लोगों का पता लगाने के लिए पूर्ण खोज अभियान फिर से शुरू किया, जो उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर गांव में भूस्खलन के बाद लापता हो गए थे। 16 जुलाई को राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर हुई इस घटना में आठ लोगों की जान चली गई थी।

उन्होंने बताया कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति, नदी के तेज बहाव और अन्य कारकों के कारण 28 जुलाई को तलाशी अभियान रोक दिया गया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई

विजयन ने हाल ही में अपने कर्नाटक समकक्ष सिद्धरामैया को पत्र लिखकर कोझिकोड से लॉरी चालक का पता लगाने के लिए अभियान फिर से शुरू करने का अनुरोध किया था। पुलिस अधीक्षक (कारवार) नारायण एम ने बताया कि नौसेना, एनडीआरएफ, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विभाग के समन्वित प्रयासों से बुधवार को पूर्ण खोज अभियान फिर से शुरू किया गया। उन्होंने कहा हमारी पुलिस टीम भी इस अभियान का हिस्सा है। हमने राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में पिछले महीने व्यापक बचाव अभियान के दौरान आठ शव बरामद किए थे। उन्होंने कहा अब, खोज अभियान तीन लोगों - केरल के लॉरी चालक अर्जुन और कर्नाटक के दो अन्य मूल निवासियों को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में पहचाने गए चार स्थानों पर खोजने पर केंद्रित है, और गोताखोर भी बचाव अभियान का हिस्सा होंगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के बीच

पेजावर संत ने सामूहिक जागरूकता का किया आह्वान

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
पेजावर मठ के वरिष्ठ स्वामीजी विश्वप्रसन्ना तीर्थ स्वामीजी ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर चिंता व्यक्त की है और इसे संबोधित करने के लिए अधिक जागरूकता और आध्यात्मिक हस्तक्षेप का आग्रह किया है। जारी एक वीडियो संदेश में, स्वामीजी ने न केवल बांग्लादेश में बल्कि भारत में भी हिंदुओं के सामने आने वाली बदतर स्थितियों की निंदा की। उन्होंने हिंदू समुदाय को इन चुनौतियों का सामना करने और वैश्विक शांति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में प्रार्थना की ओर मुड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो एकमात्र प्रभावी समाधान हो सकता है। स्वामीजी ने इस तरह के अत्याचारों के खिलाफ बोलने पर आवाजों को दबा दिए जाने की चिंताजनक प्रवृत्ति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने समाज से सतर्क रहने और इन अन्यायों के जवाब में सक्रिय रुख अपनाने का आह्वान किया। केवल सरकारी कार्रवाई पर निर्भर रहने की प्रभावशीलता के बारे में संदेह व्यक्त करते हुए, स्वामीजी ने नागरिकों से प्रार्थना पर ध्यान केंद्रित करने, शांति और दुनिया की भलाई की वकालत करने का आग्रह किया।

चन्नपटना उपचुनाव के टिकट को लेकर उत्सुकता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चन्नपटना उपचुनाव का टिकट किसके पास जाएगा, इसे लेकर उत्सुकता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सीपी योगेश्वर टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं और टिकट किसे मिलेगा इसका अंतिम फैसला केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के कदम पर आधारित होगा। पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर चन्नपटना से टिकट पाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। क्षेत्र में उनका अपना करिश्मा है। योगेश्वर ने भाजपा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में निर्वाचन क्षेत्र में अपनी राजनीतिक शक्ति अर्जित की है।

वह वर्तमान में विधान परिषद के भाजपा सदस्य हैं और चन्नपटना में भाजपा के टिकट के इच्छुक हैं। लेकिन समस्या एचडी कुमारस्वामी का कदम है, जो केंद्रीय मंत्री हैं। जेडीएस का केवल एक निर्वाचन क्षेत्र रामनगर जिला (बेंगलूरु दक्षिण) है। बाकी कांग्रेस में चले गए। ऐसे में उनके लिए एक निर्वाचन क्षेत्र अपने पास रखना अपरिहार्य है। सीपी योगेश्वर चन्नपटना में भाजपा के चुनाव चिन्ह के तहत चुनाव लड़ना पसंद करते हैं। लेकिन कुमारस्वामी इस पर सहमत नहीं है। इस दौरान योगेश्वर ने हाईकमान से भी बातचीत की। लेकिन पूरक

विकास नहीं हुआ है। बेशक चन्नपटना कुमारस्वामी के लिए अपरिहार्य है। उनकी रणनीति उस निर्वाचन क्षेत्र को जेडीएस में बनाए रखने की है। लेकिन वे किसे मैदान में उतारेंगे? केवल यही जिज्ञासा का कारण है। क्या कुमारस्वामी अपने बेटे निखिल को चन्नपटना से मैदान में उतारेंगे? पदयात्रा के दौरान निखिल कुमारस्वामी और कुमारस्वामी का व्यवहार भी इस बात का पूरक था। लेकिन उन्होंने आधिकारिक तौर पर कहीं भी इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया है। तो सीपी योगेश्वर का अगला कदम क्या है, यह स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा का कारण है। उन्होंने संकेत दिया है कि अगर उन्हें टिकट नहीं मिला तो वह गैर-पार्टी सदस्य के रूप में खड़े होंगे। लेकिन ऐसी भी जानकारी है कि वह कांग्रेस नेताओं के संपर्क में हैं। अभी तक यह साफ नहीं है कि भाजपा आलाकमान चन्नपटना को लेकर क्या करेगा। लोकसभा चुनाव में जीत से खाली हुई 3 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें से दो सीटें भाजपा और एक सीट जेडीएस के लिए बताई जा रही है। लेकिन चन्नपटना में सीपीवाई ने भाजपा के चुनाव चिन्ह के तहत चुनाव लड़ने पर जोर दिया है। ऐसे में देखने वाली बात ये होगी कि भाजपा आलाकमान क्या रुख अपनाता है। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने कहा था कि चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर योगेश्वर ने दावेदारी का दावा किया है। इसलिए हम यह नहीं कह रहे कि यह गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मैदान पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है। सीपी योगेश्वर के पास अपने समर्थक हैं, क्षेत्र में उनकी अपनी ताकत है। लेकिन दोनों पार्टियों को एक साथ चलना होगा। उन्होंने कहा कि इस मौके पर दोनों दल एक साथ बैठेंगे और चर्चा करेंगे कि चन्नपटना का उम्मीदवार कौन होना चाहिए। यह एकमात्र सत्य है, चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र वह निर्वाचन क्षेत्र है जिसे एचडी कुमारस्वामी ने जीता था। दोनों दलों के नेता दिल्ली में चर्चा कर निर्णय लेंगे। तब तक सभी को शांत रहना चाहिए। केंद्र के वरिष्ठ तय करेंगे कि टिकट किसे मिलेगा।

नए राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया सितंबर से होगी शुरू : मुनियप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि नए राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया सितंबर से शुरू होगी। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बीपीएल कार्ड के लिए 2.95 लाख आवेदन आये थे। इनमें से जब पात्रों की जांच की गई तो 50 हजार से ज्यादा आवेदन खारिज कर दिए गए। उन्होंने कहा कि 2.40 लाख आवेदन संशोधित किये गये हैं। इसी प्रकार, हम खाद्य विभाग में योग्य लोगों की पहचान करने का काम कर रहे हैं। 90 हजार नये कार्ड की मांग है। उन्हें संशोधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबित आवेदनों का निपटारा कर सितंबर में नये कार्ड जारी किये जायेंगे। नए कार्ड का मतलब है कि यदि संयुक्त परिवार विभाजित हो जाते हैं, तो अपने माता-पिता से अलग रहने वाले बच्चों को सत्यापन और रिपोर्ट करने के लिए तहसीलदार और खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा अलग कार्ड दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद पात्र लोगों को कार्ड दिये जायेंगे। सर्वे के दौरान योग्य और अयोग्य उम्मीदवारों की पहचान की जाएगी। पात्रों को बीपीएल और अपात्रों को एपीएल कार्ड दिया जाएगा। राज्य में 14 लाख एपीएल कार्ड हैं और उन्हें कम दर पर चावल दिया जायेगा। ज्यादातर लोग राशन की दुकानों से चावल नहीं खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह से कार्ड सुविधा का लाभ उठाने वालों की संख्या केवल 1 से 2 लाख है।

जांच सीबीआई को देने का कोर्ट का निर्देश स्वागत योग्य: मंजुला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मंजुला ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में काफी सबूत नष्ट होने की आशंका है और देश भर में जनाक्रोश के बीच कलकत्ता हाई कोर्ट ने इस घटना की जांच सीबीआई को सौंप दी है, जो कि स्वागत योग्य है। उन्होंने विश्लेषण किया कि राज्य सरकारों के कीचड़ उछालने और लापरवाही के बीच कोर्ट ने हस्तक्षेप कर जांच सीबीआई को सौंपी, जिससे महिलाओं की नैतिक ताकत बढ़ी है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि करीब छह महीने पहले संदेश-खाली में भी हुई दुष्कर्म की घटना की निंदा करने के लिए पूरे देश की महिलाओं ने मार्च निकाला था, जिसमें लाखों महिलाएं शामिल होकर ममता बनर्जी की महिला विरोधी नीति की निंदा कर रही थीं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कलकत्ता में हत्या और जबरन वसूली सबसे आम अपराध हैं।

गारंटी योजनाओं में संशोधन का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं:परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ.जी परमेश्वर ने कहा कि जब विधायक और मंत्री इधर-उधर एकत्र हुए तो गारंटी योजनाओं के पुनरीक्षण पर अनौपचारिक विचार-विमर्श हुआ। लेकिन कोई अंतिम निर्णय नहीं है, फिलहाल इस साल गारंटी योजनाओं में संशोधन का कोई प्रस्ताव नहीं है। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास के पास पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह परंपरा है कि जब मंत्री और नेता दिल्ली जाते हैं तो वे एआईसीसी कार्यालय जाते हैं। इसकी अलग तरह से व्याख्या करने की जरूरत नहीं है। बहुत से लोग सोचते हैं कि गारंटी योजनाएँ केवल गरीबों तक ही पहुँचनी चाहिए। बजट में पहले से ही 56 हजार करोड़ रुपये निर्धारित किये गये हैं। इसलिए चालू वर्ष में गारंटी योजनाओं को संशोधित करना संभव नहीं है। यह सच है कि गारंटी योजनाओं में संशोधन की चर्चा चल रही है। विधायकों और कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक तौर पर अपनी बात कही होगी। लेकिन सरकारी स्तर पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 13 फीसदी वोट मिले। इस बात का विश्लेषण क्यों नहीं किया जाए कि गारंटी योजनाओं के कारण वोट बढ़े हैं। उन्होंने कहा गारंटी

योजना संशोधन के बारे में केवल मेरी राय महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने साफ किया कि अगर कोई एक के बाद एक बयान देता रहेगा तो भ्रम पैदा होगा। प्रवक्ता के तौर पर मैं मुडा मुद्दे पर राज्यपाल के कदम के बारे में कुछ नहीं कहने जा रहा हूं। वे गलत निर्णय ले रहे हैं। अभियोजन की अनुमति न दें। कैबिनेट में फैसला लिया गया है कि राज्यपाल को सीएम को जारी कारण बताओ नोटिस वापस लेने की सलाह दी जाएगी। इसे राज्यपाल को स्वीकार करना चाहिए, अन्यथा, उन्हें अगली कार्रवाई का औचित्य सिद्ध करना होगा। हम आंतरिक आरक्षण के कार्यान्वयन के संबंध में एआईसीसी द्वारा राज्य सरकार को दिए गए निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि इस पर आलाकमान स्तर पर चर्चा होनी चाहिए। भोवी कॉरपोरेशन पर सीआईडी की छापेमारी पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि अवैधता की जांच के आदेश दिये गये हैं। इसी के तहत उन्होंने छापेमारी कर चेकिंग की है। हम भाजपा के कार्यकाल में हुई सभी अनियमितताओं की जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि हर चीज को तार्किक अंत तक पहुंचाया जाना चाहिए। इससे पहले परमेश्वर ने कहा कि वह और कांग्रेस के अन्य नेता मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की सहमति के संबंध में राज्यपाल थावर चंद गहलोत के अगले कदम पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा निजी शिकायत पर अदालत का फैसला घोषित होने के बाद, हम अगले कदम और आगे कैसे बढ़ना है, इस पर चर्चा करेंगे। राज्यपाल अदालत के आदेश के अनुसार काम करेंगे या नहीं, यह देखना बाकी है। यह राज्यपाल कार्यालय के विवेक पर निर्भर है।

डेंगू की स्वदेशी वैक्सीन डेंगीऑल का देश में तीसरे चरण का परीक्षण शुरु

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद- आईसीएमआर ने भारतीय औषधि कंपनी पैनेसिया बायोटेक के साथ मिलकर भारत में डेंगू की स्वदेशी डेंगू वैक्सीन- डेंगीऑल के तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण की शुरुआत की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आईसीएमआर और पैनेसिया बायोटेक ने भारत में डेंगू वैक्सीन के लिए चरण - तीन के क्लीनिकल परीक्षण की शुरुआत की घोषणा की है। यह परीक्षण पैनेसिया बायोटेक भारत की स्वदेशी टेट्रावैलेंट डेंगू वैक्सीन- डेंगीऑल के प्रभाव का मूल्यांकन करेगा। इस परीक्षण में पहले प्रतिभागी को आज रोहतक में पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में टीका लगाया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने इस पर कहा, भारत की पहली स्वदेशी डेंगू वैक्सीन के लिए इस चरण तीन नैदानिक परीक्षण की शुरुआत डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। यह हमारे नागरिकों को इस व्यापक बीमारी से बचाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और वैक्सीन अनुसंधान और विकास में भारत की क्षमताओं को रेखांकित करता है।

उन्होंने कहा कि आईसीएमआर और पैनेसिया बायोटेक के बीच इस सहयोग से न केवल लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम उठा रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के अपने दृष्टिकोण को भी मजबूत कर रहे हैं। वर्तमान में, भारत में डेंगू के खिलाफ कोई एंटीवायरल उपचार या वैक्सीन नहीं है। टेट्रावैलेंट डेंगू वैक्सीन स्ट्रेन को मूल रूप से अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने विकसित किया है। इसने दुनिया भर में प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल परीक्षणों में अनुकूल परिणाम दिखाए हैं। भारतीय वैक्सीन बनाने के प्रथम और द्वितीय क्लिनिकल परीक्षण वर्ष 2018-19 में पूरे हो गए। पैनेसिया बायोटेक 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 19 स्थलों पर चरण तृतीय क्लिनिकल परीक्षण आईसीएमआर के सहयोग से करेगी। इसमें 10,335 स्वस्थ वयस्क प्रतिभागी शामिल होंगे। परीक्षण मुख्य रूप से दो वर्ष तक चलेगा। भारत में डेंगू एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पिछले दो दशकों में डेंगू की वैश्विक घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2023 के अंत तक 129 से अधिक देशों में डेंगू वायरल बीमारी की रिपोर्ट की गई है। भारत में, लगभग 75-80 प्रतिशत संक्रमण लक्षणहीन होते हैं। हालांकि ये व्यक्ति एडीज मच्छरों के काटने से संक्रमण फैला सकते हैं। शेष 20-25 प्रतिशत मामलों में लक्षण चिकित्सकीय रूप से स्पष्ट होते हैं। डेंगू से प्रभावित बच्चों को अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर अधिक है। वयस्कों में, यह बीमारी डेंगू रक्तस्रावी बुखार और डेंगू शॉक सिंड्रोम जैसी गंभीर स्थितियों में बढ़ सकती है।

राज्य सरकार अपनी खनिज युक्त भूमि पर केंद्र से वसूल सकती है पिछला कर बकाया : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने खनिज समृद्ध राज्यों के लिए वित्तीय राहत वाला फैसला सुनाते हुए उन्हें अपनी खनिज युक्त भूमि पर केंद्र सरकार और पट्टा धारकों से एक अप्रैल 2005 से बकाया रॉयल्टी और कर वसूलने की बुधवार को अनुमति दे दी।मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की संविधान पीठ ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।

नौ सदस्यीय इस पीठ ने हालांकि कहा कि इस तरह का बकाया आने वाले 12 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से वसूला जा सकता है। साथ ही, पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य पिछली मांगों पर जुर्माना या कर नहीं लगा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्यों के पास खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता बताने वाला उसका 25 जुलाई 2024 का फैसला पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगा।न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 31 जुलाई को इस मुद्दे पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था कि क्या 1989 से खदानों और खनिज युक्त भूमि पर केंद्र सरकार की ओर से लगाई गई रॉयल्टी राज्यों को वापस की जाएगी। केंद्र सरकार ने खनिज समृद्ध राज्यों की ओर से 1989 से खदानों और खनिज युक्त भूमि पर लगाई गई रॉयल्टी वापस करने की मांग वाली याचिका का बार- बार विरोध किया था। शीर्ष अदालत ने राज्यों के कर लगाने के अधिकार को बरकरार रखते हुए 25 जुलाई को कहा था कि खनन पट्टाधारकों की ओर से केंद्र सरकार को दी जाने वाली रॉयल्टी कोई कर नहीं है। न्यायालय ने कहा था कि खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 राज्यों के कर लगाने के अधिकार को सीमित नहीं करता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने हालांकि, बहुमत के विचार से असहमति जताते हुए कहा था कि रॉयल्टी कर की ही प्रकृति की है। उनका मानना था कि राज्यों को कर लगाने की अनुमति देने से संघीय व्यवस्था पंगु हो जाएगी और खनन गतिविधियों में मंदी आएगी। इससे राज्यों में खनन पट्टे हासिल करने के लिए अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी।

छड़ी मुबारक अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

श्रीनगर, 14 अगस्त (ब्यूरो/एजेंसियां)। भगवान शिव की पवित्र गदा छड़ी मुबारक बुधवार को जम्मू-कश्मीर से अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हो गई। कड़ी सुरक्षा और बम-बम बोलो नारों के साथ श्रीनगर के दशनामी अखाड़ा मंदिर से छड़ी मुबारक आज सुबह रवाना हुई।छड़ी मुबारक के संरक्षक महंत दीपेंद्र गिरि ने कहा कि छड़ी मुबारक आज शाम दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पहुंचेगी और वहां रात रुकेगी। इससे पहले इसे चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी ले जाया जाएगा, जहां पूजा करने के लिए इन जगहों पर हर रात एक बार रुकना होगा। उन्होंने कहा कि छड़ी मुबारक 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर, रक्षा बंधन दिवस के साथ, पवित्र गुफा तक पहुंचेगी और इस वर्ष की यात्रा के समापन के लिए अमरनाथ गुफा मंदिर में अंतिम पूजा आयोजित की जाएगी।

महंत गिरि ने कहा, आज श्रावण शुख प्रकाश दशनामी है और हम अमरनाथ की पवित्र गुफा में अंतिम अनुष्ठान करने के लिए यात्रा के उद्देश्य से श्री दशनामी अखाड़ा श्रीनगर से रवाना हुए।यह इस साल की अमरनाथ यात्रा का अंतिम अनुष्ठान है। वार्षिक 52 दिवसीय पवित्र अमरनाथ यात्रा 29 जून को गांदरबल के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के नुनवान पहलगाम के जुड़वां मार्गों से शुरू हुई। इस वर्ष पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन किए।

वायु सेना के दो रणबांकुरों को शौर्य चक्र तथा छह वीरता पदक से सम्मानित

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर वायु सेना के दो रणबांकुरों को शौर्य चक्र और छह को वायु सेना पदक (वीरता) से सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

वायु सेना के पायलट, विंग कमांडर वी डी कियाने और पायलट, स्क्वाड्रन लीडर दीपक कुमार को शौर्य चक्र से सम्मानित किया जायेगा। इसके अलावा पायलट, विंग कमांडर जसप्रीत सिंह संधु,पायलट, विंग कमांडर आनंद विनायक आगाशे , पायलट , स्क्वाड्रन लीडर महिपाल सिंह राठौर , फ्लाइट गनर, सार्जेंट अश्विनी कुमार , गरूड़ कमांडो, जूनियर वारंट अफसर विकास राघव और पायलट, विंग कमांडर अक्षय अरूण महाले को वायु सेना पदक (वीरता) से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

विंग कमांडर कियाने पिछले वर्ष 24 जुलाई को जब जगुआर लड़ाकू विमान उडा रहे थे तो इसके दोनों इंजन में खराबी आ गयी। इस तरह की स्थिति आम तौर पर कभी नहीं होती। पायलट ने संयम और विवेक तथा हिम्मत का परिचय देते हुए पहले बाएं इंजन को बंद कर दायें इंजन पर विमान को उतारने का प्रयास किया। जब उनका विमान 2500 फुट की ऊंचाई पर गोरखपुर में गहन आबादी वाले इलाके में था तो यह इंजन बंद हो गया इस पर पायलट ने सूझ बूझ का परिचय देते हुए बाएं इंजन को चालू करने में सफलता हासिल की और विमान को आबादी से दूर ले गये। वह अपने कौशल से राष्ट्रीय संपत्ति विमान के साथ-साथ जमीन पर जान माल के नुकसान को बचाने में सफल रहे।स्कवाड्रन लीडर दीपक कुमार पिछले वर्ष 25 अगस्त की रात में प्रशिक्षु पायलट के साथ किरण विमान की प्रशिक्षण उडान पर थे।

विमान के एक पक्षी से टकराने के कारण उसके इंजन में आग लग गयी। स्काड्रन लीडर कुमार ने अपने कौशल और सूझ बूझ का परिचय देते हुए न केवल राष्ट्रीय संपत्ति विमान को सुरक्षित रनवे पर उतारा बल्कि जान माल के नुकसान को भी बचाया।

स्वतंत्रता दिवस पर तटरक्षक बलकर्मी सम्मानित

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तटरक्षक बल के तीन कर्मियों को राष्ट्रपति के पदकों से सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

तटरक्षक बल के प्रवक्ता के अनुसार महानिरीक्षक डोनी माइकल को उल्लेखनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति के तटरक्षक पदक, डिप्टी कमांडेंट आकिल पठान को तटरक्षक पदक (वीरता), उप महानिरीक्षक बालाकृष्णन मुरुगन तथा गिरिश कुमार वर्मा, प्रधान अधिकारी को उल्लेखनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक से सम्मानित किया जायेगा। ये पदक तटरक्षक बलकर्मियों को हर वर्ष वीरता तथा उल्लेखनीय सेवा के लिए स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस पर प्रदान किये जाते हैं।

अपराधियों को बचा रही है ममता सरकार : भाजपा

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोलकाता के एक अस्पताल में महिला डॉक्टर से कथित दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की घटना को लेकर बुधवार को राज्य की ममता सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि बंगाल में अपराधियों को बचाया जा रहा है।

भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि आरजी कार चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की हत्या की घटना के बाद वहां पर शुरू किये गये मरम्मत कार्य को लेकर कहा कि ऐसा सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने और उन्हें मिटाने के लिये किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज्य में पश्चिम बंगाल में अपराधियों को बचाया जा रहा है।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मीडिया रिपोर्ट और कलकत्ता उच्च न्यायालय का फैसला पढ़ने के बाद ऐसा लगता है कि सुश्री बनर्जी अपराधी को बचाने की कोशिश कर रही हैं। उन्हें इसका जवाब देना पड़ेगा। भाजपा प्रवक्ता ने महिला डॉक्टर की हत्या की जांच का काम केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के लिये भी ममता सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि घटना के बाद के पहले 24 घंटे सबूत जुटाने की दृष्टि से अहम थे, लेकिन सुश्री बनर्जी ने बयान दिया कि वह इस मामले को कुछ दिन बाद सीबीआई को सौंपेंगी। उन्होंने सीबीआई को मामले सौंपने में हुई देरी की वजह पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि अगर सीबीआई को यह मामला पहले सौंप दिया गया होता, तो वह घटनास्थल को सुरक्षित कर सकती थी और अपराधी सलाखों के पीछे पहुंच गया होता। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पश्चिम बंगाल में जंगलराज कायम हो गया है।

उन्होंने कहा कि जब तक सुश्री बनर्जी सत्ता में रहेंगी, तब तक राज्य में कोई महिला सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी। उन्होंने विश्वविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संदीप घोष को लेकर भी लेकर ममता सरकार की आलोचना की और कहा कि प्राचार्य के इस्तीफे के बाद उन्हें दूसरी जगह नियुक्त कर दिया गया, यह तो उच्च न्यायालय का हस्तक्षेप है कि उसने राज्य सरकार को फटकार लगाई और उस प्राचार्य को छुट्टी पर भेज दिया। उन्होंने इस कांड की तुलना दिल्ली की निर्भया कांड से करते हुये कहा कि आशंका यह है कि घटना की शिकार डॉक्टर के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और उसके बाद उसकी हत्या कर दी गयी। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस सामूहिक दुष्कर्म की संभावनाओं को खारिज कर केवल एक व्यक्ति के इसमें शामिल मानते हुए उसे गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद सीबीआई ने मूल ताला थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की। सीबीआई ने यह प्राथमिकी गत शुक्रवार को आरजी कार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म एवं हत्या के आरोप शामिल हैं।

रेल सुरक्षा बल के 16 अधिकारियों-कर्मियों को राष्ट्रपति पुरस्कार

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति ने रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ)/ के 16 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) और सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) से सम्मानित किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) के दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त जी.एम. ईश्वर राव को नामित किया गया है जबकि सराहनीय सेवा के लिये पदक (एमएसएम) ने अमरेश कुमार, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, पूर्व मध्य रेलवे, उज्ज्वल दास, सहायक सुरक्षा आयुक्त, पूर्व मध्य रेलवे, संतोष कुमार शर्मा, इंस्पेक्टर, 4 बटालियन आरप-ीएसएफ, बलिवाड़ा श्रीधर, उप-निरीक्षक, पूर्वी तट रेलवे, संजय वसंत मोरे, उप-निरीक्षक, मध्य रेलवे, अजय कुमार, उप-निरीक्षक, 9 बटालियन आरप-ीएसएफ, अभय कुमार, उप-निरीक्षक, पूर्व मध्य रेलवे, जाला सुधाकर, सहायक उप-निरीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे, नईम बाशा शेख, सहायक उप-निरीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे, मुकेश खरे, सहायक उप-निरीक्षक, पश्चिम मध्य रेलवे, अरुण कुमार पासी, सहायक उप-निरीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे, राजपाल नाइक, सहायक उप-निरीक्षक, पश्चिम रेलवे, प्रकाश चंद्र कांडपाल, सहायक उप-निरीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे, राजेश कुमार प्रधान, हेड कांस्टेबल, पश्चिम रेलवे तथा बोंगी पद्म लोचना, हेड कांस्टेबल, पूर्व तटीय रेलवे को चुना गया है।

सीबीआई के 18 कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा तथा सराहनीय सेवा पदक

नई दिल्ली 14 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के 18 अधिकारियों और कार्मिकों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक तथा सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए जाने की बुधवार को मंजूरी दी।

श्रीमती मुर्मु ने छह अधिकारियों/कार्मिकों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक जबकि 12 अन्य अधिकारियों/कार्मिकों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए जाने की स्वीकृति प्रदान की है। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक जिन्हें प्रदान किया जायेगा उनमें सीबीआई पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नरेश कुमार शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार, प्रधान सिपाही रामजी लाल आट और प्रधान सिपाही राज कुमार शामिल हैं।इसी तरह सराहनीय सेवा के लिए जिन्हें पुलिस पदक से सम्मानित किया जायेगा उनमें संयुक्त निदेशक विजयेंद्र बिदरी, पुलिस उपमहानिरीक्षक मोहम्मद सुवेज हक, अपर पुलिस अधीक्षक तथागत वरदान, पुलिस उपाधीक्षक कृष्ण कुमार सिंह, निरीक्षक दर्शन सिंह, सहायक पुलिस निरीक्षक सत्यजीत हलदर, प्रधान सिपाही लालता प्रसाद, प्रधान सिपाही सुभाष चंद्र, प्रधान सिपाही ओंकारदास वैष्णव, प्रधान सिपाही सादी राजू रेड्डी, सिपाही शिवकुमार सुब्रमण्यन और आशुलिपिक संपदा संजीव रेवणकर शामिल हैं।

रघुनाथ जी मंदिर और संपत्तियों को श्रीनगर उपायुक्त अपने नियंत्रण में ले : हाईकोर्ट

श्रीनगर, 14 अगस्त (ब्यूरो/एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने श्रीनगर के उपायुक्त को शहर के बरजुल्ला इलाके में स्थित रघुनाथ जी मंदिर तथा इसकी संपत्तियों समेत 160 कनाल भूमि का प्रबंधन अपने नियंत्रण में लेने का निर्देश दिया है।

न्यायालय ने श्रीनगर के उपायुक्त को मंदिर और इसकी संपत्तियों का प्रबंधन स्वयं या राजस्व और अन्य विभागों के अधिकारियों की एक समिति के माध्यम से करने का भी निर्देश दिया, जो सीधे उनके अधीन हैं। न्यायमूर्ति संजीव कुमार और न्यायमूर्ति एम.ए. चौधरी की पीठ ने कश्मीर के संभागीय आयुक्त द्वारा 23 अप्रैल 2021 को पारित आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद यह निर्देश दिये। पीठ ने अपने अपने आदेश में कहा कि 159 कनाल 10 मरला भूमि के राजस्व रिकॉर्ड में की गयी प्रविष्टियों को हटा दिया जाये और भूमि का कब्जा मंदिर प्रबंधन को सौंप दिया जाये।याचिकाकर्ताओं में बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मियां कयूम भी शामिल हैं, जिन्हें जून में अधिवक्ता बाबर कादरी की 2020 में हुई हत्या की जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया था। मियां कयूम और उनके भाई-बहनों ने कई दशकों से जमीन के हिस्से पर कब्जा करने की दलील दी थी। याचिकाकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि वे सक्षम व्यक्तियों द्वारा नियुक्त किए गए संरक्षित किरायेदार हैं, जो संबंधित समय में मंदिर के मोहतमिम थे और इसलिए उन्हें किसी भी तरह से अतिक्रमणकारी घोषित नहीं किया जा सकता है और उन्हें सुनवाई का अवसर दिए बिना बाहर नहीं निकाला जा सकता है।

प्रतिवादियों ने यह तर्क देते हुए याचिका का विरोध किया कि 1976, 1987-88 बिक्रमी के राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार एस्टेट बरजुल्ला के टेंगपोरा में स्थित 159 कनाल से अधिक की भूमि महंत बाबा गिरधारी दास चेला हरदेव दास बैरागी के माध्यम से रघुनाथजी मंदिर बरजुल्ला के स्वामित्व में दर्ज है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने अपने वकीलों के माध्यम से तर्क दिया कि विषय भूमि मंदिर की निजी खेती के अंतर्गत दर्ज है और कुछ हिस्सा कुछ स्थानीय लोगों की किरायेदारी के अंतर्गत है।न्यायालय ने हालांकि याचिकाकर्ताओं के दावों या प्रतिवादियों के प्रतिदावों के गुण-दोष पर अंतिम फैसला नहीं सुनाया क्योंकि इससे उचित मंचों के समक्ष पक्षों के मामले पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालय ने श्रीनगर के उपायुक्त को तुरंत मंदिर और उसकी संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने तथा इसका प्रबंधन खुद या राजस्व अथवा अन्य विभागों के अधिकारियों की एक समिति के माध्यम से करने का निर्देश दिया, जो सीधे उनके अधीन हैं।आदेश में कहा गया है कि अब से किसी भी महंत या उनके शिष्य के नाम पर कोई म्यूटेशन सत्यापित नहीं किया जायेगा और संपत्तियां जिला प्रशासन के प्रबंधन के तहत मंदिर के नाम पर रहेंगी तथा राजस्व रिकॉर्ड में भी यही दर्ज होंगी। आदेश में कहा गया है कि अगर कोई अतिक्रमण है तो उसे हटाने के लिए कानून के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जायेंगे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

इस सनातन राष्ट्र को एकजुट होना ही होगा : योगी

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। देश इतिहास के काले अध्यायों को स्मरण कर रहा है। इतिहास केवल अध्ययन का विषय नहीं होता है, बल्कि वह गलतियों के परिमार्जन और गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करने का संकल्प होता है। आखिर क्या कारण था कि हजारों हजार वर्षों से सनातन राष्ट्र रहा भारत गुलाम हुआ। विदेशी आक्रांताओं ने यहां की परंपरा-संस्कृति को रौंदा और देश को गुलाम बनाया गया। क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश को स्वतंत्र कराने की दिशा में विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी थी। जब उसकी पूर्णता का समय आया तो इस सनातन राष्ट्र को विभाजन की त्रासदी का सामना करना पड़ा।

उक्त बातें मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे बुधवार को लोकभवन में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। विभाजन विभीषिका पर आधारित लघु फिल्म के जरिए आमजन का दर्द दिखाया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो किसी युग में नहीं हुआ, वह कांग्रेस की सत्ता के प्रति अभिलिप्सा ने विभाजन की त्रासदी के रूप में प्रस्तुत किया और स्वतंत्र भारत को ऐसा नासूर दे दिया, जिसका दंश आज भी भारत आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के रूप में झेल रहा है। यदि तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व ने दृढ़ता का परिचय दिया होता तो दुनिया की कोई ताकत इस अप्राकृतिक विभाजन को मूर्त रूप नहीं दे पाती। येन-केन प्रकारेण सत्ता प्राप्त करने के लिए कांग्रेस ने देश को दांव पर लगा दिया गया। 1947 और इसके बाद से यह लगातार हो रहा है। जब भी इनके हाथ में सत्ता में आई, इन लोगों ने देश की कीमत पर राजनीति की। इसकी कीमत जनता को लंबे समय तक चुकानी पड़ी है। विभाजन की दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी हम सबको उन्हीं गलतियों की परिमार्जन की तरफ ध्यान आकृष्ट करती है।

सीएम योगी ने कहा कि भारत बल-बुद्धि, विद्या में दुनिया का नेतृत्व करने का सामर्थ्य रखता था। 16वीं सदी तक भारत का वैभव दुनिया में अग्रणी था। दुनिया की अर्थव्यवस्था के आधे भाग का नेतृत्व अकेले भारत करता था। यह तब था, जब देश कई सौ वर्षों तक लगातार विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण को झेल रहा था। 14 अगस्त 1947 को देश के विभाजन की त्रासदी हो रही थी। 15 अगस्त 1947 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा तिरंगा फहराकर कांग्रेस नेता आजादी का जश्न मना रहे थे, तब लाखों लोग अपनी मातृभूमि व परिवार को छोड़ने को मजबूर हो रहे थे। उस समय के अमानवीय अत्याचार किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया का सबसे समृद्धतम देश 1947 तक आते-आते दरिद्र देश में बदल गया था। हमारी कुछ कमजोरियों ने आक्रांताओं को देश के अंदर आक्रमण करने के लिए स्थान दिया।

सीएम योगी ने कहा कि जो गलतियां इतिहास के काले अध्याय के रूप में हमारे सामने कैद हैं, वही गलतियां चुनाव के समय राजनीतिक दल करते हैं। जो पहले जातिवाद के नाम पर होता था, वही कारनामे आज राजनीतिक दलों के स्तर पर किए जा रहे हैं। जातीयता का नग्न तांडव करके उसी विभाजन की ओर ले जाने की कुत्सित चेष्टा की जा रही है। परिणाम फिर वही है। चेहरे- तिथि बदली है, लेकिन घटनाओं का स्वरूप वही है। सीएम योगी ने कहा कि 1947 के पहले महर्षि अरविंद ने उद्घोषणा की थी कि आध्यात्मिक जगत में पाकिस्तान कोई वास्तविकता नहीं है। उसका भारत में विलय होगा या पाकिस्तान हमेशा के लिए समाप्त होगा। आध्यात्मिक जगत में जिसका वास्तविक अस्तित्व नहीं है, उसे नष्ट ही होना है। जाति, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन से उबरकर हमें राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने इतिहास के काले अध्यायों से पर्दा उठाकर गलतियों के परिमार्जन के लिए रास्ता बनाने का आह्वान किया है। हमें इसी आह्वान के साथ जुड़ना है। जो 1947 में हुआ, वही आज पाकिस्तान और बांग्लादेश में हो रहा है। उस समय 10 लाख हिंदू-सिख काटे गए थे, आज भी वही आगजनी, तोड़फोड़, लूटपाट, बहन-बेटियों संग अत्याचार, त्रासदी का दृश्य देख रहे हैं। डेढ़ करोड़ हिंदू बांग्लादेश में आज अस्मिता बचाने को चिल्ला रहे हैं। दुनिया और भारत के कथित सेक्युलरिस्ट के मुंह आज भी सिले हैं, क्योंकि इन्हें वोट बैंक की चिंता है। इनकी मानवीय संवेदना मर चुकी है। इन्होंने आजादी के बाद बांटो और राज करो की राजनीति को प्रोत्साहित किया है। इन लोगों ने अंग्रेजों से सत्ता प्राप्त की, लेकिन यह भारत की सत्ता का नेतृत्व नहीं कर रहे थे, बल्कि ब्रिटिशर के मानस पुत्रों के रूप में इन्होंने सत्ता का संचालन किया। उसी का दुष्परिणाम अखंड हिंदुस्तान ने चुकाया है।

सीएम योगी ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की जननी भी है। भारत ने नागरिकों को जितनी स्वतंत्रता दी है, ऐसी स्वतंत्रता किसी भी देश में नहीं है। हमें संविधान पर गौरव और इसके निर्माताओं के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल की दृढ़ता का सम्मान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को शत-शत नमन करना चाहिए, जिन्होंने अपनी पीड़ा को दबाने के बावजूद हमें संविधान प्रदान किया। भारत की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले नायकों के प्रति श्रद्धा का भाव व्यक्त करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि 2047 में शताब्दी महोत्सव के समय भारत विकसित, शक्तिशाली, सशक्त होगा। ऐसे सशक्त भारत के निर्माण के लिए पीएम ने आजादी के अमृत महोत्सव में पंच प्रण की बात की थी। उसमें से सबसे महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य का हम सभी को पालन करना होगा। राष्ट्रप्रथम के भाव के साथ काम करना होगा। यह जीवन का संकल्प बनेगा तो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने में देर नहीं लगेगी। पिछले दस वर्ष में भारत की प्रगति दुनिया को अचंभित करती है। भारत सुरक्षित है तो विश्व मानवता सुरक्षित है। दस वर्ष पहले भारत दसवीं, आज पांचवीं और अगले तीन वर्ष के अंदर भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर विभाजन करने वाले उन ताकतों से सतर्क रहकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के बारे में सोचना होगा। विभाजन त्रासदी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। इस त्रासदी और समय-समय पर धोखे के लिए कांग्रेस जनता से माफी नहीं मांगेगी। कांग्रेस को जब भी अवसर मिला, लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया। 1975 इसका उदाहरण है। नागरिकों ने जब भी अधिकारों की बात की तो कांग्रेस ने देश में भाषाई, क्षेत्रीय विवाद, हिंदुओं-सिखों को लड़ाने का पाप किया। इसके लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं किया जा सकता है।

सीएम योगी ने कहा कि आज भी ननकाना साहिब में गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन की अनुमति नहीं मिलती है। सिंध तो हिंदू बाहुल्य था, सिंधी बाहुल्य राज्य है। उसे पाकिस्तान के अंदर क्यों जाने दिया गया। 1947 में बांग्लादेश में 22 फीसदी हिंदू थे, आज घटकर 7-8 फीसदी रह गए है। एक सप्ताह पहले बांग्लादेश के चटगांव में लाखों हिंदू जुटकर दुनिया के सामने गुहार लगा रहे थे। बांग्लादेश के अंदर रहकर भी नरपिशाचों के सामने अपनी परवाह किए बिना वर्तमान व भावी पीढ़ी को बचाने के लिए हिंदुओं ने दुनिया को वास्तविक चेहरा दिखाया है। बांग्लादेश में हिंदू अमानवीय अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। हमें मजहबी उन्माद से देश-दुनिया को बचाने का आह्वान करना है। मजहबी उन्माद एकता के माध्यम से परास्त होगा। महर्षि अरविंद का अखंड भारत का सपना ही इसका समाधान होगा।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह, बलवीर सिंह औलख, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, बृजलाल, विधायक योगेश शुक्ल, ओपी श्रीवास्तव, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, रामचंद्र प्रधान, मुकेश शर्मा, अनूप गुप्ता, उमेश द्विवेदी, लालजी निर्मल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया समेत अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य मौजूद रहे।

योगी के नेतृत्व में निकली विभाजन विभीषिका स्मृति मौन पदयात्रा

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस बुधवार को मनाया गया। इसके तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'विभाजन विभीषिका स्मृति मौन पदयात्रा' निकली। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। इसके बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रतिमा स्थल से प्रारंभ होकर पदयात्रा लोकभवन तक पहुंची।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हाथ में तख्ती लेकर चल रहे थे। इसमें त्रासदी का दंश झेलने वालों की पीड़ा बयां थी। लोकभवन में पहुंचने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाजन विभीषिका की त्रासदी पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। विभाजन विभीषिका स्मृति मौन पदयात्रा में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह, बलवीर सिंह औलख, विधायक योगेश शुक्ल, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, रामचंद्र प्रधान, मुकेश शर्मा, अनूप गुप्ता, उमेश द्विवेदी, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य मौजूद रहे।

सीएम योगी ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को अपने सरकारी आवास, 5 कालिदास मार्ग पर तिरंगा फहराया। इसके बाद सीएम ने सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि हमारी एकता, अखंडता, संप्रभुता और आन-बान-शान का प्रतीक, हमारा तिरंगा, हर घर तिरंगा फहराएंगे। जय हिंद।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस वर्ष भी देश में 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के लगभग साढ़े चार करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा।

इसी क्रम में बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर तिरंगा फहराया। साथ ही यूपी के आम जनमानस से भी अपील की कि सभी अपने घर पर देश की शान तिरंगा फहराएं।

एक सदी से राष्ट्रवाद की अलख जगा रही है गोरक्षपीठ

गोरखपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। गोरक्षपीठ, गोरखपुर स्थित उत्तर भारत की प्रमुख और देश की संभवतः इकलौती पीठ जिसमें राष्ट्र प्रेम का जज्बा कूट-कूट कर भरा है। एक ऐसी पीठ जो लगभग एक सदी से लगातार राष्ट्रवाद की अलख जगा रही है।

अपने समय के सबसे ताकतवर मुगल सम्राट अकबर से सीमित संसाधनों से लोहा लेने वाले महाराणा प्रताप भले चित्तौड़ के रहने वाले हों, लेकिन गोरक्षपीठ ने गोरखपुर में उनके आदर्शों को जीवंत कर रखा है। उनके देश प्रेम के जज्बे और जुनून से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी, आज वह वटवृक्ष बन कर पूरे पूर्वांचल में ज्ञान का प्रकाश स्तंभ बन चुका है।

पीठ की परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हरदम प्रयास रहा है कि शहीदों से जुड़ी जगह लोगों खासकर युवाओं के लिए प्रेरणा स्थल बनें। खासकर युवा पीढ़ी उनके सरोकारों, देश प्रेम के प्रति उनके जज्बे, जुनून और कुर्बानी को जाने और खुद में भी यही भाव पैदा करे। इसी मकसद से आजादी की लड़ाई के टर्निंग पॉइंट माने जाने वाले चौरीचौरा की घटना की शताब्दी वर्ष को धूम धाम से मनाया गया। इसी मकसद से इस साल काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी भी मनाई जा रही है। हर जिले में शहीदों के नाम पर पार्क, पौधरोपण के दौरान शहीद वाटिका लगाने को प्रोत्साहन और 13 अगस्त से शुरू घर घर तिरंगा अभियान का भी के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के पीछे भी यही मकसद है। गोरखपुर और गोरक्षपीठ का आजादी की लड़ाई से गहरा रिश्ता रहा है। जब गांधीजी का गोरखपुर आगमन हुआ था तो योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ ने युवा वालंटियर के साथ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नाम तो उनका चौरी चौरा कांड में भी आया था, पर वह ससम्मान उस केस से बरी हो गए। चौरीचौरा के अलावा डोहरिया, नरहनपुर, महुआपार, अब देवरिया का पैना, डुमरी की रियासत, जिला जेल में पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का स्मारक, दाऊदपुर में शचींद्रनाथ सान्याल का स्मारक, शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम से बना चिड़ियाघर गोरखपुर का जाएंगे आजादी में रिश्तों का सबूत है।

रामगढ़ताल के किनारे लगा 246 फीट ऊंचा और 540 वर्गमीटर में फैला प्रदेश का सबसे ऊंचा तिरंगा 15 किमी दूर से दिखता है। यह यहां आने जाने वालों के आकर्षण का केंद्र भी है। रेलवे स्टेशन के सामने महाराणा प्रताप की चेतक पर सवार भव्य मूर्ति भी देश भक्ति की प्रेरणा देती है। अब तो मुख्यमंत्री की पहल से गोरखपुर में गौरव संग्रहालय भी बन रहा है। इसमें उन सभी लोगों की मूर्तियां रहेंगी और उनके कृतित्व व व्यक्तित्व की तफसील से जानकारी मिलेगी जिन्होंने जंगे आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधायक समेत तीन लोगों की हत्या की धमकी

ब्लॉक मुख्यालय की दीवारों पर चस्पा किया धमकी वाला पर्चा

बलिया, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में विधायक समेत तीन लोगों की हत्या की धमकी देते हुए ब्लॉक मुख्यालय की दीवारों पर पर्चा चिपकाया गया है। धमकी के पर्चे के साथ 10 रुपए का नोट भी चस्पा किया गया है। पर्चे में बीते जुलाई माह में बांसडीह कोतवाली के सामने हुई रोहित पांडेय की नृशंस हत्या का हवाला देते हुए क्षेत्रीय विधायक केतकी सिंह, गड़वार के भानु दुबे और छोड़हर के शुभम चौबे की हत्या करने की घोषणा की गई है। साथ ही पुलिस को चैलेंज भी किया गया है कि उसके अंदर हिम्मत हो तो वारदात को अंजाम देने से रोक लें।

इस संबंध में थानाध्यक्ष सुखपुरा योगेंद्र सिंह का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। उसकी जांच कराई जा रही है। इस तरह के पर्चे पूर्व में भी ब्लॉक मुख्यालय की दीवारों समेत ग्राम सभा असेगा और बेरूआरबारी गांव में चिपकाए गए थे। बलिया के एसपी विक्रांत वीर ने कहा, सुखपुरा थाना क्षेत्र के बेरुआरबारी में विधायक की हत्या कराने के पर्चे मामले में थाना में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। मामले की जांच कर आरोपी तक पहुंचने में टीम लगी है।

बिना बताए विदेश गए डीआईजी पर सख्त कार्रवाई

दो अन्य अफसरों पर भी एक्शन

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत स्टांप और रजिस्ट्रेशन विभाग ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की है। बिना अनुमति विदेशों की सैर करने पर डीआईजी राम इकबाल सिंह को आगरा से हटाकर मुख्यालय अटैच कर दिया है। जांच लेकर बैठे और रिपोर्ट न देने पर अपर महानिरीक्षक को भी पद से हटा दिया गया है।

भ्रष्टाचार के आरोप में सहायक महानिरीक्षक सुनीता बाजपेयी के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। एक साथ तीन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन से विभाग में खलबली मची है। आगरा मंडल के उप महानिरीक्षक निबंधन और उपायुक्त स्टांप बिना विभागीय अवकाश के नेपाल चले गए थे। इससे पहले विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए बिना थाईलैंड जाने के भी आरोप थे। बिना अनुमति विदेश यात्रा को लेकर आगरा मंडल की कमिश्नर रितु महेश्वरी ने उनकी शिकायत की थी। हालांकि बताया जाता है कि बाद में थाईलैंड यात्रा की एनओसी मिल गई थी।

उनके खिलाफ अनियमितताओं के मामले की भी जांच चल रही थी। जांच प्रभावित करने की संभावना देखते हुए राम इकबाल सिंह को प्रयागराज मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया। राम इकबाल सिंह पर लगे आरोपों की जांच की जिम्मेदारी अपर महानिरीक्षक निबंधन (पश्चिमी क्षेत्र) मुनीन्द्र सक्सेना को सौंपी गई थी।

इसके अतिरिक्त उन्हें अन्य कई मामलों की जांच भी वह कर रहे थे लेकिन जांच दबाए रहने के कारण कार्यवाही नहीं हो पा रही थी। साथ ही लोगों को होने वाली परेशानी से जुड़े तमाम मामले भी विभाग में आ रहे थे। इसे देखते हुए प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने उन्हें भी मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया। श्रावस्ती की सहायक महानिरीक्षक निबंधन और सहायक आयुक्त स्टाम्प सुनीता बाजपेयी पर भाजपा विधायक राम फेरन पांडेय ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे।

उन्होंने स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल से लिखित में शिकायत की थी। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए सुनीता बाजपेयी को भी प्रयागराज मुख्यालय से सम्बद्ध कर लखनऊ कैम्प कार्यालय स्थित उप महानिरीक्षक निबंधन को जांच के निर्देश दिए गए हैं। आईजी स्टांप डॉ. रूपेश कुमार ने जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए उन्हें 15 दिन का समय दिया गया है।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ

काकोरी के नायकों की गाथा पूरे देश में पहुंचाएगी योगी सरकार

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ मना रही है। 9 अगस्त को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका आगाज किया है। अब पूरे वर्ष शताब्दी समारोह आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में, लखनऊ स्थित भारतेंदु नाट्य अकादमी देश के कई राज्यों में काकोरी नायकों की कहानी और ऐतिहासिक ट्रेन एक्शन की गाथा को अपनी नाट्य प्रस्तुति से जीवंत करेगी।

भारतेंदु नाट्य अकादमी के निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि नाट्य प्रस्तुतियां उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, बिहार, तेलंगाना और दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों में भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा सिक्किम और असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्रों में भी इसका प्रदर्शन किया जाएगा। निदेशक के मुताबिक अकादमी की तरफ से सितंबर में नाट्य प्रस्तुतियों का शुभारंभ होगा। इसका पहला आयोजन लखनऊ में किया जाएगा। देश भर के अन्य राज्यों से पहले यूपी के जनपदों में भी इसका मंचन किया जाएगा। गौरतलब है कि काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर योगी सरकार अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दे रही है। 9 अगस्त को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष भर चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया था। योगी सरकार भारत के गौरवशाली अतीत से वर्तमान व भावी पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से पूरे साल यह आयोजन करेगी।

संपादकीय

भारत बांग्लादेश नहीं

तीन दिन के बाद हम देश का 'स्वतंत्रता दिवस' मनाएंगे। राष्ट्रध्वज 'तिरंगा' अभी से घर-घर और हाथों में लहरा रहा है। आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, लेकिन भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता यथावत है। इधर कुछ 'देशद्रोही' आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद सरीखे नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों देशों में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। बेरोजगारी बहुत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। उनका इस बार का चुनाव सवालिया है। उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन समान स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आ सकता है। दुर्भाग्य है कि अय्यर और खुर्शीद भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? यह बयान संवैधानिक मर्यादा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव व्यक्त किए गए हैं। एक और उदाहरण गौरतलब है कि लोकसभा में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्ला ने धमकी भरे लहजे में कहा कि कहीं ऐसा न हो कि मुसलमान सडक़ों पर उतर आएं! यह घोर असंसदीय टिप्पणी है, जिस पर स्पीकर ओम बिरला को तुरंत आपत्ति जतानी चाहिए थी और सत्ता पक्ष को भी विरोध दर्ज कराना चाहिए था। हम नहीं जानते कि सपा सांसद की उस टिप्पणी को लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज होने दिया गया अथवा रद्द कर दिया गया। ऐसे ही बयानों के आधार पर मुसलमानों को भडक़ाने, सुलगाने की कोशिशें जारी हैं। उन्हें तुरंत कुचल देना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल भी 'भारत में मुस्लिम बगावत' का समर्थन कर रहे हैं, क्योंकि मुसलमान उनके वोट बैंक हैं। वे सभी मुगालते में हैं कि मोदी सरकार को इसी तरह ध्वस्त किया जा सकता है, लिहाजा वक्फ के नए नेरेटिव के आधार पर वे मुसलमानों को भडक़ा, उकसा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे फर्जी विचारकों ने भी भारत में 'अपशकुनी आशंकाओं' के प्रलाप जारी रखे हैं। इस तरह एक व्यापक मजहबी, सियासी, सामाजिक और वैचारिक षड्यंत्र रचा जा रहा है, लिहाजा हमने 15 अगस्त की याद दिलाई है। भारत आत्मा से लोकतांत्रिक देश है। तख्तापलट या राष्ट्रध्यक्षों, प्रधानमंत्रियों की हत्या करने के संस्कार भारतीयों में नहीं हैं। आंदोलन भारत में भी होते रहे हैं, क्योंकि यह संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन आंदोलन भारत-विरोधी नहीं होते। भारत में भी राजनीतिक अस्थिरता के दौर रहे हैं, क्योंकि 1970 के दशक के बाद 'त्रिशंकु जनादेश' दिए गए हैं, लिहाजा बाहरी समर्थन से अथवा गठबंधन के आधार पर सरकारें बनी हैं। चौ. चरण सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्रियों ने ऐसी आधी-अधूरी सरकारें चलाई हैं, लेकिन उनके खिलाफ बगावती उपद्रव कभी नहीं मचे। मार-काट अथवा प्रधानमंत्री के इस्तीफे या सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों को जबरन पद छोडऩे को विवश कभी नहीं किया गया, क्योंकि भारत आत्मा से, समग्रता में, लोकतांत्रिक देश है। हर बार लोकतंत्र का पालन किया जाता रहा है, बेशक चुनावी जनादेश कैसा भी हो। बांग्लादेश दिखावटी लोकतंत्र रहा है।

> आजादी को 77 साल बीत जाएंगे, लेकिन भारत का लोकतंत्र और उसकी संप्रभुता यथावत है। इधर कुछ 'देशद्रोही' आवाजें उठ रही हैं कि भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं! आंदोलन और बगावत की नौबत आ सकती है! मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद सरीखे नेताओं ने दोनों देशों की परिस्थितियों की तुलना की है कि दोनों देशों में युवा असंतोष, आक्रोश चरम पर हैं। बेरोजगारी बहुत है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना 'तानाशाही फितरत' की थीं। उन्होंने विपक्ष का पूरी तरह दमन कर दिया था। भारत में भी प्रधानमंत्री मोदी को 'तानाशाह' करार देते हैं। उनका इस बार का चुनाव सवालिया है। उन्होंने भी विपक्षी नेताओं के पीछे सरकारी एजेंसियां लगा रखी हैं। विपक्षी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। इन समान स्थितियों के मद्देनजर भारत में भी आंदोलनात्मक उफान आ सकता है। दुर्भाग्य है कि अय्यर और खुर्शीद भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने यह बयान सार्वजनिक मंच से दिया है कि मोदी जी शेख हसीना की सलाह ले लें कि देश छोड़ कर कैसे भागना है? यह बयान संवैधानिक मर्यादा और गरिमा का घोर अतिक्रमण है, क्योंकि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसे भाव व्यक्त किए गए हैं।

चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित गर्ग

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है।

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम

एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही 'इंडिया आउट' का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है।

दृष्टि कोण

प्रकृति में समृद्ध, विकास में पिछड़ा चंबा जिला

हिमाचल प्रदेश का जिला चंबा आजादी से पहले उत्तर पश्चिमी हिमालय का एक मुख्य रजवाड़ा हुआ करता था, जो आजादी के बाद हिमाचल प्रदेश में 1948 में शामिल हुआ और जिला चंबा कहलाया। हालांकि लाहौल का भी कुछ क्षेत्र चंबा रजवाड़े का भाग हुआ करता था जिसे चंबा लाहौल कहा जाता था। पंजाब-हिमाचल के पुनर्गठन के बाद कुल्लू-लाहौल का मुख्य भाग भी जब हिमाचल में शामिल हो गया तब चंबा लाहौल वाला क्षेत्र जिला लाहौल-स्पीति में डाल दिया गया। चंबा रजवाड़ा शासन के अंतर्गत अन्य पहाड़ी रजवाड़ों से विकसित और प्रगतिशील माना जाता था, जहां 1870 से पहले राजा श्री सिंह के समय आधुनिक चिकित्सालय का निर्माण हो चुका था, राजा शाम सिंह के समय जिसे 40 बिस्तर का अस्पताल बनाया गया। राज्य के दूरदराज हिस्सों को सडकों से जोड़ा गया। विद्यालय खोले गए। प्रतिभाशाली छात्रों को राज्य से बाहर पढने के लिए छात्रवृत्ति दने की व्यवस्था हुई। 1881 में एशिया का पहला कुष्ठ रोग चिकित्सा केंद्र खोला गया। राज्य में डाक व्यवस्था से संपर्क व्यवस्था खड़ी की गई। 1908 में भूरि सिंह संग्रहालय की स्थापना हुई। 1910 में जल विद्युत पॉवर हाउस बनाया गया। जब चंबा में बिजली थी, तब कांगड़ा और अन्य हिमाचली रजवाड़ों में कहीं भी बिजली नहीं थी। आजादी के समय पहाड़ी क्षेत्रों को पंजाब के पहाड़ी क्षेत्र कह कर पंजाब में मिलाने की बात हो रही थी, जिसके पीछे तर्क छोटे राज्य के लिए आर्थिक संसाधन जुटाना संभव नहीं था। उस समय हिमाचल के पूर्वी छोर पर तीन जिले मंडी, शिमला और सिरमौर ही हिमाचल में शामिल हो रहे थे।

चंबा तो अलग-थलग पश्चिमी छोर पर था। किंतु चंबा ने प्रजामंडल के माध्यम से अलग पहाड़ी प्रदेश की मुहिम में शामिल होकर हिमाचल के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हिमाचल के गठन को संभव बनाया। बिलासपुर रजवाड़ा तो बाद में 1952 में हिमाचल में मिला। इसलिए चंबा के महत्व को उस समय के नेतृत्व ने समझा और समय के साथ चलने के लिए जरूरी विकास कार्य बखूबी हुए। बिजली को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने का कार्य 1955 के बाद ही आरंभ हो गया। उस समय हिमाचल सी श्रेणी राज्य था जिसे पर्याप्त केन्द्रीय सहायता प्राप्त थी। चंबा की प्रमुख ग्रामीण सडक़ों का निर्माण शुरू हुआ। प्रदेश का पहला सामुदायिक विकास ब्लाक भटियात (चंबा) में खोला गया। स्कूलों के भवन, पटवारखाने आदि के भवन बनाए गए। दुर्भाग्य से राज्य पुनर्गठन के बाद चंबा का राजनीतिक कद छोटा होता गया। चंबा धीरे धीरे पिछड़ता गया। आज देश के 112 सबसे पिछड़े जिलों में इसकी गणना हो रही है। हिमाचल में भी चंबा अंतिम पायदान पर खड़ा है। हालांकि जिला के पास विकास के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रचुरता से उपलब्ध हैं। जिला में 2952 मेगावाट जल विद्युत की क्षमता है जिसमें से 1500 मेगावाट क्षमता का दोहन वर्तमान में हो रहा है। जिला का भौगोलिक स्वरूप विविधतापूर्ण है। यहां 2000 फुट से 21000 फुट तक ऊंचाई के क्षेत्र विद्यमान हैं, जहां उष्णकटिबंधीय से लेकर शीत मरुस्थलीय जलवायु उपलब्ध है। इसमें हर प्रकार की फसलों, जड़ी-बूटियों और वन उपजों का उत्पादन होता है। जिला का क्षेत्रफल 692419 हैक्टेयर है। आबादी 519080 है, जिसमें 56.65 फीसदी कर्मकार आबादी है। वन भूमि भी काफी है। कृषि क्षेत्र 70563 हैक्टेयर है। साक्षरता दर 72.17 प्रतिशत है। वर्तमान में चंबा के पिछड़ेपन के प्रमुख तीन कारण हैं : आवागमन एवं संचार व्यवस्था में कठिनाइयां, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था का अभाव, स्वास्थ्य व्यवस्था का अभाव। इन तीन कमियों के कारण जो भी व्यक्ति समर्थवान हो जाते हैं, वे यहां से दूसरी जगहों में बस जाते हैं।

स्थायी प्रवास का आंकड़ा भी जिला में काफी होगा जिसका इशारा बढ़ते गैर आबाद गांव की संख्या से भी मिल जाता है। 2001 में गैर आबाद गांव 473 थे जो अब 481 हो गए हैं। यहां की प्रशासनिक व्यवस्था भी डांवाडोल ही रहती है। चंबा में पोस्टिंग को लोग सजा के तौर पर देखते हैं और यहां से बदली करवाने के चक्कर में रहते हैं। यही कारण है कि मेडिकल कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं में भी डाक्टरों की रिक्तियां भरी नहीं जा सकती। कृषि-बागवानी आदि प्रमुख विभागों में भी ज्यादातर स्थान अमूमन खाली रहते हैं। यही कारण है कि चंबा के संसाधनों और क्षमताओं के समुचित दोहन की व्यवस्थाएं खड़ी नहीं की जा सकी हैं।

कुछ अलग

यूनुस से उम्मीदें

शेख हसीना के नाटकीय ढंग से बांग्लादेश छोड़ने के बाद अराजकता व हिंसा का जो तांडव चलता रहा है, उसके बीच अंतरिम सरकार के मुखिया की जिम्मेदारी नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को मिलना नई उम्मीदें जगाता है। यह आने वाला वक्त बताएगा कि 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस निर्विवाद लोकप्रियता के बावजूद अराजक बांग्लादेश को कितनी जल्दी सामान्य बना पाते हैं। निश्चित रूप से उथल-पुथल से गुजरते देश में स्थिरता लाना एक कठिन चुनौती होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि विश्वविख्यात अर्थशास्त्री और गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले यूनुस मौजूदा हालात में एक बेहद विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आए हैं। यहां तक कि हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलनरत छात्र नेताओं ने ही उनके नाम की सिफारिश इस जिम्मेदारी के लिये की थी। यह अच्छी बात है कि उन्होंने कहा कि देश मे हिंसा व अशांति रहने से यह दूसरी आजादी निरर्थक साबित हो सकती है। वहीं उन्होंने भारत से बेहतर रिश्तों की भी जरूरत बतायी है। साथ ही उन्होंने आंदोलनकारियों को लगातार जारी हिंसा के क्षेत्रीय प्रभावों को लेकर भी चेताया है। जाहिर है यूनुस की प्राथमिकता तात्कालिक रूप से सामान्य स्थिति की बहाली, कानून और व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करने तथा कमजोर व अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा तय करना होगी। बांग्लादेश तथा विश्व में मिले सम्मान व विश्वास से अर्जित अधिकार का वे कितने प्रभावशाली ढंग से उपयोग अराजकता समाप्त करने में कर पाते हैं, इसी बात पर उनकी सफलता निर्भर करेगी। निस्संदेह, बांग्लादेश में निरंकुश शासन से उपजे असंतोष ने सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। अब यूनुस जैसे प्रगतिशाली व उदार व्यक्ति के हाथ में कमोबेश सत्ता की बागडोर आना निश्चित रूप से भारत के भी हित में होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत सरकार भी इस रचनात्मक परिवर्तन के प्रति सकारात्मक रुख दिखाएगी। जाहिर है आने वाले दिनों में उनका नेतृत्व ही तय कर सकेगा कि बांग्लादेश कट्टरपंथियों व सेना के चंगुल से मुक्त होकर एक नई शुरुआत की ओर बढ़ सकेगा। निश्चित रूप से एक कार्यवाहक सरकार के मुखिया के रूप में यूनुस से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक संस्थानों में सुधार, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की आकांक्षा को पूरा करने, नेताओं को जवाबदेह बनाने, प्रतिशोध की राजनीति की समाप्ति, सेना व चरमपंथियों की निरंकुशता पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जा रही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि हसीना सरकार के कार्यकाल में यूनुस को राजनीतिक प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने सौ से अधिक मुकदमों का सामना किया। यही वजह है कि उन्हें आंदोलनकारियों ने मार्गदर्शक बनाने पर जोर दिया था। बहरहाल, फिलहाल, भारत की गंभीर चिंताएं अपने नागरिकों व बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश में लंबे समय तक अस्थिरता भी हमारे लिये चिंता की बात होगी। ऐसे में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार से सहयोग करना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि भारत विरोधी राजनीतिक दलों, सेना व कट्टरपंथियों के दबाव के बावजूद उन्होंने भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया है।

देश दुनिया से

2024 के ढाका में फिर उपजा 1975 का भयावह मंज़र

> शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो –सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी–ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं– पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो।

वर्ष 1974 में रोनेन सेन उस वक्त युवा थे, जब बतौर राजनयिक वे ढाका (पूर्व में डाका) में नियुक्त हुए, मुक्ति संग्राम से प्राप्त आजादी अभी नई-नई थी और जननायक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रहरी मुजीब-उर-रहमान का शासन था। एक साल के भीतर–15 अगस्त की अलसुबह राजधानी के बीचोंबीच धानमोंडी स्थित घर में, सबसे छोटे बेटे 10 वर्षीय रसेल सहित पूरे परिवार को खत्म कर दिया गया (यादगार स्मारक बना दिए गये उस घर में मैं कई बार गई हूं, वहां सीढ़ियों पर खून के धुंधलाते धब्बों की याद है, जो शायद मौत से बचने के प्रयासों के दौरान परिवार के सदस्यों के होंगे, प्रतीकात्मक रूप से देखा जाए तो ये बांग्लादेश के उथल-पुथल भरे इतिहास की भी गवाही देते हैं)।

जिस प्रकार सेन वह वाक्या बयान करते हैं, जिज्ञासा जगाने वाली अपनी विशेषता के साथ, कि कैसे ढाका से दिल्ली तक, उस सुबह इंदिरा गांधी को मुजीब की हत्या की खबर पहुंचाई जा सकी थी –इसमें लगभग तमाम किस्म के परिवहन साधनों का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसमें शायद मोटरसाइकिल भी होगी– और जब सूचना उन तक पहुंची तो उस वक्त वे लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन देने के वास्ते सीढ़ियां चढ़ रही थीं। मुजीब दुनिया से जा चुके थे, साथ ही एक युवा राष्ट्र को आगे ले जाने के वादे की भी क्रूर मौत हुई। सेन कहते हैं, उस अजीब सुबह को याद करते वक्त आज भी उन पलों के अहसास से सराबोर हो जाता हूं। 49 साल पहले हुई इन जघन्य हत्याओं के पीछे कौन-सी शक्तियां थीं? और पिछले सप्ताह की 'क्रांति' का जिम्मेवार कौन? अब जबकि हम भारत में आज़ादी की एक और वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, बांग्लादेश का परिदृश्य न केवल 1975 की खटास भरी यादों से भरा है बल्कि भावी नियति के रंगों से भी रंजित है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के तहत 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है, ऐसी खबरें हैं कि सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल थलीय रास्तों से भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों को रोक रहा है। कदाचित भाजपा दुविधा में है -क्या इन्हें आने दिया जाए, क्योंकि ज्यादा वक्त नहीं हुआ जब गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें 'दीमक' करार दिया था या फिर जैसा कि असम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मांग करते आए हैं, बिल्कुल भी अनुमति न दी जाए। तो क्या केवल बांग्लादेशी हिंदू स्वीकार्य होंगे– सनद रहे सीएए कानून केवल दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों पर लागू होता है– या फिर भारत धर्म-निरपेक्ष आवामी लीग पार्टी के लोगों सहित तमाम बांग्लादेशियों के लिए अपने दरवाज़े खोल दे। कहा जा रहा है कि ऐसे लोग हवाई अड्डे के इर्द-गिर्द इस उम्मीद में छिपे हुए हैं ताकि मौका पाते ही, तेजी से हवाई जहाज पकड़कर सुरक्षित निकल पाएं।

रोनेन सेन की तरह अहसास भरी कुछ यादों के लिए 49 साल पीछे जाने की जरूरत नहीं है। बहुतों को केवल तीन साल पहले का एक और 15 अगस्त याद होगा, जब अफगानिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी अपने तीन निकटतम सहयोगियों और नोटों से भरे सूटकेसों सहित काबुल से भागे थे –वे सहयोगी तब से पश्चिमी जगत के विभिन्न मुल्कों में रह रहे हैं और खुद अशरफ गनी अबू धाबी में मजे में दिन गुजार रहे हैं। बांग्लादेश मामले की भांति, भारत ने अफगानियों के लिए भी अपना दरवाजा मजबूती से बंद किए रखा था– उन्हें अभी भी अनुमति नहीं है।

शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो –सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी-ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं– पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो। यहां कमाल की विडंबना यह होगी कि यदि हसीना को लंदन प्रवास की इज़ाजत मिल जाती है तो वे बांग्लादेश के एक अन्य निर्वासित की जगह भरेंगी, जो वहां पिछले 15 सालों से अधिक समय से रह रहा है और शायद जल्द ही वतन वापसी करे –वह है बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की मुखिया खालिदा ज़िया का बेटा तारिक रहमान, जिसे टीनो के नाम से भी जाना जाता है। खालिदा ज़िया खुद पूर्व प्रधानमंत्री और इससे पहले सैन्य तानाशाह रहे जनरल जिया-उर-रहमान की पत्नी हैं। एक बार जब टीनो की ढाका वापसी हुई, जिसकी उम्मीद बहुत जल्द है, तो पर्दे के पीछे शक्ति केंद्र वही होंगे।

अगले कुछ हफ्ते देखने के लिहाज से रोचक होंगे –अवश्य ही हर किसी की नज़र होगी कि मुख्य सलाहकार यूनुस और बांग्लादेश सेना के बीच रिश्ता किस ढंग का बनता है। उम्मीद है

आप का नजरिया

मंडे से मंत्री बैठक तक

मंडे मीटिंग के बाद मंत्री मीटिंग की अवधारणा में सरकार का 'कार्यबल' सशक्त होगा। सरकार से सचिवालय और सचिवालय से प्रदेश के फासले अगर कम हो जाएं, तो राज्य का कदमताल, एक सुर-एक ताल बन जाए। हम पुनः ट्रैफिक सिग्नल की बंद बत्तियों को सुधारने के लिए टॉर्च लिए खड़े हैं, जबकि प्रशासनिक सुधारों के लिए चंद कदम निरंतरता के साथ उठाने चाहिएं। बेशक हर विभाग की जुबां मंत्री हो सकता है और अगर हफ्ते की निगाहों में रोशनी खोजी जाए, तो बैठकों का मकसद कार्रवाई में तबदील होगा, बशर्ते सरकार हाथी बनने के बजाय खरगोश बने। उपचार तो बहुत सुना मगर, हकीम की पुडिया नहीं मिली। हकीम शिमला में, दवाखाना राजधानी में, लेकिन मरीज प्रदेश के किसी न किसी छोर पर। बीमारियां छोटी हैं, मसले छोटे हैं, लेकिन आंख से पट्टियां नहीं खुल रहीं। सडक़ों को वाहनों की पार्किंग बनाने वाले जरूरतमंद मान लिए जाएं तो ट्रैफिक पर जारी आदेश भी क्या कर लेंगे। प्रदेश परंपराओं और अनुभव से भी चलता है। पिछले इतिहास, दस्तावेज और आधे-अधूरे विकास को पूरा करने से चलता है। उदाहरण के लिए स्कूल छुट्टियां काट चुके हैं, लेकिन बरसात की पढ़ाई जारी है। शिमला में शिक्षा विभाग के सामने पहली जुलाई से 31 अगस्त के बीच छुट्टियां देने की परंपरा में आंख पर जो पट्टी बंधी रही, वह आने वाली बारिशों के समुद्र में खुल जानी चाहिए। शिकायतें वही पुरानी और लंगर में वही पुराने लाभार्थी दाना चुग रहे हैं। किसी ने किसी न किसी प्रयास से जनता को संदेश दिया कि अबकी बार सरकार आपके द्वार पहुंच रही है। जयराम सरकार जनमंच में शिकायतों का मंचन देखती रही, लेकिन प्रशासन ने अपना हठ नहीं छोड़ा। हठ उन फाइलों में देखिए जो शिकायतों से दबी पड़ी हैं। पिछले सोमवार कहीं सचिवालय से दूर नगरोटा बगवां में जब चक्का जाम हो रहा था या बाजार बंद करके कोई नारा सरकार के कान के करीब गूंज रहा था, तो उसे किसने सुना। एक ट्रांसपोर्टर से हुई धोखाधड़ी का मुख्य पात्र इसी नगरोटा बगवां की प्रशासनिक बाहों से सुरक्षित बाहर निकलकर घूम रहा है, लेकिन पुलिस के पास यह फरियाद पहुंच नहीं रही। चौदह करोड़ का फ्रॉड अब तीस करोड़ की वसूली बन कर भी किस कानून व्यवस्था की सूली बना रहेगा। कैबिनेट रैंक तो नगरोटा बगवां के हिस्से भी आया, मगर पूरा शहर जो पुकार रहा है, उसे सुनेगा कौन। मंत्रियों की बैठक से आशाएं स्वाभाविक हैं और लोकतंत्र का सुनहरा पक्ष यही है कि नागरिक हमेशा उम्मीद पर जिंदा है। बहुत सारे मसले विभागीय समन्वय के हैं, इसलिए 'मंत्री बैठक' में दिशा, दृष्टि और प्रभावशाली दस्तखत देखने को मिल सकते हैं। मसलन पर्यटन की बात पर बिजली, पानी, परिवहन, कला-संस्कृति, पीडब्ल्यूडी तथा पुलिस महकमे का तालमेल, सारा परिदृश्य बदल सकता है। उद्योग के साथ राजस्व, वन, परिवहन, प्रदूषण, अग्निशमन व कराधान मंत्रालयों की सक्रियता, इसके अस्तित्व को मजबूत कर सकते हैं। जिन्हें हम छोटा विभाग समझते हैं, उन्हें पारंगत करती हुई बैठकें खेल गतिविधियों, सांस्कृतिक समारोहों, दुग्ध एवं मत्स्य उत्पादन तक के महत्त्व को बड़ा बना सकती हैं।

आजादी के तीन रंग शिक्षा, राजनीति और मीडिया

आजादी के पिछले वर्षों में भारत ने नित नए प्रगति के सोपान तय किए हैं। किन्तु हम संतोष की सांस ले सके या गौरव के परचम लहरा सके ऐसे क्षण अंगुलियों पर गिने जाने योग्य ही निर्मित हुए है यह भी एक उतना ही कठोर सच है। इन 78 वर्षों में जनता को नेता द्वारा इतना बेवकूफ बनाया गया है कि हर क्षेत्र में लोकतंत्र एक मजाक बन कर रह गया है। लोकतंत्र के तीन प्रमुख आधार मीडिया, शिक्षा और राजनीति है। आजादी के 78 वर्ष के बहाने इन आधारों की पड़ताल मुनासिब होगी।

केसरिया मीडिया

78 साल की स्वतंत्रता इतनी समझदार तो हो कि देश की जनता देश के मीडिया की भूमिका तय कर सकें। मीडिया की सशक्तता का अर्थ यह कदापि नहीं है जब चाहे किसी को फलक पर सजा दें और जब चाहे किसी को खाक में मिला दें। किसी भी देश के मीडिया में न्यूक्लियर पावर से ज्यादा शक्ति है। परमाणु ताकत किसी भी देश को नष्ट कर सकती है। मगर उस देश पर राज करने के लिए वहां की बौद्धिक शक्ति पर नियंत्रण होना आवश्यक है।

विनाश-लीला रचना बेहद सरल है लेकिन बहुत मुश्किल है पूरे देश की जनता के दिलों पर राज करना। मीडिया पर नियंत्रण से यह बखूबी संभव है। मीडिया अगर अपनी ताकत को पहचानता और समझदारी का गुण दिखाता तो शायद यूं आरोपों के कटघरे में खड़ा नजर नहीं आता। चाहे याकूब की फांसी हो या राधे मां के थिरकते कीर्तन। मीडिया ने हर बार अपनी बचकानी हरकतों से मूर्खता का ही सबूत दिया है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अभी शैशवावस्था में है। इस अवस्था में कई गुनाह माफ होते हैं। लेकिन यहां हमारे बाल-मीडिया को इस बात की शाबाशी तो देनी होगी कि चाहे येन-केन-प्रकारेण (हास्य, सनसनी, अंधविश्वास) उसने अपना वर्चस्व बढ़ाया हो लेकिन यह श्रेय तो उसी के हिस्से में जाएगा कि उसने समाचारों को कुछ बुद्धिजीवियों के चंगुल से छुड़ाकर जन-जन में लोकप्रिय बना दिया। आज बरसों से समाचारों से वंचित वर्ग न्यूज चैनलों को चाव से देख रहे हैं। देश के मसलों पर कच्ची-पक्की चर्चा भी कर रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। सोचा इस बात पर जाना चाहिए कि क्या जो मीडिया परोस रहा है वह सही और संतुलित है? क्या दिखाया जाना चाहिए और क्या देखना चाहते हैं के बीच का सही संतुलन ही मीडिया का ध्येय होना चाहिए। जब तक इस संतुलन को राष्ट्रहित में कुशलता से साध नहीं लिया जाता तब तक मीडिया के बचकानेपन पर प्रश्नचिन्ह लगते रहेंगे। इस आजादी की अतुलनीय उपलब्धि इंटरनेट को कहा जाएगा। जिसने प्रिंट की प्रामाणिकता और इलेक्ट्रॉनिक की गति दोनों पर विजय हासिल कर पाठकीय क्षुधा को दक्षतापूर्वक शांत किया है। यही वजह है कि सोशल मीडिया, ब्लॉग, पोर्टल्स, एवं वेबसाईट्स के नित नए स्वरूप अस्तित्व में आ रहे हैं। यहां तक कि अखबारों और चैनलों के भी इंटरनेट संस्करण तेजी से बढ़ रहे हैं। पाठकों का एक आश्चर्यजनक वर्ग अखबारों और चैनलों को छोड़कर इससे जुड़ा है। हर्ष का विषय है कि युवा और महिला देश के इन दो अहम वर्गों ने इस पर अपनी दमदार प्रतिभागिता दर्ज की है।

सफेदपोश राजनीति

78 वर्षों में राजनीति सिर्फ एक गाली बनकर रह गई है तो यह दोष सिर्फ राजनीति का नहीं बल्कि उस जन का भी है जिसके दम पर तंत्र कायम होता है। हमारे चुनाव का सच यह है कि संसद में भेजे जाने वाले प्रतिनिधि वास्तव में प्रतिनिधि होते ही नहीं है। चुनावों के दौरान किसी भी शहर की आधी बुद्धिजीवी जनता मतदान के लिए जाती ही नहीं है। जो आधी जनता मतदान करती है उनमें से भी कुछ प्रतिशत बाहुबल, धनबल, और जातिबल के आधार पर उम्मीदवार का चयन करती है। इसी में एक हिस्सा उस जनता का भी होता है जो मतदान का मतलब व तरीका भी नहीं जानती। ऐसे में संसद तक पहुंचे उस व्यक्ति को प्रतिनिधि कैसे मान लें और किसका प्रतिनिधि मान लें। वह जनता जिसने उसका चुनाव किया है क्या वह वास्तव में जनता कहलाने के योग्य है? और अगर नहीं तो उस सारी जनता को बिजली, सड़क, पानी, और सुविधाओं के लिए सड़कों पर उतरने का कोई हक नहीं। उसेने ताओं को कोसने का भी कोई हक नहीं। एक पक्ष यह भी है कि जनता के सामने चुनाव में खड़े उम्मीदवारों में अगर हर कोई चोर-चोर-मौसेरे भाई है तो वह किसका चयन करें? क्यों उसके सामने नन ऑफ देम का ऑप्शन नहीं होता? अगर नन ऑफ देम यानी इनमें से कोई नहीं का ऑप्शन होगा तो सहज ही जनता द्वारा नकारे नेता एक तरफ होंगे। और सही एवं ईमानदार छवि वाले युवा आगे आ सकेंगे। 78 वें साल के मुकाम पर आकर इस पर सोचना हमें ही है। क्योंकि यह जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन है। और नेता कौन है? वह भी तो हम जनता के बीच से उठा प्राणी ही है। फिर भला अपने ही बीच के अच्छे तथा बुरे का अंतर क्यों नहीं समझ पा रहे? हादसों के बाद ने ताओं को गालियां देना सहज प्रतिक्रिया हो सकती है। लेकिन कब तक? कब तक हम अपनी गलतियों(मतदान) का ठीकरा उन पर फोड़ते रहेंगे? 78 वर्ष की परिपक्व आजादी में जनता को इतना तो जागरूक व चैतन्य होना ही होगा हम अपने ही संविधान की लाज बचा सके।

शिक्षा की हरियाली

शिक्षा का क्षेत्र इन वर्षों में व्यापार बन गया। नालंदा-तक्षशिला जैसे प्राचीन नाम तो हमने अपना लिए लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता के स्तर पर हम कोई अहम सुधार हम नहीं ला सके। शिक्षक आज के दौर में एक ऐसा व्यक्ति बन गया जिसकी सीख में शक होने लगा। वहीं पेरेन्ट्स रेन्ट पे कर के मुक्त हो गए। जबकि विद्यार्थियों ने विद्या की अर्थी बहुत पहले निकाल दी। निसन्देह हमने विदेशों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। भारतीय मानस की रचनात्मकता को वैश्विक स्तर पर सराहा गया है। लेकिन यह कसैला सच भी इसी देश का है कि यहां साक्षरता अभियान धीमी गति से सरक रहे हैं। साक्षरता की सफलता इतनी नन्ही बूंदों के रूप में मिली है कि आज भी विशाल भारतीय जनसागर के कंठ शिक्षा की दृष्टि से सूखे हैं। स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से जहाँ प्रयास किए जा रहे है उन्हें कतई नकारा नहीं जा सकता। क्योंकि उन्हीं के कारण साक्षरता का आंकड़ा खिसक भी रहा है। जबकि सरकारी प्रयासों में क्रियान्वयन की लचरता सारे अभियान को प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि साक्षरता अभियान का शुभ कारवां वांछित गति से नहीं बढ़ पा रहा है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायीकरण और परिवर्तन की बयार के चलते भारतीय युवा अटकाव और भटकाव के शिकार हो रहे हैं। वर्तमान गणतंत्र दिवस एक पड़ाव हो सकता है जब हम शिक्षा पद्धति में आमूलचूल परिवर्तन की पहल जगा सके।

जब दुनिया सो रही थी भारत जाग रहा था

14 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि को सारी दुनिया सो रही थी, लेकिन भारत जाग रहा था और अपनी आजादी की ओर बढ़ रहा था। रात 11.00 बजे संघटक सभा द्वारा भारत की स्वतंत्रता को मनाने की एक बैठक आरंभ हुई, जिसमें अधिकार प्रदान किए जा रहे थे। जैसे ही घड़ी में रात के 12.27 बजे भारत को आजादी मिल गई और अब यह एक स्वतंत्र देश बन गया।

15 अगस्त, 1947 को पहली बार स्वतंत्र भारत का राष्ट्रध्वज प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लाल किले के लाहौरी गेट की प्राचीर से फहराया गया था। लाल किला तब से ही भारतीय स्वाधीनता और देश की एकता का प्रतीक बन गया, जहां हर वर्ष 15 अगस्त को लाल किले की इसी प्राचीर से भारत का तिरंगा देश के प्रधानमंत्री द्वारा फहराया जाता है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरा भारत आजादी की वर्षगांठ मना रहा है। लोग ई-मेल, एसएलएस आदि के द्वारा लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं भेज रहे हैं। यह ऐसा दिन है जब हम अपने महान राष्ट्रीय नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों, जिन्होंने अंग्रेजों की गुलामी से भारत को आजाद कराने के लिए अनेक बलिदान दिए और अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। याद रहे कि हमारी आजादी की लड़ाई-स्वतंत्रता-संघर्ष के इतिहास में एक अनोखा अभियान था, जिसमें ताकत और रक्त रंजित बल प्रयोग नहीं था, बल्कि सत्य और अहिंसा के परम सिद्धांत के माध्यम से जीता गया था। जिसने पूरी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाया था। भारत की आजादी का संघर्ष मेरठ के कस्बे में सिपाहियों की बगावत के साथ 1857 में शुरू हुआ। आगे चलकर 20वीं शतब्दी में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा अन्य राजनैतिक संगठनों द्वारा महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता का एक देशव्यापी आंदोलन चलाया गया। महात्मा गांधी ने समय के सर्वाधिक विरोधी अभियानों में देखे गए हिंसापूर्ण संघर्ष के विपरीत सविनय अवज्ञा अहिंसा आंदोलन को सशक्त समर्थन दिया। उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन के कुछ तरीकों में शामिल थे मार्च पास्ट, प्रार्थना सभाएं, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और भारतीय वस्तुओं को प्रोत्साहन। इन विधियों की सरलता को भारतीय जनता ने समर्थन दिया तथा स्थानीय अभियान शीघ्र ही राष्ट्रीय आंदोलन बन गए। इनमें से कुछ मुख्य आयोजन असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, नागरिक अवज्ञा अभियान और भारत छोड़ो आंदोलन थे। जल्दी ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब उप निवेश शक्तियों के नियंत्रण में अधिक समय तक नहीं रहेगा और अंग्रेजों ने भारतीय नेताओं की मांग को मान लिया। जल्दी ही निर्णय लिया गया कि यह अधिकार भारत को सौंप दिया जाए और 15 अगस्त 1947 को भारत को यह अधिकार सौंप दिया गया।

15 अगस्त 1947 के अखबारों के फ्रंट पेज

तमाम ज्योतिषियों के अड़ंगे के बाद आखिर कार जब भारत 15 अगस्त 1947 को आधी रात 00.07 से 00.27 बजे के बीच आजाद घोषित किया गया, तब कोई टीवी चैनल नहीं थे, न इंटरनेट था न ट्विटर, जो मिनटों में लोगों तक खबर पहुंच जाती। उस वक्त था, तो सिर्फ रेडियो और ये वो रात थी, जब देश सो रहा था और राष्ट्र ने बस आंख ही खोली थी। 15 अगस्त की सुबह जब अखबार आये, तो देश भर में ढोल नगाड़े बजने लगे। मिठाईयां बांटी गईं। हर जगह खुशी की लहर थी। वह खुशी इस वीडियो में साफ झलकती है। यह एक मात्र रंगीन वीडियो है, जो आज एक ऐतिहासिक विरासत के रूप में मौजूद है। आप देख सकेंगे अखबारों के फ्रंट पेज की तस्वीरें।

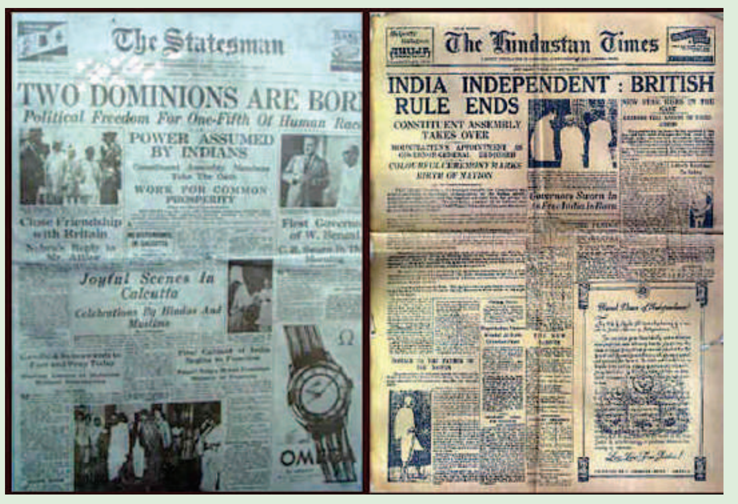

वीर सपूतों ने हिला दी थी अंग्रेजी हुकूमत

अगस्त माह आजादी की लड़ाई में हमेशा ही महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। 15 अगस्त 1947 में आजादी मिली लेकिन इसके पहले के लंबे संघर्ष में आजादी के मतवालों की कई कहानियां इतिहास के पन्नों में कहीं खो सी गई। इंकलाब की ऐसी ही सच्ची दास्तान 1942 में सहजनवां स्थित डोहरिया के शहीदों ने लिखा थी।

एकजुटता की मिसाल- आठ अगस्त 1942 की शाम मुंबई में महात्मा गांधी ने अग्रेजों भारत छोड़ो और करो या मरो का नारा देकर बिगुल बजाया। इसका स्वागत बड़े उत्साह के साथ पूर्वाचल की धरती ने भी किया। नौ अगस्त को पूरे देश में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन छिड़ गया। सहजनवां तहसील के डोहरिया कला में भी वीरसपूतों ने आंदोलन किया। ब्रिटिश सरकार ने उन निहत्थे लोगों पर गोलियों की बौछार कर दी। पुलिस फायरिंग में कुल नौ लोग शहीद हुए थे, जबकि 23 गंभीर रूप से घायल हुए।

ऐसे हुआ डोहरिया में कांड- नौ अगस्त 1942 को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ घोषित आंदोलन का असर सहजनवां के डोहरिया में भी देखने को मिला। आजादी के दीवानों ने भारत माता का नारा लगाते हुए तैयारियां शुरू कर दी। 23 अगस्त 1942 को डोहरिया में सुबह से ही भारी तादाद में लोग जुटने लगे। अग्रेजों भारत छोड़ो का नारा लगा रहे लोगों को तत्कालीन कलेक्टर एमएम मास हाकिम परगना साहब बहादुर व इंस्पेक्टर हल्का सदर ने हटाने की पूरी कोशिश की। लेकिन देशप्रेमी अपनी जिद पर अड़े हुए थे। तत्कालीन थानेदार एनुलहक ने हथियारों से लैस सिपाहियो को बुला लिया और भीड़ को गैरकानूनी बताते हुए कवायद शुरू कर दी। पुलिस ने लाठी चार्ज किया तो भीड़ ने उसका जबाब ईट पत्थरों से दिया। पुलिसवालों ने भीड़ पर गोलियों की बौछार कर दी। पुलिस की फायरिंग में नौ लोग शहीद हो गए। साथ ही 23 गंभीर रूप से घायल हुए थे। वहीं, अंग्रेजों का मन इतने से नहीं भरा तो उन्होंने डोहरिया गांव में आग लगा दी।

स्मारक पड़ा है बदहाल- क्षेत्र के वीरों की कुर्बानी को याद करने के लिए यहां स्मारक बनाया गया। हर वर्ष यहां 23 अगस्त को कार्यक्रम आयोजित भी किया जाता है। इसके बावजूद स्मारक की देखरेख में भारी अभाव है। साफ-सफाई ले लेकर संरक्षण की कमी यहां साफ देखी जा सकती है।

ग्वालियर में बना था वो बम, जिससे

भगत सिंह ने किया था ब्रिटिश संसद में धमाका

जिस ब्रिटिश संसद में भगत सिंह ने बम फेंककर अंग्रेजों की नाक में दम किया था, उस बम को ग्वालियर के ही एक मकान में तैयार किया गया था। इस बम के केमीकल ग्वालियर के ही विक्टोरिया कॉलेज की लेबोरेटरी से चुराए गए थे और संसद में बम फेंकने से पहले ग्वालियर की एक पुलिस चौकी में विस्फोट करके इसका परीक्षण भी किया था। उस समय ग्वालियर के एक भुतहा मकान में बनी फैक्ट्री में बम तैयार करके क्रांतिकारियों को उपलब्ध कराए जाते थे।

क्रांतिकारियों का खुफिया केंद्र ग्वालियर पर एक नजर -

- रामप्रसाद बिस्मिल के 1927 में काकोरी कांड के आरोप में फांसी पर झूल जाने के बाद क्रांतिकारियों की कानपुर में एक गुप्त बैठक हुई।
- बैठक में हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी का नाम बदल कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी दिया गया।
- चंद्रशेखर आजाद को इसका चीफ कमांडर बनाया गया। घोषित रूप से मुख्यालय आगरा में रखा गया।
- अंग्रेजों की नज़र से महफूज़ होने की वजह से क्राति कार्यों के लिए आजाद और उनके साथियों की सक्रियता ग्वालियर में ही ज्यादा बना रही।
- हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी के लिए गोला-बारूद का इंतजाम ग्वालियर से ही किया जाता था। क्योंकि सिंधिया सरकार में हथियारों की खरीद-फरोख्त पर अंग्रेजी सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं थी।
- बम फैक्ट्री और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की गतिविधियों को अंग्रेजों की नजरों से बचाए रखने के लिए दल के सदस्य भगवानदास माहौर, सदाशिव मलकापुरकर और गजानन पोतदार को उच्च शिक्षा के नाम पर शहर के विक्टोरिया कॉलेज में दाखिल कराया गया।
- दोनों पहले हॉस्टल में रहे, लेकिन गतिविधियों को गुप्त रखने के लिहाज से इन्हें किराए के मकानों में शिफ्ट कर दिया गया।
- भगवानदास माहौर ने मौजूदा नाका चंद्रवदनी इलाके में ठीक पुलिस चौकी के सामने एक वीरान पाटौर को अपना ठिकाना बनाया।
- गजानन पोतदार तत्कालीन जनकगंज थाने के पास और मलकापुरकर भी वहीं पास भेलसे वालों के बाड़े में रहने लगे।
- पोतदार जिस मकान में रहने लगे थे, उसे भुतहा माना जाता था और लोग आते नहीं थे। यही मकान क्रांतिकारियों की बम बनाने की लेबोरेटरी बन गया।
- क्रांति की गतिविधियों के लिए जब बम बनाने का फैसला कर लिया गया तो खुफिया तौर पर आगरा में बंगाल के क्रांतिकारी जतीन दा को बुलाया गया था।
- प्रशिक्षण के बाद साइंस के विद्यार्थी पोतदार और मलकापुरकर ने मिल कर विक्टोरिया कॉलेज की साइंस लैब से जरूरी केमिकल चुराए।
- सारा सामान गोपनीयता के मद्देनजर मिठाई के डिब्बों और दूध के बर्तनों में रख कर पोतदार के मकान पर पहुंचाया जाता था।

पुलिस चौकी पर किया बम परीक्षण

- गजानन पोतदार के संस्मरणों के मुताबिक मकान के पास ही उस वक्त जनकगंज पुलिस चौकी हुआ करती थी।
- आजाद ने बम चौकी पर ही फेंका, धमाके से अफरातफरी मच गई, आसपास के बाजार बंद हो गए। पुलिस तक इस विस्फोट की खबर पहुंची।
- जब तक पुलिस सक्रिय हो पाती, आजाद पास के ही लक्ष्मीनारायण मंदिर के तहखाने से हो कर बाहर निकल गए और पठानकोट एक्सप्रेस में बैठ कर झांसी पहुंच गए।

यहां बने बम सेसंसद में हुआ धमाका

- 8 अप्रैल 1929 को संसद की बैठक तय थी, उसमें पब्लिक सेफ्टी और ट्रेड डिस्प्यूट बिल पास किए जाने थे। भगत सिंह व उनके साथियों को इसी दौरान बम विस्फोट करना था।
- ग्वालियर में इसके लिए विशेष बम बनाया गया, इसमें से जीवन के लिए घातक सामग्री नहीं मिलाई गई, महज धमाके लिए ये बम तैयार किया गया था।
- भगत सिंह चाहते थे कि इस योजना में ग्वालियर के किसी साथी को साथ लिया जाए, लेकिन आजाद ने इससे संगठन के लिए हथियार जुटाए जाने अभियान पर असर पड़ने की वजह से इन्हे दिल्ली तो बुलाया गया, बम कांड में सामिल नहीं किया गया।
- पूरी रैकी के बाद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त नें संसद में बम फेंक कर क्रांति के पर्चे बांटे और गिरफ्तारी दे दी।

15 अगस्त 1947 नहीं

26 जनवरी 1930 को मना था पहला स्वतंत्रता दिवस

भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी 15 अगस्त 1947 को मिली और तबसे हम हर साल 15 अगस्त को ही आजादी पर्व मनाते हैं। लेकिन अधिकांश भारतीयों की जानकारी में ये नहीं है कि हमारा पहला स्वतंत्रता दिवस 26 जनवरी 1930 को मनाया गया था।

हुआ यूं था कि दिसंबर 1929 में लाहौर में हुए कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू सहित अन्य नेताओं ने एक महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया। इसके मुताबिक हर साल जनवरी के आखिरी रविवार को आजादी का दिन मनाया जाएगा। गांधीजी ने सलाह दी कि ये संदेश देश के हर शहर, हर गांव तक पहुंचाया जाए।

तय हुआ कि 26 जनवरी को पूरे देश में समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय झंडा फहराकर की जाए। दिन का बाकी समय रचनात्मक कार्यों में बिताया जाए। लोग सफाई करें, चरखा चलाएं, अछूत माने जाने वाले लोगों के साथ बैठें और उनकी सेवा कर उन्हें भी भारत का सम्मानित नागरिक होने का मान दें। ये संदेश देश में आग की तेजी से फैला। 26 जनवरी 1930 को लोग अपने गांव, शहर, कस्बों में घरों से निकलकर एक जगह इकट्ठा हुए।

देशवासियों की छटपटाहट और गजब का उत्साह देख अंग्रेज चौंक गए। हर जगह लोगों की अपार भीड़ बिना शोर, हिंसा या हुड़दंग के शांतिपूर्वक एकत्र हुई। गांवों, शहरों में आजादी के प्रति अपना उत्साह प्रदर्शित करने की होड़ लग गई। 1930 के बाद आजादी मिलने (1947) तक हर साल 26 जनवरी को लोग स्वतंत्रता दिवस मनाते रहे।

यदि ऐसा न होता तो आज भी हम फहराते ब्रिटिश झंडा

भारत के तिरंगे को देखकर हर एक भारतवासी के मन एक प्राउड हमेशा रहता है। लेकिन क्या आपको पता है कि ब्रिटिश यूनियन जैक आजादी के बाद भी भारत का राष्ट्रध्वज होता। इतना ही नहीं इसका सपोर्ट खुद गांधी जी ने भी किया था...

- अंग्रेज जब देश छोड़कर जा रहे थे तब वायसरॉय लार्ड माउंटबेटन ने 24 जून 1947 को भारत के राष्ट्रीय ध्वज में ब्रिटिश यूनियन जैक को शामिल करने का प्रस्ताव संविधान सभा के सामने रखा था।
- राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में बनी एडॉक कमेटी में मौलाना आजाद,केएम मुंशी,सरोजनी नायडू,सी राजगोपालाचारी और बी आर अंबेडकर शामिल थे।
- यूनियन जैक के प्रस्ताव का देश के अधिकतर लोगो ने विरोध किया था पर महत्मा गांधी माउंटबेटन के सपोर्ट में थे।
- गांधीजी का तर्क था कि भारत अपनी महान संस्कृति और परंपरा के तौर पर अगर यूनियन जैक को शामिल कर लेता है तो इसमे किसी को हर्ज नही होना चाहिए।
- लेकिन नेहरू और एडहॉक कमेटी ने गांधी जी की बात को अधिक महत्व ना देते हुए लार्ड माउंटबेटन की सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया।

शुभ लाभ

मस्क के साथ इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा- कमला हैरिस राष्ट्रपति बनी तो अमेरिका को तबाह करके रहेंगी

वाशिंगटन, 14 अगस्त। (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रैट उम्मीदवार को कट्टर वामपंथी करार देते हुए कहा कि अगर राष्ट्रपति चुनी गईं तो वे अमेरिका को तबाह कर देंगीं। ट्रंप टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से दो घंटे लंबी बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और उसकी चुनौतियों पर बेबाक राय रखते हुए कमला हैरिस पर जमकर बरसे।

दो घंटे लंबे इस साक्षात्कार को लंबट्रंप का इंटरव्यू अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को मंगलवार को ही लेना था जो साइबर अटैक के कारण निर्धारित समय से देर से शुरू हुआ।

देश को भी तबाह कर देगीं कमला हैरिस - दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए कमला हैरिस को टक्कर दे रहे 78 वर्षीय ट्रंप ने कहा कि उनकी राय यही है कि उनकी नीतियों से अमेरिका में और भी अवैध लोगों का आना पक्का हो जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि अभी हमारे पास कोई राष्ट्रपति है ही नहीं और कमला हैरिस उससे भी बदतर हैं। वह सैन फ्रांसिस्को की उदारवादी हैं जिन्होंने उस शहर, कैलीफोर्निया को बर्बाद किया और अब अगर चुनी गईं तो हमारे देश को भी तबाह कर देंगीं।

अवैध नागरिकों को अमेरिका में बसा लेगीं - ट्रंप ने दावा किया कि अगर कमला राष्ट्रपति बनीं तो वह पूरी दुनिया से 5-6 करोड़ अवैध नागरिकों को अमेरिका में बसा लेगीं। कमला जितने अवैध लोगों को अमेरिका में ले चुकी हैं, वह तादाद हमारी सोच से बड़ी है। बहुत से देश अपनी जेलों को खाली करके अपने अपराधी अमेरिका भेज रहे हैं। यह हमारे घरों तक अपराध और हिंसा ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि चुनावी रैली में अवैध आव्रजकों के बोर्ड के कारण ही वह उन पर हुए जानलेवा हमले में बच पाए। वैसे उन्होंने उस चार्ट को कभी भी 20 प्रतिशत से ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया लेकिन उस दिन उसी के पीछे छिपकर उन्होंने खुद को गोलीबारी से बचाया।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका में बिल्डर लाया मुस्लिमों के हाउसिंग प्रोजेक्ट, विवाद हो गया खड़ा

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक भारतीय मूल का बिल्डर मुस्लिम हाउसिंग सोसायटी बनाने का प्रोजेक्ट तैयार किया जिसके बाद वहां इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय मूल के डेवलपर फराज यूसुफ अमेरिका के मिनेसोटा में एक सोसायटी बनाना चाहते हैं, जिसमें 434 घर, दुकानें, खेल का मैदान और मस्जिद भी शामिल है। ये सोसायटी खासतौर पर मुस्लिमों के लिए है और इस पर शहर दो धड़ आपस में बंट गए हैं। एक तबका इसे अलगाव को बढ़ावा देने वाला बताकर विरोध कर रहा है तो दूसरा धड़ा इसका विरोध किसी की आजादी में सीधा दखल बताया रहा है। यह आवास योजना हेरोल्ड रॉबिन्सन के सोड फार्म में प्रस्तावित है। एक रिपोर्ट के मुताबिक परियोजना के समर्थक और विरोधी, दोनों से बात की है। प्रोजेक्ट के विरोधी ल्यूक वाल्टर इसे पसंद और डिजाइन के आधार पर अलगाव कहते हैं तो समर्थक डीन डोवोलिस ने कहा कि क्या लोग रहने की आजादी भी खो रहे हैं। यूसुफ की परियोजना का नाम मदीना लेक्स है। उनका कहना है कि विकास आवास कानूनों का पालन करते हुए वह प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। यह मुस्लिमों के लिए अनुकूल होगा लेकिन यह केवल मुसलमानों के लिए नहीं है। इसकी वजह है कि इस क्षेत्र में मुस्लिमों की काफी तादाद है। ब्रिटिश अप्रवासी ल्यूक वाल्टर मदीना लेक्स का विरोध करने वालों में हैं। मदीना लेक्स उनके घर से कुछ दूरी पर है और वाल्टर धर्म-आधारित आवास समितियों पर असहमति जताते हैं। उन्होंने ऐसी जगह पर आपत्ति जताई जहां गैर-मुसलमानों का समान रूप से स्वागत नहीं किया जाएगा। वहीं बिल्डर यूसुफ की विश्वसनीयता पर भी सवाल हैं। ऐसे में हाउसिंग प्रोजेक्ट के बारे में परिषद की बैठक में वाल्टर ने कड़ा विरोध किया है। वाल्टर का मानना है कि इस तरह से शहर विभाजित हो जाएगा।

यूनुस सरकार के नए फैसले से दो गुटों में बंटी बांग्लादेश की सेना

ढाका। बांग्लादेश में नई सरकार के एक फैसले के खिलाफ सेना में ही दो गुट बन गए हैं। दरअसल नई

सरकार की तरफ से बांग्लादेशी सेना के आठ बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिसे लेकर सेना के कुछ अधिकारियों में नाराजगी दिख रही है। दरअसल शेख हसीना की मुखालफत करने वाले तमाम लोग चाहते हैं कि शेख हसीना और उनके करीबी अधिकारियों के खिलाफ किसी न किसी मामले में मुकदमा चलाया जाए और उन्हें जेल भेजा जाए। दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार कुख्यात आईना घर के नाम से मशहूर गुप्त हिरासत केंद्र की देखरेख के लिए जिम्मेदार बांग्लादेशी सेना के आठ बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार करने का दबाव बना रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस कुख्यात गुप्त हिरासत केंद्र की जिम्मेदारी एक मेजर जनरल और एक ब्रिगेडियर जनरल अधिकारी के हाथ में होती थी। साल 2013 से 2017 तक मेजर जनरल मोहम्मद अकबर हुसैन 2017 से 2020 तक मेजर जनरल मोहम्मद सैफुल 2020-21 में मेरे जनरल मोहम्मद सैफुल आलम और 2021 से शेख हसीना के हटने तक मेजर जनरल अहमद तबरेज चौधरी के हाथ में कमान थी। इन चारों के नीचे एक-एक ब्रिगेडियर जनरल भी तैनात था। इन अधिकारियों की गिरफ्तारी को लेकर अब सेना में दो गुट बन गए हैं। इनमें से एक गुट का कहना है कि इन अधिकारियों ने जो कुछ भी किया वह सरकार के कहने पर किया। इसकी क्या गारंटी है कि अब जो हुक्म दिया जाएगा, उसका पालन करने पर आने वाली निर्वाचित नई सरकार इसके लिए उन्हें दंडित नहीं करेगी लिहाजा किसी भी सैन्य अधिकारी की गिरफ्तारी न की जाए।

मस्जिद अल-अक्सा में यहूदियों के साथ घुसे इजराइली मंत्री

सऊदी अरब ने दी चेतावनी-धार्मिक पवित्रता का सम्मान करें, वरना...

दुबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

हमास से जंग लड़ रहे इजराइल ने अब ऐसी हरकत कर दी है जिसे लेकर सऊदी अरब भड़क गया है। फिलिस्तीन और इजरायल के बीच विवाद का केंद्र मस्जिद अल-अक्सा में इजराइली के मंत्री और सैकड़ों इजरायलियों के साथ मस्जिद परिसर में घुस गए। इसे लेकर सऊदी अरब इजरायल पर भड़क गया है और अमेरिका ने भी इसे इजराइल का गलत कदम बताया है और कहा कि यह अस्वीकार्य है।

यहूदी शोक दिवस मना रहे थे और इजरायल के धुर-दक्षिणपंथी नेता और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के मंत्री इत्तेमार बेन गिविर ने शोक दिवस मनाने के लिए मस्जिद परिसर में प्रवेश किया। यहूदियों के प्राचीन मंदिर पर 70 ईसा पूर्व में रोमनों ने हमला कर उसे तोड़ दिया था जिसकी याद में शोक दिवस मनाया जाता है। सऊदी अरब ने इजरायली मंत्री के अल-अक्सा मस्जिद में प्रवेश करने को हमला बताया है और इसकी कड़ी निंदा की है। सऊदी अरब ने कहा है कि यरूशलेम की इस ऐतिहासिक मस्जिद की यथास्थिति का सम्मान किया जाना चाहिए।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि इजरायली कब्जे वाले अधिकारियों और वहां जाने वालों का अल-अक्सा मस्जिद पर खुलेआम और लगातार हमले की कड़ी शब्दों में निंदा करता है। बयान में धार्मिक पवित्रता का सम्मान करने पर जोर दिया गया है साथ ही सऊदी अरब ने चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय कानून और यरूशलेम की ऐतिहासिक यथास्थिति का उल्लंघन और दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों को उकसाने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। सऊदी विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आह्वान किया कि इजरायल की तरफ से लगातार हो रहे इन उल्लंघनों को रोकने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाए नहीं तो इसके परिणाम बहुत भयानक होंगे।

अल अक्सा मस्जिद मुसलमानों के लिए अल-हराम अल शरीफ के नाम से मशहूर इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल में से एक है। मस्जिद परिसर में डोम ऑफ द रॉक भी शामिल है। इजरायली मस्जिद परिसर को टेंपल माउंट कहते हैं और यह स्थल यहूदियों के लिए सबसे पवित्र जगह है। मस्जिद परिसर में यहूदियों और अन्य गैर-मुसलमानों को जाने की अनुमति तो है लेकिन वहां जाकर प्रार्थना नहीं कर सकते या फिर कोई भी धार्मिक प्रतीक प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं लेकिन हाल के सालों में बेन गिविर जैसे धुर-दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी नेताओं ने इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किया है। इन उल्लंघनों की वजह से फिलिस्तीनियों की हिंसक प्रतिक्रियाएं देखने को मिलती रही हैं।

जॉर्डन पर अल-अक्सा मस्जिद की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। बेन गिविर के मस्जिद परिसर में प्रवेश पर जॉर्डन ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यरूशलेम की ऐतिहासिक और कानूनी यथास्थिति के लगातार उल्लंघन के लिए एक स्पष्ट और दृढ़ अंतरराष्ट्रीय स्थिति की जरूरत है जो इन उल्लंघनों की निंदा करे।

इजरायल के दोस्त अमेरिका ने भी इजरायली की इस हरकत को गलत बताया है कहा कह यह अस्वीकार्य है। अमेरिका विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका यरूशलेम के पवित्र स्थलों के संबंध में ऐतिहासिक यथास्थिति को बचाने के लिए मजबूती से खड़ा है।

इस तरह की कोई भी एकतरफा कार्रवाई जो यथास्थिति को खतरे में डालती है, स्वीकार नहीं की जाएगी। हम युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रहे हैं, ऐसे में यह कदम समझौते में भी बाधा डालत सकता है।

चीफ ने पीड़ित हिंदू समुदाय से की मुलाकात

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला करने वालों को करेंगे दंडित : मोहम्मद यूनुस

ढाका, 14 अगस्त। (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को कहा है कि सरकार अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमला करने वालों को दंडित करेगी। मुख्य सलाहकार ने यह आश्वासन प्राचीन ढाकेश्वरी मंदिर के दौरे के समय पीड़ित हिंदू समुदाय से मुलाकात में की। उन्होंने हिंदुओं से धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा की जाएगी।

अर्थशास्त्री (84 वर्षीय) ने जारी हिंसा और तोड़फोड़ के बीच आठ अगस्त को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने ढाका में प्रमुख शक्तिपीठों में से एक ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। यूनुस ने देश की दुर्दशा के लिए ''संस्थागत पतन''को जिम्मेदार ठहराया।

उनका दौरा ऐसे समय हुआ जब बांग्लादेश नेशनल हिंदू ग्रैंड अलायंस(बीएनएचजीए) ने कहा है कि पांच अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय को 48

अंतरिम सरकार के सलाहकार भी थे मौजूद

जिलों में 278 स्थानों पर हमलों और धमकियों का सामना करना पड़ा है और इसे ''हिंदू धर्म पर हमला'' करार दिया। युनूस ने कहा, अधिकार सबके लिए समान हैं। हम सब एक ही व्यक्ति हैं और हमारे पास एक ही अधिकार है। हमारे बीच कोई भेदभाव न करें। कृपया हमारी सहायता करें। धैर्य रखें और बाद में आकलन करें - हम क्या कर पाए और क्या नहीं। अगर हम असफल होते हैं, तो हमारी आलोचना करें।

युनूस ने कहा, हमारी लोकतांत्रिक आकांक्षाओं में हमें मुसलमान, हिंदू या बौद्ध नहीं बल्कि इंसान के रूप में देखा जाना चाहिए। हमारे अधिकार सुनिश्चित होने चाहिए। सभी समस्याओं की जड़ संस्थागत व्यवस्थाओं के क्षय में है। इसीलिए ऐसे मुद्दे उठते हैं। संस्थागत व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। उस समय प्रोफेसर यूनुस के साथ विधि सलाहकार आसिफ नजरुल और धार्मिक मामलों के सलाहकार एएफएम खालिद हुसैन भी थे।

हम पर किसी ने हमला किया तो देंगे मुंहतोड़ जवाब : असीम मुनीर

इस्लामाबाद, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने धमकी दी है कि अगर उनके देश पर किसी भी तरह का हमला हुआ तो पाकिस्तान उसका मुंह तोड़ जवाब देगा और जवाबी कार्रवाई दूर तक जाएगी। हमारे खिलाफ चाहे जो भी बहुस्तरीय और बहुआयामी खतरा हो, हम एकजुट और आश्वस्त हैं। हमारे खिलाफ युद्ध का जो भी तरीका इस्तेमाल किया जाएगा उसके खिलाफ हमारी जवाबी कार्रवाई तुरंत और खतरनाक होगी। हम निश्चित रूप से दूर तक और गहराई से हमला करेंगे। मुनीर ने आजादी परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही। पाकिस्तान बनने के 77 साल पूरे होने की परेड काकुल में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में आयोजित की गई थी।

ऐसा माना जा रहा है कि यह धमकी सेना प्रमुख अपने तीन पड़ोसियों भारत, अफगानिस्तान और ईरान को दी है क्योंकि तीनों के साथ ही पाकिस्तान का विवाद चल रहा है। इसमें भी खास तौर से उनकी धमकी भारत के लिए है। मुनीर ने आगे कहा कि हम जानते हैं कि आजादी मुफ्त में नहीं मिलती है और इसके लिए कई बहादुर बेटे-बेटियां हमेशा अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि पाकिस्तान के लोग और उसके सुरक्षा बल कभी पीछे नहीं हटेंगे और किसी को भी देश पर बुरी नजर नहीं डालने देंगे।

उन्होंने सुख-दुख के दौरान देश के साथ खड़े रहने के चीन, सऊदी अरब, यूएई, कतर और तुर्की का शुक्रिया अदा किया। क्षेत्रीय गतिशीलता को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने अफगानिस्तान को भाईचारे वाले इस्लामी पड़ोसी के रूप में संदर्भित किया। उन्होंने इच्छा जताते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। उन्हें हमारा संदेश है कि वह अपने भाईचारे वाले देश के खिलाफ फितना-उल-खवारिज को बढ़ावा नहीं देनी चाहिए। वह टीटीपी आतंकियों को शरण देने का जिक्र कर रहे थे। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी अफगान धरती से ऑपरेट हो रहे हैं।

मुनीर ने कश्मीर और फिलिस्तीन को लेकर चिंता जताई। उन्होंने भारत के कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों में निहित आत्मनिर्णय के उनके अधिकार के लिए हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं और कश्मीर के बहादुर लोगों को अपने पूर्ण राजनीतिक, राजनयिक और नैतिक समर्थन का आश्वासन देते हैं। उन्होंने लोगों से गाजा के लोगों के खिलाफ इजरायल के अत्याचारों की गंभीरता समझने का आह्वान किया।

नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक में फिर गूंजा हिंदू राष्ट्र का मुद्दा

काठमांडू, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सर्वाधिक सदस्यों वाली पार्टी नेपाली कांग्रेस के भीतर एक बार फिर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग उठने लगी है। पार्टी की केंद्रीय समिति की काठमांडू में जारी बैठक में कई सदस्यों ने नेपाल को जल्द ही हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की है।

नेपाली कांग्रेस के मुख्यालय में जारी केंद्रीय समिति की बैठक में अधिकतर सदस्यों ने नेपाल के संविधान में संशोधन कर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते और सत्ता में सहभागी होने के नाते भी नेपाली कांग्रेस का यह फर्ज है कि वो हिंदू राष्ट्र घोषित करने को लेकर पहल करे। इन सदस्यों ने कहा कि नेपाल में बांग्लादेश जैसी परिस्थिति नहीं आने देने के लिए देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाना चाहिए।

पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोईराला ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदू धर्मावलंबियों पर आक्रमण किए जा रहे हैं वह इस क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। नेपाल में इस तरह की परिस्थिति नहीं आए इसके लिए आवश्यक है कि देश को हिंदू राष्ट्र घोषित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी की महासमिति की बैठक में उपस्थित 1300 में से 1100 से अधिक सदस्यों ने हिंदू राष्ट्र की मांग के समर्थन में हस्ताक्षर किया था इसलिए केंद्रीय समिति की बैठक में उस प्रस्ताव को पारित किया जाना चाहिए।

केंद्रीय समिति के सदस्य शंकर भंडारी ने हिंदू राष्ट्र की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इसकी घोषणा का यही सबसे उपयुक्त समय है। उन्होंने कहा कि देश में संविधान संशोधन की मांग उठाई जा रही है और इस समय दो तिहाई बहुमत वाली सरकार भी है जो संशोधन करने में सक्षम है। भंडारी ने कहा कि सरकार में सहभागी होने के नाते और सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते नेपाली कांग्रेस को तत्काल पहल करनी चाहिए।

हमास आज होने वाली शांति वार्ता से पीछे हटा

नेतन्याहू पर युद्ध लंबा खींचने का जड़ा आरोप

दोहा, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

इजराइल और कुख्यात आतंकवादी समूह हमास के बीच गाजा में छिड़े युद्ध से चिंतित दुनिया तमाम कोशिशों के बीच दोनों को शांत नहीं करा पा रही। इस दिशा में एक और कोशिश गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा या मिस्त्र की राजधानी काहिरा में होने वाली है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ देशों की इस संघर्ष विराम वार्ता या शांति वार्ता पर सबकी नजर है। मगर हमास ने साफ कर दिया है कि वह इस वार्ता में हिस्सा नहीं लेगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हमास के नेताओं को नहीं लगता कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अच्छे विश्वास के साथ बातचीत कर रही है। लेबनान में मौजूद हमास नेता अहमद अब्दुल हादी ने कहा है, नेतन्याहू को ऐसे समझौते पर पहुंचने में कोई दिलचस्पी नहीं है जो आक्रामकता को पूरी तरह से समाप्त कर दे। वह युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हमास का यह निर्णय अच्छा संकेत नहीं है। बावजूद इसके उसने सौदेबाजी की मेज को पूरी तरह से छोड़ा नहीं है।

पूरे युद्ध के दौरान हमास नेताओं ने सीधे तौर पर इजराइली अधिकारियों से मुलाकात जरूर नहीं की पर मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए कतर और मिस्त्र पर भरोसा किया। इस समय भी हमास के कई प्रमुख नेता कतर में हैं। वह दोहा में मध्यस्थों के कार्यालयों से थोड़ी ही दूर पर रह रहे हैं। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास नेता के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने शांति वार्ता में गतिरोध के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इजराइल वार्ता के लिए प्रतिनिधि भेजेगा।

सूत्रों के अनुसार, हमास के इस शांति वार्ता में हिस्सा न लेने के फैसले से अब यह तय नहीं है कि बैठक में मिस्त्र, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष खुफिया अधिकारियों के साथ-साथ कतर के प्रधानमंत्री शामिल होंगे या नहीं।

अमेरिका इजराइल को एफ-15 लड़ाकू जेट और हजारों टैंक और मोर्टार गोले देगा

वॉशिंगटन। हमास से युद्ध लड़ रहे इजरायल को अमेरिका अपने प्रमुख हथियार देगा। इसके लिए जो बाइडन प्रशासन ने इजरायल को 20 बिलियन डॉलर से ज्यादा के प्रमुख हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसमें नए एफ-15 लड़ाकू जेट और हजारों टैंक और मोर्टार गोले शामिल है। हालांकि ऐसा नहीं है कि जो हथियार अमेरिका दे रहा वह इजराइल तुरंत ही गाजा में इस्तेमाल करेगा। बल्कि यह दीर्घकालिक बिक्री सौदे हैं, जिनकी डिलीवरी कई सालों बाद इजरायल को मिलेगी लेकिन इजरायली अधिकारियों ने कहा है कि अमेरिकी की यह घोषणा ईरान और हिजबुल्लाह को संदेश है, क्योंकि वे इजरायल पर हमले की धमकी दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि सौदों की घोषणा तब की जाएगी जब वह पूरी तरह तैयार होंगे लेकिन उन्होंने माना कि अमेरिका की यह घोषणा बेहद खास है। यह क्षेत्र में बढ़े तनाव के बीच इजरायल को सीधा समर्थन देना दर्शाता है। अमेरिका की ओर से हथियारों की बिक्री की मंजूरी में सबसे अहम सौदा 50 एफ-15आईए लड़ाकू विमानों की बिक्री और पहले से सेना में मौजूद 25एफ-15आई लाड़ाकू विमानों का अपग्रेड शामिल है। यह सौदा 18.8 अरब डॉलर का है। व्हाइट हाउस ने कहा कि हथियारों की बिक्री उसकी दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए जरूरी है। ये सौदे राष्ट्रपति चुनावों से पहले रिपब्लिकन के उन दावों का भी खंडन करता है, जिसके मुताबिक बाइडन-हैरिस प्रशासन इजरायल को हथियारों की आपूर्ति नहीं करता।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर रवि शास्त्री बोले-भारत के पास हैट्रिक बनाने का मौका

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने वाली है, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा ।सीरीज से पहले भारत के पूर्व दिग्गज रवि शास्त्री ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के विजेता को लेकर भविष्यवाणी की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इस बार फिर से भारतीय टीम विजेता बनेगी और सीरीज जीतने की हैट्रिक बनाएगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी बयान में रवि शास्त्री ने कहा कि यह एक शानदार सीरीज होगी और भारतीय टीम के पास हैट्रिक बनाने का पूरा मौका है, क्योंकि उनके गेंदबाज फिट हैं और अगर वे अच्छी बल्लेबाजी करते हैं, तो वे एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया को हरा सकते हैं।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर टेस्ट सीरीज (बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी) 2-1 के समान अंतर से जीती थीं। भारतीय टीम ने पिछली चार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा बकरार रखा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज रिकी पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में बात करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम के 3-1 से सीरीज जीतने की भविष्यवाणी की थी। शास्त्री का मानना है कि अगर भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बरकरार रखनी है तो उनके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

शास्त्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बहुत रोमांचक होने वाली है। उन्होंने कहा कि याद रखें, भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है और ऑस्ट्रेलिया ने लगभग एक दशक से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। यही कारण है कि पिछले पांच से आठ वर्षों से हर कोई टेस्ट क्रिकेट की इन दो दिग्गज टीमों के आमने-सामने होने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास हैट्रिक बनाने का पूरा मौका है, क्योंकि उनके गेंदबाज फिट हैं और अगर वे अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं, तो वे एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया को हरा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि रवि शास्त्री की कोचिंग में ही भारतयी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में पिछली दो टेस्ट सीरीज में हराया है।

न्यूज़ ब्रीफ

स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण छह सप्ताह के लिए खेल से दूर हुईं श्रीजा अकुला

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण छह सप्ताह के लिए खेल से दूर हो गई हैं। चोट का मतलब है कि वह 22 अगस्त से शुरू होने वाले आगामी अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगी। वर्तमान में दुनिया की 21वें नंबर की खिलाड़ी अकुला ने ओलंपिक डॉट कॉम के हवाले से एक बयान में कहा, 卐मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला है और मेरे डॉक्टर की सलाह पर, मुझे छह सप्ताह तक आराम करने की आवश्यकता होगी, जिसका दुर्भाग्य से मतलब है कि मैं यूटीटी 2024 में भाग नहीं ले पाऊंगी। अकुला को यूटीटी 2024 में जयपुर पैट्रियट्स के लिए खेलने के लिए चुना गया था। अब उनकी जगह टीम में अंडर-19 यूथ नेशनल चैंपियन और यूटीटी डेब्यू करने वाली नित्याश्री मणि होंगी। पिछले हफ्ते, श्रीजा अकुला ने पेरिस 2024 ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद महिला एकल में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 22वीं रैंकिंग हासिल की थी। पेरिस 2024 में, अकुला ने राउंड ऑफ 64 में स्वीडन की तत्कालीन दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टीना कल्बर्ग को हराया और फिर राउंड ऑफ 32 में सिंगापुर की 52वीं रैंक वाली जेंग जियान को हराया। अकुला और मनिका बत्रा ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में राउंड ऑफ 16 में पहुंचने वाली देश की पहली टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं। हालांकि, अकुला राउंड ऑफ 16 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की दुनिया की नंबर 1 यिंगशा सुन से हार गईं। श्रीजा और मनिका महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं।

हॉकी इंडिया ने सेवानितृत्त गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में नंबर 16 जर्सी की रिटायर

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को घोषणा की कि वह गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में 16 नंबर की जर्सी को रिटायर कर रहा है, जिन्होंने भारत के पेरिस ओलंपिक अभियान के बाद खेल से संन्यास ले लिया था। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, हॉकी इंडिया ने पीआर श्रीजेश की प्रतिष्ठित नंबर 16 जर्सी को रिटायर कर दिया है, जिससे उत्कृष्टता का एक युग समाप्त हो गया है। असंभव बचाव से लेकर पीढ़ियों को प्रेरित करने तक, श्रीजेश की विरासत हमेशा भारतीय हॉकी के इतिहास में अंकित रहेगी। श्रीजेश ने 14 साल के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत किया और पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2-1 से हराकर भारत के कांस्य पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, केरल के इस गोलकीपर ने चीन में 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक, इंग्लैंड में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक और 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक भी जीता है। उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण और जकार्ता-पालेमबांग में 2018 एशियाड में कांस्य पदक भी जीता। वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम और भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल चैंपियन टीम का भी हिस्सा थे।

सासुओलो के डिफेंडर ट्रेसोल्डी लोन पर साओ पाउलो में शामिल हुए

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के सेरी ए क्लब साओ पाउलो ने इटली के सासुओलो से सेंट्रल डिफेंडर रुआन ट्रेसोल्डी को ऋण पर अनुबंधित किया है।

ट्रेसोल्डी, जिनके सासुओलो अनुबंध में दो साल बाकी हैं, अगले जून तक साओ पाउलो से जुड़े रहेंगे। इस समझौते में साओ पाउलो के लिए ऋण अवधि समाप्त होने पर 25 वर्षीय खिलाड़ी को स्थायी सौदे पर सुरक्षित करने का विकल्प शामिल है। साओ पाउलो फुटबॉल निदेशक कार्लोस बेलमोंटे ने कहा, यह हमारे लिए एक अच्छा सौदा है क्योंकि अगर ऋण ठीक रहता है, तो हम हस्ताक्षर पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा कि ट्रेसोल्डी सेंटर-बैक डिएगो कोस्टा के लिए सीधे प्रतिस्थापन थे, जो पिछले महीने रूस के क्रास्नोडार में शामिल होने के लिए चले गए थे। अगस्त 2021 में ग्रेमियो से क्लब में शामिल होने के बाद से ट्रेसोल्डी ने सासुओलो के लिए 64 प्रथम-टीम प्रदर्शन किए हैं। पिछले सीजन में 20-टीम सीरी ए में 19वें स्थान पर रहने के बाद सासुओलो को इतालवी फुटबॉल के दूसरे स्तर पर भेज दिया गया था। साओ पाउलो वर्तमान में ब्राजील की शीर्ष-स्तरीय स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है, जो लीडर बोटाफोगो से पांच अंक पीछे है।

दुनियाभर के क्रिकेटर और क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी

124 साल बाद ओलंपिक में होगी क्रिकेट की वापसी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 खत्म हो चुका है। इसके बाद भारतीय एथलीट स्वदेश लौट चुके हैं। अब सभी लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 की तैयारी में जुटने वाले हैं। लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 खेलों में 124 साल के लंबे अंतराल के बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। 16 अक्टूबर 2023 को ओलंपिक में टी20 क्रिकेट को शामिल करने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद भारत में उत्साह का माहौल बन गया था। इस खबर ने ना सिर्फ क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में बल्कि भारत के मशहूर खिलाड़ियों और बॉलीवुड सितारों के दिलों में भी खुशी की लहर ला दी थी।

ओलंपिक : क्रिकेट का इतिहास

क्रिकेट को पहली बार 1900 में ओलंपिक में शामिल किया गया था, जब पेरिस ने अपना पहला ओलंपिक आयोजित किया था। उस समय सिर्फ एक पुरुष मैच खेला गया था, जो ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों के बीच था। ग्रेट ब्रिटेन ने यह मैच 158 रनों से जीता था। अब क्रिकेट को 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में एक बार फिर शामिल किया जाएगा और इस बार टी20 फॉर्मेट शामिल किया गया है।

भारत को क्यों है स्वर्ण की आशा

भारत हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीतने में सफल रहा है, जिसका आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में किया गया था। पेरिस ओलंपिक 2014 के खत्म होने के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के बीच भारत चार आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहा है, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025, टी20 वर्ल्ड कप 2026 और वनडे वर्ल्ड कप 2027 शामिल हैं। इसमें टीम इंडिया से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

कई क्रिकेटर ओलंपिक में खेले हैं दूसरे खेल

लॉस एंजिल्स । सन 1900 के बाद क्रिकेट कभी ओलंपिक का हिस्सा नहीं रहा हालांकि तब के कुछ क्रिकेटरों ने ओलंपिक में अन्य खेलों में भी भाग लिया था और ये विजेता भी रहे थे।

सूज बेट्स – न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर सूजी बेट्स ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में न्यूजीलैंड की बास्केटबॉल टीम से खेला था।

कीथ थॉमसन – न्यूजीलैंड के कीथ थॉमसन ने 1968 में भारत के खिलाफ दो टेस्ट खेले बाद वे म्यूनिख ओलंपिक 1972 में न्यूजीलैंड की हॉकी टीम के शामिल रहे।

क्लाउड बकेनहैम – क्लाउड बकेनहैम क्रिकेट से अलावा किसी अन्य गेम में ओलंपिक में भाग लेने वाले पहले क्रिकेटर हैं। साल 1900 के ओलंपिक में हालांकि क्रिकेट का खेल शामिल था पर बकेनहैम ने इन खेलों में ब्रिटेन की ओर से फुटबॉल खेला।

जॉनी डगलस – 1908 के लंदन ओलंपिक में जॉनी डगलस ने मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीता।

जैक मैकब्रायन – जैक मैकब्रायन वर्ष 1920 के एंटवर्प ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाली ब्रिटेन की हॉकी टीम के सदस्य थे।

ब्रायन बूथ – ब्रायन बूथ मेलबर्न में 1956 में हुए ओलंपिक में वे ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम के सदस्य थे। उनकी टीम हालांकि ओलंपिक में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी। ओलंपिक के अलावा कुछ अन्य मैचों में भी वे ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीम में शामिल थे।

मशहूर खिलाड़ियों और बॉलीवुड सितारों ने जताई थी खुशी

भारत में जहां क्रिकेट को धर्म की तरह माना जाता है, वहीं इस खबर के आते ही सभी भारतीयों में खुशी का माहौल साफ देखने को मिला था। इस दौरान एथलीट नीरज चोपड़ा, पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान मिताली राज, क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण समेत कई हस्तियों ने अपनी खुशी जाहिर की थी। भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा था, यह भारत के लिए बड़ी खुशखबरी है, क्योंकि हमारे पास एक बेहतरीन क्रिकेट टीम है। लॉस एंजेलिस 2028 में क्रिकेट का शामिल होना इस खेल के वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान मिताली राज ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा था, यह क्रिकेट के लिए एक बड़ा मौका है। खिलाड़ी ओलंपिक में भाग लेकर स्वर्ण पदक जीतने का सपना साकार कर सकेंगे। जब इसकी घोषणा हुई थी तब सचिन ने अपने ट्वीट में लिखा, एक सदी से ज्यादा के इंतजार के बाद हमारा प्यारा खेल ओलंपिक स्टेज पर वापस आ गया है। ये नए क्रिकेटरों के लिए एक सुनहरा मौका है। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने कहा था, क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी बेहद रोमांचक है। भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है, और यह देखना रोमांचक होगा कि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की टी20 टीम, क्वेना मफाका नया चेहरा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। क्वेना मफाका को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

17 वर्षीय तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को पहली बार दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम में शामिल किया गया है। मफाका का चयन दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं का एक साहसिक कदम है, जिन्होंने युवाओं में निवेश करने और भविष्य के लिए एक मज़बूत नींव बनाने की इच्छा दिखाई है। इस किशोर ने अपनी तेज़ गति और सटीकता से प्रभावित किया है, और टीम में उनका शामिल होना घरेलू स्तर पर उनके लगातार प्रदर्शन का इनाम है।

इसके अलावा, चयन समिति ने टीम में अनकैप्ड जेसन स्मिथ को शामिल करके भी सबको चौंका दिया है, जो दक्षिण अफ़्रीकी टी20 क्रिकेट के लिए एक नए युग का संकेत है। स्मिथ का शामिल होना घरेलू क्रिकेट में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुरंत प्रभाव डालने की उनकी क्षमता में चयनकर्ताओं के विश्वास का प्रमाण है। व्हाइट-बॉल के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने एक्स बाय प्रोटियाज मेन पर साझा किए गए एक बयान में कहा, हम जेसन [स्मिथ] और क्वेना [माफाका] को इस सीरीज के लिए टीम में शामिल करने के लिए उत्साहित हैं। जेसन का हालिया प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है, और बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने की उनकी क्षमता हमारे लाइन-अप में मूल्यवान गहराई जोड़ती है। क्वेना को एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में पहचाना गया है जिसमें महत्वपूर्ण क्षमता है, और यह दौरा उसे प्रोटियाज वातावरण में शामिल करने और बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है।

वेस्टइंडीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम

एडेन मार्कराम, ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, डोनोवन फरेरा, ब्योर्न फोर्टुइन, लुंगी एनगिडी, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रुगर, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, रयान रिकेलटन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, लिजाड विलियम्स।

वन-डे कप और प्रथम श्रेणी मैचों के लिए नॉर्थम्पटनशायर से जुड़ेंगे चहल

लंदन, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल नॉर्थम्पटनशायर के साथ अपने अंतिम रॉयल लंदन वन-डे कप मैच में केंट के खिलाफ खेलेंगे और टीम के लिए काउंटी चैम्पियनशिप के शेष पांच मैचों में भी हिस्सा लेंगे। क्लब ने कहा कि 34 वर्षीय लेग स्पिनर चहल बुधवार को कैंटरबरी में केंट के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम से जुड़ जाएंगे और फिर लाल गेंद के बाकी अभियान के लिए उपलब्ध रहेंगे। चहल ने 2023 सीज़न में केंट में समय बिताया था, और दो मैचों में नौ विकेट लिए थे।

नॉर्थम्पटनशायर के मुख्य कोच जॉन सैडलर को लगता है कि चहल क्लब के गेंदबाजी आक्रमण में अतिरिक्त विविधता और गहराई लाएंगे। उन्होंने कहा, युजवेंद्र एक और हाई-प्रोफाइल विदेशी खिलाड़ी हैं, जो अपने साथ ढेर सारा अनुभव और कुछ अविश्वसनीय कौशल लेकर आए हैं। उनका रिकॉर्ड अपने आप में सब कुछ बयां करता है और उनकी विकेट लेने की क्षमता हमारे आक्रमण को मजबूती देगी।

अप्रैल 2024 में, चहल आईपीएल के इतिहास में 200 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। वह भारत की 2024 टी20 विश्व कप विजेता टीम में चार फ्रंटलाइन स्पिनरों में से एक थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि चयनकर्ता सीनियर लेगस्पिनर को अपनी बैक-अप सूची में रखना जारी रखा है, खासकर सबसे छोटे प्रारूप के लिए, इससे उन्हें मैच-फिट रहने और अपने रेड-बॉल गेम को बेहतर बनाने का मौका मिलेगा।

नॉर्थम्पटनशायर वर्तमान में नौ टीमों के वन-डे कप ग्रुप ए तालिका में सबसे नीचे स्थान पर है, जिसने अब तक सात मैचों में से केवल एक में जीत हासिल की है।

स्वयं ने एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में भारतीय पैरालिंपिक समिति के साथ किया करार

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस पैरालंपिक 2024 से पूर्व स्वयं ने आधिकारिक एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के साथ करार किया है। करार के तहत एक्सेसिबिलिटी संगठन स्वयं भारतीय पैरा-खिलाड़ियों के पूरे दल के लिए परिवहन को सुगम्य और समावेशी बनाया जाएगा, जिससे उनकी आवाजाही सुचारू और सहज हो सकेगी।

28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 तक आयोजित होने वाले पेरिस पैरालंपिक 2024 में, विश्व भर से 4,000 से अधिक खिलाड़ी 22 विभिन्न खेलों में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रतियोगिता अपने विविधता और रोमांच के लिए प्रसिद्ध होगी।

स्वयं, जो कि स्मिनू जिंदल चैरिटेबल ट्रस्ट की एक गैर-लाभकारी पहल है, पिछले 4-5 वर्षों से पीसीआई के साथ मिलकर सुगम्यता के क्षेत्र में काम कर रही है।

स्वयं, सुगम्य परिवहन सेवाएं प्रदान करने और उन होटलों एवं भवनों का विस्तृत ऑडिट आयोजित करेगी, जहां पैरा-खिलाड़ी नई दिल्ली में ठहरेंगे, और इसे सुगम्यता को बढ़ावा देने का कार्य जारी रखेगी। स्वयं ने इससे पहले भी पीसीआई को पूर्णतः सुगम्यवाहन डोनेट कर, सुगम्यता को बढ़ाने और दिव्यांग खिलाड़ियों के समर्थन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

स्वयं की संस्थापक-अध्यक्ष,स्मिनू जिंदल ने इस साझेदारी पर कहा, एक्सेसिबिलिटी पार्टनर बनना हमारे लिए अत्यंत सम्मानजनक और जिम्मेदारी पूर्ण है। हमारी इस भागीदारी ने बाधाओं को दूरकर, समानता और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने का कार्य निरंतर जारी रखा है। इस वर्ष भी, स्वयं यह सुनिश्चित करेगा कि देश भर से आने वाले पैरा-खिलाड़ियों की गरिमा और सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न हो। हम एक ऐसा गरिमामय वातावरण बनाने के प्रति समर्पित हैं, जहां प्रत्येक खिलाड़ी सुगम्यता की चिंताओं से मुक्त होकर, अपने प्रदर्शन पर पूर्ण ध्यान केंद्रित कर सकें। हम भविष्य में ऐसे और भी अवसर मिलने की अपेक्षा करते हैं।

स्वयं का खेलों में सुगम्यता बढ़ाने और विभिन्न आयोजनों में पीसीआई का समर्थन प्रदान करने का एक उत्कृष्ट रिकॉर्ड रहा है, जिसमें टोक्यो पैरालंपिक 2021 और 2023 में बेंगलुरु में आयोजित 5वीं इंडियन ओपन पैरा-एथलेटिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता और क्षेत्रीय खेल प्रशिक्षण शामिल हैं। स्वयं, वर्ष 2020 से डिसएबिलिटी क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया से जुड़ा है और 2023 में भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतर्गत आयोजित पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में भी शामिल था।

पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम पर हुई नोटों की बारिश

सीएम के बाद अब पीएम ने भी किया 15 करोड़ देने का ऐलान

इस्लामाबाद, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम पर नोटों की बारिश हो रही है। मंगलवार को पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने स्टार एथलीट के घर पहुंचकर 10 करोड़ रुपये और नई कार सौंपी थी। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें 15 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने बीते दिन नदीम और उनके परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने 10 करोड़ रुपये और कार की चाबियां भेट की। उन्होंने कहा, 'अरशद हर उस चीज का हकदार है जो उसे मिल रहा है क्योंकि वह देश के लिए बहुत खुशी और गौरव लेकर आया है।' वहीं, नदीम के कोच सलमान इकबाल बट को भी 50 लाख रुपये दिए गए।

अब पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने उन्हें 15 करोड़ रुपये देने का एलान किया है। मंगलवार को पीएम ने नदीम और उनके परिवार को पीएम आवास में आमंत्रित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा, आपने 25 करोड़ पाकिस्तानियों की खुशी दोगुनी कर दी है क्योंकि हम कल अपना स्वतंत्रता दिवस भी मनाएंगे। आज हर पाकिस्तानी खुश है और पूरे देश का मनोबल आसमान छू रहा है।

नदीम ने 40 वर्षों में पहला स्वर्ण जीता

नदीम ने 40 वर्षों में पाकिस्तान का पहला ओलंपिक स्वर्ण जीता। इससे पहले पुरुष हॉकी टीम ने 1984 के लॉस एंजिलिस खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। पाकिस्तान का पिछला ओलंपिक पदक 1992 के बार्सीलोना खेलों में हॉकी का कांस्य पदक था। उनके थ्रो ने आसानी से नॉर्वे के एंड्रियास थोरकिल्डसन के 2008 में बनाए गए 90.57 मीटर के पिछले ओलंपिक रिकॉर्ड को पार कर लिया। यह टोक्यो खेलों के चैंपियन भारत के नीरज चोपड़ा के प्रयास से भी काफी आगे था जिन्होंने 89.45 मीटर का अपना सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,14 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से बुधवार को मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र में अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के तीनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल सांकेतिक गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिका में अनुमान से बेहतर महंगाई के आंकड़ों की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में मजबूती बनी रही। डाउ जॉन्स 400 अंक उछल कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,434.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 407 अंक यानी 2.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,187.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बुधवार को फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 39,758.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,235.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,275.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,812.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 24,148 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत गिर कर 36,168.53 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.36 प्रतिशत फिसल कर 17,111.43 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स से 0.35 प्रतिशत टूट कर 2,857.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,273.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,637.87 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बुधवार को मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 223.93 अंक यानी 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,020.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.71 प्रतिशत उछल कर 7,408.93 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,304.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी को सीमा शुल्क प्राधिकरण से 3.8 करोड़ का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को कारण बताओ नोटिस मिला है। सीमा शुल्क प्राधिकरण ने मारुति को 3.8 करोड़ रुपये से अधिक के शुल्क में अंतर के भुगतान की मांग करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मारुति सुजुकी ने बुधवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को मुंबई के सीमा शुल्क (आयात) आयुक्त कार्यालय से कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनी ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में प्राधिकरण ने कंपनी से कुछ श्रेणी के सामान के आयात पर सीमा शुल्क छूट का दावा करने का कारण बताने को कहा है। इसके साथ ही लागू ब्याज तथा जुर्माने के साथ 3,81,37,748 रुपये के शुल्क में अंतर का भुगतान करने को कहा है। निजी क्षेत्र की वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने जारी बयान में कहा कि इस नोटिस के कारण उसके वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जुलाई महीने में थोक महंगाई दर घटकर 2.04 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर लोगों के लिए राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में भी गिरावट दर्ज हुई है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर जुलाई में घटकर 2.04 फीसदी पर आ गई है। जून में ये बढ़कर 16 माह के उच्चतम स्तर 3.36 फीसदी पर पहुंच गई थी। वहीं, मई में थोक महंगाई दर 2.61 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित थोक महंगाई की दर घटकर 2.04 फीसदी रही है। आंकड़ों के मुताबिक डब्ल्यूपीआई के प्राथमिक उत्पादों (रोजाना की जरूरत वाले सामानों) की महंगाई दर सालाना दर जुलाई, 2024 में 3.08 फीसदी रही है, जबकि जून 2024 में यह दर 8.80 फीसदी थी। मंत्रालय के मुताबिक खाने-पीने की चीजों की महंगाई 8.68 फीसदी से घटकर 3.55 फीसदी हो गई। मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के मुताबिक थोक मूल्य सूचकांक के मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की सलाना थोक महंगाई दर जून 2024 में 1.43 फीसदी के मुकाबले जुलाई 2024 में बढ़कर 1.58 फीसदी हो गई है। हालांकि, ईंधन तथा बिजली की महंगाई दर बढ़कर 1.72 फीसदी पर पहुंच गई है, जो जून 2024 में 1.03 फीसदी रही थी। उल्लेखनीय है कि जुलाई में खुदरा महंगाई की दर घटकर 3.54 फीसदी पर आ गई है, जो कि 59 महीने का निचला स्तर है। ये रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए तय दायरे के भीतर है।

एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की जैकेट 63 लाख में होगी नीलाम!

नई दिल्ली। एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की जैकेट 63 लाख में होने जा रही है। ये लेदर की एक जैकेट काफी फेमस हुई थी।

यह जैकेट उन्होंने 1983 में पहनी थी। हालांकि इसकी फोटो कई साल बाद सामने आई थी। उस फोटो में जैकेट के साथ एक और खास बात थी। स्टीव जॉब्स अब इस दुनिया में हैं, लेकिन उनकी इस जैकेट और फोटो की चर्चा अभी भी हो जाती है। स्टीव जॉब्स की बॉम्बर स्टाइल वाली वह जैकेट अब नीलाम होने जा रही है। जैकेट का फोटो को साल 2011 में मैकिन्टोश की डिवेलपमेंट टीम के सदस्य एंडी हट्र्जफेल्ड ने ऑनलाइन पोस्ट किया था। इस फोटो को पोस्ट करते हुए हट्र्जफेल्ड ने लिखा था, दिसंबर 1983 में मैक लॉन्च से कुछ हफ्ते पहले हम न्यूजवीक से मिलने के लिए न्यूयॉर्क सिटी गए। न्यूजवीक मैक पर एक कवर स्टोरी करने का प्लान कर रहा था। यह तस्वीर उस समय हमारे साथ घूम रहे एक वाइल्ड फोटोग्राफर ने ली थी। आरआर ऑक्शन द्वारा आयोजित इस नीलामी में स्टीव जॉब्स की अन्य यादगार चीजों की भी नीलामी की जाएगी। इनमें पर्सनल चेक, पोलरॉइड और एक ऑरीजिनल 4जीबी का आईफोन भी शामिल है। अब तक स्टीव जॉब्स से जुड़ी कई चीजों की नीलामी हो चुकी है। इनमें वे चीजें भी शामिल हैं जो उन्होंने इस्तेमाल की थीं या जिन पर साइन किए थे। इन चीजों को काफी महंगे दाम पर नीलाम किया गया है। अब यह जैकेट भी नीलाम होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आइये...

जिला प्रशासन का कहना है कि पंचायत की आईडी से यह सब कैसे हुआ है। यह किसी हैकर का काम है या फिर किसी ने आईडी का दुरुपयोग किया है। जांच के बाद ही सच सामने आएगा।

पंचायत सचिव की आईडी हस्तांतरण से पहले जन्म प्रमाण पत्र जारी होते रहे। किसी को इसकी भनक तक न लगी। ये अपने आप में गंभीर सवाल है। जबकि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने संबंधी सीआरएस पोर्टल की निगरानी का जिम्मा जिला स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के पास है। ताजा फर्जीवाड़े में तो आईडी पंचायत सचिव तक पहुंची ही नहीं थी। उससे पहले प्रमाण पत्र जारी हो गए।

इसी तरह रायबरेली के सलोन विकासखंड में जन सुविधा केंद्र के संचालक ने ग्राम विकास अधिकारी की आईडी से बड़ी संख्या में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बना दिए थे। जांच में फर्जी प्रमाण पत्र के करीब 20 हजार मामले सामने आए थे। इनमें से कई प्रमाण पत्र पीएफआई, रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से जुड़े होने की शिकायत भी सामने आई थी। मामले में यूपी एटीएस सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।इस आईडी से सबसे ज्यादा प्रमाण पत्र मैनपुरी क्षेत्र के जारी हुए हैं। इससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि यह आईडी मैनपुरी जिले में चल रही हैं। हालांकि अभी स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस मामले में कोई कदम नहीं उठाया गया है। रायबरेली के इस अड्डे से बिहार के लिए 12, हरियाणा के लिए 4, झारखंड के लिए 13, कर्नाटक के लिए 1, मध्यप्रदेश के लिए 4 और उत्तर प्रदेश के लिए 780 फर्जी जन्म/नागरिकता प्रमाण पत्र जारी हुए थे। यह सब प्रमाण पत्र बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए जारी किए गए थे।रायबरेली के सलोन में बनाए गए करीब 20 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए जारी हुए। तब यह मामला खुला कि यहां से घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिलाने का षडयंत्र चल रहा था। इसके बदले जन सेवा केंद्र (सीएससी) संचालक जीशान खान, सुहेल और रियाज मोटी कमाई कर रहे थे। फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बांटने में रायबरेली स्थित सलोन के तार कर्नाटक, केरल और मुंबई से भी जुड़े हैं। कुछ दिनों पहले कर्नाटक पुलिस ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक आतंकी को दबोचा था। उसका जन्म प्रमाणपत्र भी रायबरेली से बना था। जांच के लिए टीम रायबरेली पहुंची तो धीरे-धीरे पूरा मामला खुलने लगा।

रायबरेली के सलोन से केवल मुसलमानों के ही फर्जी प्रमाणपत्र बनाए गए। इनमें 2023 में मुंबई में पकड़े गए चार बांग्लादेशियों के नाम भी शामिल हैं। इससे पहले जम्मू में भी पकड़े गए कुछ रोहिंग्या के पास यहां बने जन्म प्रमाणपत्र मिले थे। जांच में पता चला कि ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) विजय सिंह यादव की यूजर आईडी और पासवर्ड का प्रयोग कर सलोन निवासी सीएससी संचालक मोहम्मद जीशान, रियाज और सुहेल खान ने फर्जी प्रमाणपत्र बनाए। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया।

सलोन और बांग्लादेशी-रोहिंग्या कनेक्शन का मामला नया नहीं है। रायबरेली जिला पहले भी घुसपैठियों और आतंकियों का सुरक्षित ठिकाना बला रहा। अब कानपुर और उन्नाव के रास्ते भी रोहिंग्या यहां आने लगे हैं। ऐसे में यहां की संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। करीब 20 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले ने रायबरेली को पूरे देश में चर्चा में ला दिया है। अभी तक की जांच में पता चला है कि पकड़ा गया सीएससी संचालक जीशान तो बस मोहरा मात्र है। असल वजीर कोई और है, जिसकी शह पर सारा खेल हुआ है।रायबरेली 90 के दशक में लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और डी-2 गैंग का सेफ जोन रहा है। 1992 में आतंकी अब्दुल करीम टुंडा रायबरेली आया था। इसी तरह हिजबुल मुजाहिद्दीन का एरिया कमांडर बिलाल अहमद भी रायबरेली के खिन्नी तल्ला में शरण ले चुका था। रायबरेली की खुफिया एजेंसी इस दौरान इन दोनों को नहीं ढूंढ़ सकी। उनके पनाहगार कौन थे? इस पर जिम्मेदारों ने चुप्पी साध ली। कभी कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई।

सलोन क्षेत्र हमेशा से संवेदनशील रहा है। कमजोर खुफिया तंत्र का फायदा उठाकर कानपुर से उन्नाव और सलोन में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर इमरान अंसारी सक्रिय रहा। किसी तरह से एटीएस ने उसे 2006 में पकड़ा, लेकिन इमरान को पनाह किसने दी? इसकी पड़ताल नहीं हो सकी। इसी तरह बछरावां डी-2 गैंग का सेंटर रहा है। जब मुंबई में डी-2 गैंग का असर कम हुआ तो कानपुर के डी-39 गैंग के सदस्यों ने यहां पैर जमा लिए। खुफिया विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी।

आतंकियों को लिए प्रदेश में कानपुर कमांड सेंटर सरीखा रहा है। कानपुर में नई सड़क, बेकनगंज, फेथफुलगंज, तलाकमोहाल, बजरिया, मूलगंज ऐसे इलाके हैं, जहां पर दाउद और टाइगर मेनन जैसे आंतकियों के कनेक्शन रहे हैं। 90 के दशक से ही कानपुर से दाउद के गुर्गों ने उन्नाव की ओर रुख किया और शुक्लागंज से कटरी के गांवों में पैठ बनाई। समय जैसे-जैसे बीता तो कानपुर का जाजमऊ घुसपैठियों का बड़ा सेंटर बना। राजनीतिक सरपरस्ती ने भी इनका काम आसान किया। जाजमऊ से शुक्लागंज होते हुए बांग्लादेशियों और रोहिंग्या ने उन्नाव शहर में भी अपने रिहाइश का इंतजाम कर लिया। 2021 में एसटीएफ ने रोहिंग्या की घुसपैठ की आंशका में उन्नाव नगर पालिका के दस्तावेजों को खंगाला, जिसमें अहम जानकारी हाथ लगी थी। उन्नाव के रास्ते खीरों होते हुए घुसपैठिए बिना किसी रोक के रायबरेली में पैर जमाने में लगे हैं। सलोन फर्जी प्रमाणपत्र प्रकरण भी इसी का एक हिस्सा है।

18 जुलाई को यूपी एटीएस ने जन सेवा केंद्र संचालक जीशान खान, सुहैल, रियाज खान और वीडीओ विजय बहादुर यादव से अलग-अलग पूछताछ की थी। इस दौरान एक बड़े नेटवर्क की जानकारी हाथ लगी है, जो बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को जगह-जगह बसाने में लगा है। कानपुर, उन्नाव, प्रयागराज, लखनऊ में भी इसी तरह का खेल चल रहा है। इसके बाद एटीएस बिहार, असम, कर्नाटक, केरल, मुंबई तक के तार जोड़ने में लगा है।

समाज में...

भारत के पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के निकट है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय देश के किसानों और श्रमिकों की अथक मेहनत, नीति-निर्माताओं और उद्यमियों की दूरगामी सोच तथा देश के दूरदर्शी नेतृत्व का सुफल बताया। उन्होंने कहा कि तीव्र विकास से लोगों की आमदनी बढी है और गरीबी भी काफी कम हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार हर गरीब व्यक्ति की सहायता कर उसे इस गर्त से बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।राष्ट्रपति ने अन्नदाता किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से देश में अनाज उत्पादन बढा है और खाद्य सुरक्षा में उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने कहा कि सरकार हाल के वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया है जिससे सड़कों, राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों का नेटवर्क तेजी से बढा है। भावी प्रौद्योगिकी की अद्भुत क्षमता को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने सेमी कंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे कई क्षेत्रों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया है, साथ ही स्टार्ट अप के लिए एक आदर्श इको सिस्टम भी बनाया है। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों में भारत के प्रति आकर्षण और अधिक बढ़ गया है। बढ़ती हुई पारदर्शिता के साथ, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों की कार्य-कुशलता में वृद्धि हुई है। इन सभी बदलावों ने अगले दौर के आर्थिक सुधारों और आर्थिक विकास के लिए मंच तैयार कर दिया है जहां से भारत विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा।

जी-20 सम्मेलन के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें भारत ने गरीब और विकासशील देशों के मुद्दों को मुखर अभिव्यक्ति देने वाले देश के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत बनाया है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग विश्व शांति और समृद्धि के विस्तार के लिए करना चाहता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने इस दिशा में कई नयी पहल की है और पिछले दशक में इस उद्देश्य के लिए बजट प्रावधान में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। श्रम बल में उनकी भागीदारी बढ़ी है। महिलाओं को केंद्र में रखते हुए सरकार द्वारा अनेक विशेष योजनाएं भी लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण सुनिश्चित करना है।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौती का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक हकीकत बन गयी है और इससे विकासशील देशों के लिए अपने आर्थिक प्रतिमानों को बदलना और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस दिशा में आशा से अधिक सुधार किये हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए जीवनशैली में बदलाव का भी आह्वान किया। श्रीमती मुर्मु ने इस वर्ष जुलाई से देश में लागू नई आपराधिक न्याय संहिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य, केवल दंड देने की बजाय, अपराध-पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है।अमृत काल में युवा आबादी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके मनो-मस्तिष्क को विकसित करना तथा परंपरा एवं समकालीन ज्ञान के सर्वश्रेष्ठ आयामों को ग्रहण करने वाली नई मानसिकता का निर्माण करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 2020 से लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने युवा प्रतिभा का समुचित उपयोग करने के लिए सरकार की कौशल, रोजगार तथा अन्य अवसरों को सुलभ बनाने की बजट में की गयी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि रोजगार और कौशल के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं के माध्यम से पांच वर्षों में चार करोड़ दस लाख युवाओं को लाभ मिलेगा।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डिजिटल अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की प्रगति को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि वह अगले साल होने वाले गगनयान मिशन के शुभारंभ की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हैं जो भारत का अपना पहला मानवरहित अंतरिक्ष अभियान होगा। उन्होंने कहा कि देश ने खेल जगत में प्रगति की है और सरकार ने देश भर में खेल-कूद के बुनियादी ढांचे के विकास को समुचित प्राथमिकता दी है और इसके परिणाम सामने आ रहे हैं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर सीमाओं की रक्षा में लगे बहादुर जवानों, कानून व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों तथा सुरक्षाकर्मियों, न्यायपालिका, प्रशासनिक विभागों और विदेशों में भारत के राजनयिक मिशनों में कार्यरत कर्मियों तथा प्रवासी भारतीय समुदाय को भी याद किया और उन्हें स्वाधीनता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी। उन्होंने पिछले आम चुनावों लोकतांत्रिक विश्व में नया कीर्तिमान बताते हुए इसके लिए निर्वाचन आयोग और चुनावकर्मियों तथा मतदाताओं की सराहना की। श्रीमती मुर्मु ने इस अवसर पर देश विभाजन की विभीषिका का भी स्मरण किया और कहा कि 14 अगस्त को हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में याद कर रहे हैं।

तिरंगा फहराने के ...

हाईकोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिया कि ऐसी रैली के लिए अनुमति देने से इनकार न करें। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि रैली निकालने वाले लोगों को यह गारंटी देनी होगी कि राष्ट्र ध्वज को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा और यातायात एवं कानून-व्यवस्था के नियमों का उल्लंघन नहीं किया जाएगा।दरअसल, कोयंबटूर का भाजपा युवा मोर्चा स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ बाइक रैली निकालने की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने पुलिस के पास आवेदन भेजा, लेकिन पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद कोयंबटूर जिला सचिव ए कृष्ण प्रसाद ने अदालत में इस आदेश के खिलाफ एक याचिका दाखिल की। इसके बाद कोर्ट ने यह अनुमति दे दी।

केजरीवाल को ...

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से 23 अगस्त तक जवाब मांगा है और उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी को वैध ठहराते हुए 5 अगस्त को मुख्यमंत्री की गियाचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई की कार्रवाई गलत नहीं है। क्योंकि मुख्यमंत्री रहते हुए आप गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई के मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 अगस्त तक बढ़ाई है। 5 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। यहां सीबीआई ने तर्क दिया था कि आपा संयोजक अरविंद केजरीवाल गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। सीबीआई की दलील को अदालत ने स्वीकार किया था। केजरीवाल को ईडी मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही अंतरिम जमानत दे चुका है।

केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। सुनवाई अदालत ने इस मामले में उन्हें 20 जून को जमानत दे दी थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने सुनवाई अदालत के फैसले पर रोक लगा दी थी। इसके बाद, 12 जुलाई को उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को धन शोधन मामले में अंतरिम जमानत दे दी। सीबीआई और ईडी का आरोप है कि आबकारी नीति में संशोधन में अनियमितताएं बरती गईं और लाइसेंस धारियों को अवैध लाभ पहुंचाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर सुनवाई छह हफ्ते के लिए टाल दी है, जिसमें उन्होंने मई 2018 में यूट्यूबर ध्रुव राठी का वीडियो साझा करने से संबंधित मानहानि मामले में जारी कई समन बरकरार रखने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने समझौते के लिए कुछ और वक्त मांगा जिसके बाद जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने मामले पर सुनवाई छह हफ्ते के लिए स्थगित कर दी। सिंघवी ने कहा कि वह (केजरीवाल) वीडियो साझा करने के लिए खेद व्यक्त करते हैं लेकिन यह उनकी (शिकायतकर्ता की) शर्तों पर नहीं हो सकता।

रामपथ और ...

कि लाइटें कभी लगाई ही नहीं गईं। उन्होंने कहा, यह संभव ही नहीं है कि इतनी लाइटें लगाई गई हों। लाइट चोरी होना असंभव बात है। वैसे, यह ठेकेदार की जिम्मेदारी है कि वह इन लाइटों की देखरेख करे। यह है कमिश्नर गौरव दयाल का हास्यास्पद और बेवकूफाना बयान।

दूसरी तरफ लाइटें लगाने वाले फर्म यश इंटरप्राइजेज के प्रतिनिधि शेखर शर्मा ने कहा, रामपथ और भक्तिपथ पर लगाई गईं 3800 बैम्बू और 36 गोबो लाइट चोरी हो गई हैं, जिसको लेकर राम जन्मभूमि थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। शिकायत में कहा गया है कि 19 मार्च तक सभी लाइटें लगा दी गई थीं। बाद में मालूम चला कि काफी लाइटें गायब हैं। जब इसकी भौतिक जांच पड़ताल की गई तो 3800 बैम्बू और 36 गोबो लाइटें गायब मिलीं।

पंचायत चुनाव में...

राज्य की पार्टी ने कुल 188 सीटों में से 173 सीटें जीतीं, जहां मतदान हुआ था। माकपा और कांग्रेस को क्रमशः छह और आठ सीटें मिली थीं। दास ने कहा कि भाजपा ने 1,819 ग्राम पंचायतों की सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से 1,476 पर जीत दर्ज की गई। माकपा, कांग्रेस और तिपरा मोथा को क्रमशः 148, 151 और 24 सीटें मिली थीं।विपक्षी दलों ने हालांकि कहा कि वे सत्तारूढ़ दल की कथित आतंकी रणनीति के कारण 71 प्रतिशत सीटों पर उम्मीदवार नहीं उतार सके। वहीं, भाजपा नेताओं ने पंचायत चुनाव में पार्टी में विश्वास जताने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए त्रिपुरा के लोगों का हार्दिक आभार। यह जीत उन्हीं लोगों की है। इसके अलावा उन्होंने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और भाजपा कार्यकर्ताओं को जनादेश के लिए बधाई दी। शाह ने कहा, मैं मुख्यमंत्री माणिक साहा, राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और हमारे कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की विकासोन्मुखी जन-पहल को लोगों तक ले जाने के उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई देता हूं।इससे पहले त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों, पंचायत समितियों में जीत के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों और पंचायत समितियों में मिली प्रचंड जीत के लिए मतदाताओं का बहुत-बहुत धन्यवाद! आपका भरोसा हमारे लिए काफी अहम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को उनके दूरदर्शी मार्गदर्शन के लिए अटूट समर्थन के लिए तहे दिल से आभार।

हाल ही में आठ अगस्त को हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में, सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में निर्णायक जीत हासिल की है। भाजपा ने कई वार्डों में जीत दर्ज करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा ने 34 पंचायत समितियों में शानदार जीत हासिल की। पार्टी ने सभी आठ जिला परिषदों में जीत हासिल की और 606 ग्राम पंचायतों में से 585 पर जीत हासिल की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, पंचायत चुनावों में भाजपा को चुनने के लिए मैं त्रिपुरा के लोगों को धन्यवाद देता हूं। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047फ का दृष्टिकोण त्रिपुरा के लोगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह जीत मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की लगातार कोशिशों से राज्य की प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने का प्रमाण है। यह जीत राज्य की प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित करने में मुख्यमंत्री साहा के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। मैं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और भाजपा त्रिपुरा कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की भी सराहना करता हूं, जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ सबका विकास के संदेश को परिश्रमपूर्वक हर घर तक पहुंचाया और यह सुनिश्चित किया कि समावेशी विकास का दृष्टिकोण त्रिपुरा के सभी कोनों तक पहुंचे।

सीबीआई ने ...

कोर्ट ने राज्य पुलिस को मामले के दस्तावेज केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस को बुधवार सुबह 10 बजे तक केस डायरी सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था।

कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल के सभागार में कथित तौर पर बलात्कार और हत्या की शिकार हुई स्नातकोत्तर प्रशिक्षु का शव शुक्रवार सुबह बरामद किया गया। इस सिलसिले में शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता के माता-पिता ने मामले की जांच अदालत की निगरानी में कराने की मांग करते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सीबीआई जांच की मांग को लेकर कई अन्य जनहित याचिकाएं भी दायर की गई थीं। प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि मृतका का यौन उत्पीड़न किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पीड़िता की आंखों, मुंह और निजी अंगों से खून बह रहा था। उसके बाएं पैर, गर्दन, दाहिने हाथ, और होठों पर भी चोटें लगीं थीं।

कोलकाता पुलिस ने मामले में 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह 2019 में एक नागरिक स्वयंसेवक के रूप में कोलकाता पुलिस में शामिल हुआ था। आरोपी एक प्रशिक्षित मुक्केबाज है और वह पिछले कुछ वर्षों में कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के करीब आ गया था। इसके बाद उसे कोलकाता पुलिस कल्याण बोर्ड में स्थानांतरित कर दिया गया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पुलिस चौकी में तैनात कर दिया गया।

बंगाल के अस्पतालों ...

छेड़छाड़ करने की कोशिश की है, जहां हमारी बहन से दुष्कर्म और उसकी हत्या की गई थी। हमें अपना विरोध बंद करने का कोई कारण नहीं दिखता।

पश्चिम बंगाल डॉक्टरों के संयुक्त मंच ने राज्य के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के बाह्य रोगी विभागों (ओपीडी) में काम बंद करने का आह्वान किया था। प्रदर्शन के दौरान जूनियर और सीनियर डॉक्टर, इंटर्न और हाउस स्टाफ अपनी बांहों पर काली पट्टी बांधे और महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाते देखे गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आपातकालीन सेवाएं चालू हैं। लेकिन जब तक हम विरोध नहीं करेंगे, पीड़िता को न्याय नहीं मिलेगा। कुछ मरीजों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

महिला डॉक्टर की हत्या की मजिस्ट्रेट जांच की मांग कर रहे आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को कोलकाता पुलिस को अपनी जांच पूरी करने के लिए 14 अगस्त की समयसीमा तय की थी। हालांकि अब यह मामला सीबीआई को सौंपा जा चुका है। मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया।

कल मनाई जाएगी सावन की पुत्रदा एकादशी

दान करने से मिलेगा कई गुना फल

पुत्रदा एकादशी का व्रत साल में दो बार रखा जाता है। इनमें से एक सावन के महीने में और दूसरा पौष के महीने में मनाया जाता है। वैदिक कैलेंडर के अनुसार, एकादशी शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के 11वें दिन मनाई जाती है।

इस समय सावन का महीना चल रहा है। ऐसे में अब सावन पुत्रदा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। यह भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस दिन भक्त भगवान विष्णु की पूजा-पाठ करते हैं और व्रत आदि रखते हैं। इस दिन व्रत रखने के साथ-साथ दान-पुण्य और कुछ उपाय भी करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी 2024 तिथि

पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 15 अगस्त को सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 16 अगस्त को सुबह 09:39 बजे होगा। इस तरह सावन पुत्रदा एकादशी का व्रत उदया तिथि के अनुसार, 16 अगस्त को रखा जाएगा।

पुत्रदा एकादशी पर करें इन चीजों का दान

अन्न–पुत्रदा एकादशी के दिन अन्न दान करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाली सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। साथ ही सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

हल्दी– ज्योतिष शास्त्र में हल्दी को शुभ और पवित्र माना गया है। हल्दी को समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। सावन पुत्रदा एकादशी के दिन हल्दी का दान किया जाए, तो व्यक्ति को ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है।

तुलसी का पौधा –सावन पुत्रदा एकादशी के दिन तुलसी का पौधा दान करना बहुत शुभ होता है।

ऐसा करने से आर्थिक लाभ होता है। साथ ही आपको जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती है।

वस्त्र – पुत्रदा एकादशी के दिन वस्त्रों का दान भी किया जा जाता है। इस दिन वस्त्र दान करने से व्यक्ति को शुभ फल की प्राप्ति होती है।

संतान प्राप्ति मंत्र

* अस्य गोपाल मंत्रस्य, नारद ऋषिः
अनुष्टुप छंदः, कृष्णो देवता, म
म पुत्र कामनार्थ जपे विनियोगः।
* ऊँ कृष्णाय विद्महे दामोदराय
धीमहि तन्नो विष्णु प्रचोदयात्।
* ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं देवकीसुत गोविन्द वासुदेव
जगत्पते देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गतः ।।
* ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै।
* क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नमः।* ओम बाल शिवाय विदमहे कालिपुत्राय धीमहि तन्नो बटुक प्रचोदयात्।।
* प्रेम मगन कौशल्या निसिदिन जात न जान। सुत सनेह बस माता बाल चरित कर गान।।
* ॐ क्लीं गोपालवेषधराय वासुदेवाय हुं फट स्वाहा ।।
* ॐ नमो भगवते जगत्प्रसूतये नमः ।।
* शान्ताकारं भुजंगशयनं पद्मनाभं सुरेशं
विश्वाधारं गगन सदृशं मेघवर्ण शुभांगम् ।
लक्ष्मीकांत कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं
वन्दे विष्णु भवभयहरं सर्व लौकेक नाथम्।।
यं ब्रह्मा वरुणैन्द्रु रुद्रमरुतः स्तुन्वानि दिव्यै स्तवैवेदैः।
सांग पदक्रमोपनिषदै गार्यन्ति यं सामगाः।
ध्यानावस्थित तद्गतेन मनसा पश्यति यं योगिनो
यस्यातं न विदुः सुरासुरगणा दैवाय तस्मै नमः।।

किस तरह किया जाता है सावन सोमवार व्रत का उद्यापन, जानें सही विधि

जल्द ही सावन का महीना खत्म होने जा रहा है। सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इस साल इसकी शुरुआत 22 जुलाई से हुई थी। इसका समापन 19 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होने जा रहा है।

इस बार पूरे सावन में कुल पांच सोमवार आए हैं। सावन का आखिरी सोमवार 19 अगस्त को ही रखा जाएगा और इसी के साथ सावन माह की समाप्ति हो जाएगी। कई लोग सावन सोमवार व्रत की समाप्ति उद्यापन के साथ करते हैं। कहा जाता है किसी भी व्रत का विधि-विधान से उद्यापन करने से उस व्रत का पूरा फल मिलता है।

सावन की समाप्ति, भद्रा की शुरुआत

सावन महीने का समापन 19 अगस्त को रात 11:55 पर होगा। उसके बाद भाद्रपद महीना शुरू हो जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन सोमवार का आखिरी व्रत 19 अगस्त 2024 को रखा जाएगा। 18 अगस्त को सावन शुक्ल पक्ष की चतुर्थी की क्षय तिथि है, इसलिए पूर्णिमा तिथि 19 अगस्त को ही शुरू होगी। इसके साथ ही भद्रा भी शुरू हो जाती है, जो 19 अगस्त को दोपहर 1:31 तक रहेगी।

सावन सोमवार व्रत उद्यापन सामग्री

अगर आप सावन सोमवार व्रत का उद्यापन करना चाहते हैं, तो इसके लिए सबसे पहले पूरी सामग्री इकट्ठी कर लें।

शिवजी की प्रतिमा, चंद्र देव की मूर्ति या चित्र, चौकी या लकड़ी का पाटा, रुई, पंचामृत, छोटी इलायची, लौंग, फूल, माला, अक्षत, पान, कुमकुम, गंगाजल, वस्त्र, सुपारी, ऋतुफल, मिट्टी का दीपक, रोली, मौली, धूप, कपूर सफेद और लाल चंदन, केले का पत्ता आम का पत्ता।

सावन सोमवार व्रत उद्यापन विधि

सावन सोमवार व्रत का उद्यापन करने के लिए इस दिन सबसे पहले जल्दी उठे और स्नान करें। संभव हो तो इस दिन साफ सफेद वस्त्र धारण करें।

इसके बाद पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध कर लें। पूजा स्थल पर केले के चार खंभे के द्वारा चौकोर मंडप बना लें। मंडप को फूल और बंदनवार से सजाएं।

इसके बाद पूर्व की ओर मुंह करके बैठें और लकड़ी के पाटे को मंडप के बीच में रखें। इस पर सफेद वस्त्र बिछाकर शिव पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें।

फिर चौकी पर चंद्रमा को भी किसी पात्र में रखकर स्थापित करें।

अपने आप को शुद्ध करने के लिए हाथ में जल लेकर मंत्र का उच्चारण करते हुए अपने ऊपर जल छिड़कें। 'ॐ पवित्रः अपवित्रो वा सर्वावस्थांगतोऽपिवा। यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स वाह्यभ्यन्तर शुचिः।।'

भगवान की प्रतिमा को चंदन, रोली और अक्षत का टीका लगाएं। उन्हें फूल माला अर्पित करें।

भगवान को पंचामृत का भोग लगाएं। साथ ही सफेद मिठाई अर्पित करें।

इसके बाद शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल आदि चढ़ाएं। साथ ही बिल्व पत्र, धतूरा और भांग भी अर्पित करें।

यदि आपकी कोई मनोकामना है, तो आप काले तिल डालकर शिवलिंग पर 11 लोटा जल अर्पित करें। उद्यापन के दिन सिर्फ एक समय भोजन करें।

बिना जानें गलती से भी न करें धारण

तुलसी माला धारण करने के हैं सख्त नियम

तुलसी को सनातन धर्म में माता का स्थान दिया गया है । ना केवल औषधि की तरह बल्कि धार्मिक दृष्टि में तुलसी को बहुत महत्त्वपूर्ण माना जाता है। तुलसी के अनेकों फायदे हैं। तुलसी की माला धारण करने से मन को बेहद शांति मिलती है। भगवान कृष्ण और विष्णु जी के भक्त तुलसी की माला धारण करते हैं। लेकिन तुलसी की माला धारण करने के कुछ नियम भी होते हैं। अगर कोई व्यक्ति नियमों का पालन करते हुए तुलसी माला धारण करें तो उसके जीवन में सदा कृपा बरसती रहती है। ऐसे में आइए जानते हैं तुलसी माला धारण करने के सही नियम।

तुलसी माला धारण करने वाले लोग इन चीजों का करें त्याग

तुलसी की माला को बहुत ही पवित्र माना जाता है। इसलिए इसकी पवित्रता को हमेशा बनाए रखना चाहिए। तुलसी माला धारण करने के बाद मास-मछली और मदिरा-पान आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे तुलसी की शुद्धता भंग होती है। जो लोग तुलसी माला धारण करना चाहते हैं, उन्हें इन बातों का जरूर ध्यान रखना चाहिए।

श्रीकृष्ण या विष्णु भक्त करें धारण

तुलसी माला भले ही आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। लेकिन इसे हर किसी को धारण नहीं करना चाहिए। दरअसल केवल कृष्ण और विष्णु भक्त ही तुलसी माला को धारण कर सकते हैं। शिव भक्त अगर तुलसी माला धारण करें तो ये अनुचित माना जाता है। शिव भक्तों को रुद्राक्ष की माला धारण करनी चाहिए।

इन दिनों माला धारण करना माना जाता है शुभ

तुलसी माता को लक्ष्मी का रूप भी माना जाता है। इसलिए इसे धारण करने के लिए कुछ विशेष दिनों का भी चुनाव किया गया है। तुलसी माला को हमेशा सोमवार, बुधवार या बृहस्पति वार को ही धारण करना चाहिए। वहीं इसे गलती से भी रविवार या अमावस्या के दिन धारण न करें। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

तामसिक विचारों से बनाए दूरी

तुलसी माला को धारण मात्र कर लेने से कोई फायदा नहीं होता। बल्कि तुलसी माला धारण करने के बाद लोगों को अपने मन की गंदगी का भी त्याग कर देना चाहिए। जो लोग तुलसी माला धारण करते हैं उन्हें तामसिक विचारों से दूरी बनानी चाहिए और हमेशा भगवान का स्मरण करना चाहिए। इसलिए जो व्यक्ति नियमानुसार तुलसी माला धारण करता है उसके जीवन में हमेशा कृपा बनी रहती है और उसे पापों से मुक्ति मिलती है।

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का जयंती मेला एवं झूलनोत्सव

भारत की भूमि को देवताओं की क्रीड़ा स्थली होने के कारण परम पावन माना जाता है। इस पावन भूमि में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लीलाधारी श्री कृष्ण, महात्मा बद्ध एवं महावीर स्वामी जैसे महापुरषो ने जन्म लिया। गीता के श्लोक यदा यदाहि धर्मस्य .. . के अनुसार जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतार लेते हैं। ईश्वर ने स्वयं पग-पग पर अनेकों चमत्कारों से मानव को सही राह दिखयी है।

इसीप्रकार सन् 1895 में श्रावण शुक्ल की दशमी को राजस्थान के झुंझुनू नगर में श्री झुथाराम एवं लक्ष्मी देवी जी के आँगन में एक दिव्यात्मा ने जन्म लिया, जिन्हे आज लोग विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के नाम घर घर में पूज रहे है।

जन्म के उपरांत बाबा गंगाराम जी ने बालपन में झुंझुनू नगर में बहुत सी लीलाएं करी, तत्पश्चात उन्होंने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी नगर को अपनी कर्म भूमि बनाया, जहां बाबा गंगाराम जी ने अनेको अनेक कल्याणकारी चमत्कार कियो सूखा ग्रस्त उस नगर में बाबा गंगाराम जी ने चमत्कारी रूप से जल की पावन धारा प्रवाहित करी, जिसे आज भी कल्याणी नदी के नाम से सब जानते है। कल्याणी नदी के समीप ही एक वटवृक्ष नीचे बाबा गंगाराम जी समाधी में लीन रहते तथा वहीं उन्होंने अपने आराध्य शिव जी की स्थापना की। एक समय कल्याणी नदी में स्नान करते हुए वहा खड़े भगतो को बाबा गंगारामजी ने नदी के जल में श्री हरि विष्णु भगवान के दर्शन करवाए।

इसप्रकार विभिन्न लीलाये करते हुए मात्र 42 वर्ष की आयु में बाबा गंगाराम जी ने पृथ्वी लोक छोड़ कर स्वधाम प्रस्थान किया। कुछ समय उपरांत बाबा गंगाराम ने अपने परम भक्त देवकीनंदन को स्वप्न में दर्शन देकर बतलाया की वह जग कल्याण हेतु पृथ्वी लोक पर विष्णु अवतार बाबा गंगाराम के रूप में आये है तथा यह आदेश सुनाया की राजस्थान के झुंझुनू में श्री लक्ष्मी माता, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान, श्री दुर्गा माता के सहित बाबा गंगाराम जी के मंदिर जी स्थापना करे, जहां आने वाले सभी भगतो के सभी बिगड़े काम बनेंगे।

आदेशानुसार सन् 1975 में भक्त देवकीनंदन ने अपनी धर्मपत्नी देवी गायत्री जी के साथ मिल कर झुंझुनू में बाबा गंगाराम जी के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना करवाई। आज बाबा गंगारामजी के अनगिनत चमत्कार भक्तों के साथ होते रहते है, एवं बाबा गंगाराम जी के भक्तों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। जो भी बाबा गंगाराम जी की भक्ति करता है, उसकी समस्त मनोकामनाये बाबा गंगाराम जी अवश्य पूरी करते है। अगले वर्ष, 2025 में, श्री पंचदेव मंदिर को 50 वर्ष पुरे होने जा रहे है, अतः वर्ष 2024 को स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में बाबा गंगाराम जी के भक्तो द्वारा देश भर में मनाया जा रहा है जिस के अंतर्गत विभिन सामाजिक कार्यक्रम एवं समारोह आयोजित किये जा रहे है।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण शुल्क दशमी, गुरुवार, 15 अगस्त 2024 को झुंझुनू नगर में बाबा गंगाराम धाम श्री पंचदेव मंदिर में बाबा गंगाराम जयंती मेला तथा झूलनोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है जिस में देश विदेश से भारी संख्या में भक्त आएंगे। इस आयोजन में बाबा गंगाराम जी क ासामूहिक अमृतवाणी पाठ विश्व विख्यात कलाकारों द्वारा किया जायेगा, तथा शाम को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। भव्य झूलन श्रृंगार, छप्पन भोग, एवं महाआरती इस आयोजन के मुख्य आकर्षण रहेंगे। बाबा गंगाराम सेवा समिति द्वारा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिये विशेष प्रबंध किए गए है।

वृषभ, मिथुन और मकर राशि वालों के लिए कल से खुलेगा तरक्की का रास्ता

सावन महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन पुत्रदा एकादशी मनाई जाती है। इस साल 16 अगस्त को पुत्रदा एकादशी है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। ज्योतिषियों के अनुसार, पुत्रदा एकादशी पर मंगल ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन होगा। इससे वृषभ, मिथुन और मकर राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा।

मंगल ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन

फिलहाल मंगल ग्रह रोहिणी में गोचर कर रहे हैं। इस नक्षत्र में 15 अगस्त तक विराजमान रहेंगे। इसके बाद 16 अगस्त को रोहिणी नक्षत्र से निकलकर मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इस नक्षत्र में मंगल देव 05

सितंबर तक रहेंगे।

वृषभ राशि– मंगल देव का नक्षत्र परिवर्तन वृषभ राशि वालों के लिए लाभदायक रहेगा। इस दौरान प्रगति और अच्छी नौकरी की प्राप्त होगी। धार्मिक यात्रा के योग बन सकते हैं। धन कमाने में सफलता हासिल करेंगे। प्रियतम के साथ आनंदमय पल बीताने का अवसर मिलेगा।

मिथुन राशि – मंगल देव की कृपा के मिथुन राशि के जातक अपने कामों को समय पर करने में कामयाब रहेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगति नजर आएगी। इस अवधि में यात्रा से धन लाभ मुमकिन है।

मकर राशि– मंगल ग्रह के नक्षत्र परिवर्तन से मकर राशि वालों को शत्रु से राहत मिल सकती है। सभी बिगड़े काम बनेंगे। शेयर के माध्यम से पैसा कमाएंगे। मान-सम्मन में भी बढ़ोतरी होगी।

फिल्म मार्टिन का दमदार ट्रेलर रिलीज

अभिनेता ध्रुव सरजा एक्शन मोड में आएंगे नजर

एपी अर्जुन द्वारा निर्देशित ध्रुव सरजा अभिनीत आगामी फिल्म मार्टिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार है। मार्टिन फिल्म के निर्माताओं ने ट्रेलर जारी कर दिया है. अभिनेता ध्रुव सरजा लीड रोले में नजर आएंगे. वहीं कन्नड़ फिल्म का निर्देशन एपी अर्जुन ने किया है. ट्रेलर में देखा जा सकता है की ध्रुव सरजा पाकिस्तानी सेना के दुश्मन नजर आ रहे हैं. दमदार अवतार में अभिनेता अपने प्रतिद्वंद्वियों को गोली मारते हुए नजर आ रहे हैं. यह फ़िल्म एक एक्शन फ़िल्म होने का वादा करती है, फ़िल्म के ट्रेलर में रेगिस्तान में भारी मोटर वाहनों से जुड़े खतरनाक स्टंट सीन और सड़क पर कार-चेज़ सीक्केंस भी दिखाए गए हैं.मार्टिन, जो 2021 में फ्लोर पर आई थी, उदय के मेहता और सूरज उदय मेहता द्वारा निर्मित है. कई भाषाओं में रिलीज होने वाली यह फिल्म 11 अक्टूबर को दुनिया भर में स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है. नीचे आप ट्रेलर देख सकतें है.100 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट पर बनी इस फिल्म को वीएफएक्स-हैवी बताया जा रहा है और इसमें कथित तौर पर 8-9 फाइट सीक्केंस हैं. मणि शर्मा ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है जबकि केजीएफ फेम रवि बसरूर ने बैकग्राउंड स्कोर किया है.बता दें की मार्टिन के साथ, ध्रुव सरजा 2021 में पोगारू के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं. ऐसे में फैंस अभिनेता से दमदार एक्शन की उम्मीद है. अभिनेता केडी-द डेविल की रिलीज का भी इंतजार कर रहे हैं.ध्रुव सरजा ने भी अपना विश्वास व्यक्त किया कि मार्टिन वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करेगी और उन्होंने कहा कि आज कई फिल्मों को अखिल भारतीय स्तर पर विपणन किया जाता है, लेकिन विदेशी भाषाओं में यह रिलीज फिल्म को लाभ पहुंचाएगी। मार्टिन भाषाई सीमाओं से परे पहुंचने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, यह एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें नाटकीय तत्व हैं जो इसे सार्वभौमिक रूप से आकर्षक बनाते हैं।ध्रुव सरजा के अलावा, फिल्म में वैभवी शांडिल्य, अन-वेषी जैन, सुकृता वागले, अच्युत कुमार और निकितिन धीर भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे। तकनीकी दल के लिए, छायांकन सत्य हेगड़े द्वारा संभाला जाता है और संगीत रवि बसरूर द्वारा रचित है। यह 11 अक्टूबर, 2024 को दुनिया भर में रिलीज़ होगी।

मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती: कीर्ति कुल्हारी

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वह ओटीटी पर भी कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह अपकमिंग डिटेक्टिव ड्रामा शेखर होम को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती।कीर्ति ने कहा, मैं ऐसी फीचर फिल्मों पर काम कर रही हूं, जो अभी रिलीज नहीं हुई हैं। मैं प्रोडक्शन के बारे में भी सोच रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और बदलाव की जरूरत है। मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती।उन्होंने कहा, काम की क्वांटिटी कभी-कभी क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। ओटीटी और फिल्म स्टार्स के बीच का अंतर खत्म किया जाना चाहिए। सभी को समान रूप से पहचाना जाना चाहिए। इस सीरीज में मेरा रोल रिफ्रेशिंग चेंज है, इसमें डिटेक्टिव एलिमेंट्स को कॉमेडी के साथ जोड़ा गया है और यह मेरे पिछले काम की तुलना में कुछ नया है।शेखर होम में के. के. मेनन जासूस शेखर होम का रोल निभा रहे है, जबकि कीर्ति कुल्हारी का किरदार शो के सस्पेंस और कॉमेडी में तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस सीरीज में दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और अपराध जैसे रोमांचक ट्विस्ट है। इसमें रणवीर शौरी जयव्रत साहनी की भूमिका में हैं। शेखर होम का प्रीमियर 14 अगस्त से जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो कीर्ति ने 2010 में फिल्म खिचड़ी: द मूवी से अपने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह शैतान, सुपर से ऊपर, जल जैसी फिल्मों में नजर आईं। कीर्ति को 2016 की लीगल थ्रिलर फिल्म पिंक में फलक के किरदार में देखा गया। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया और फिल्म की कहानी शूजित सरकार, रितेश शाह और अनिरुद्ध ने लिखी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, एंड्रिया तारियांग, अंगद बेदी, तुषार पांडे, पीयूष मिश्रा और धृतिमान चटर्जी जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसके बाद उन्होंने इंदु सरकार में लीड रोल निभाया और ब्लैकमेल में भी नजर आईं। कीर्ति ने जगन शक्ति द्वारा निर्देशित मिशन मंगल में काम किया, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के जीवन पर आधारित थी। इसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा, तापसी पन्नू, नित्या मेनन और शरमन जोशी लीड रोल में थे। एक्ट्रेस ने उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक, द गर्ल ऑन द ट्रेन, शादीस्थान और खिचड़ी 2: मिशन पंथुकिस्तान में काम किया। वह फोर मोर शॉट्स प्लीज!, बार्ड ऑफ ब्लड, क्रिमिनल जस्टिस: बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स और ह्यूमन जैसी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

लाल साड़ी पहन साउथ की हसीना मालविका मोहनन ने कराया फोटोशूट

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने लुक्स के कारण फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। उनका ये बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। साथ ही लोग उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने रेड कलर की बेहद सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो अपनी कातिल अदाओं का जलवा बिखेरते हुए फैंस के दिलों में खंजर चला रही हैं।मालविका मोहनन हमेशा अपने स्टनिंग अवतार को लेकर इंटरनेट पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक पोस्ट इंस्टा पर शेयर होते ही वायरल होने लगता है।बताते चलें कि एक्ट्रेस इन दिनों अपनी फिल्म तंगलान को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। साथ ही प्रमोशन के दौरान उनका लुक देखकर हर कोई उनकी तारीफों के पुल बांधता नहीं थक रहा है।कानों में झुमकें, खुले बाल, न्यूड मेकअप और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल उनके लुक पर चार चांद लगा रही है।एक्ट्रेस मालविका मोहनन का हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर एक लुक में बवाल काटती हैं।

पिंक आउटफिट में दिव्या खोसला का बार्बी अवतार एक्ट्रेस ने मनाया सावी की सफलता का जश्न

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस और फिल्मकार दिव्या खोसला कुमार हमेशा किसी न किसी कारण के चलते लाइमलाइट में रहती है। दिव्या फैंस के बीच अपने लुक्स के कारण भी काफी चर्चा में रहती हैं। अक्सर उनका बेहद सिजलिंग लुक उनके फोटोशूट्स और गानों में देखने को मिलता रहता है।दिव्या खोसला का पिंक आउटफिट में स्टनिंग अवतार सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है. अपनी फिल्म सावी की सफलता का जश्न मनाते हुए, दिव्या ने पिंक शॉर्ट ड्रेस में तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह किसी बार्बी डॉल की तरह नजर आ रही हैं. यह फिल्म थिएटर के बाद अब नेटफ्लिक्स पर भी दर्शकों द्वारा खूब पसंद की जा रही है, जिसमें दिव्या ने एक महत्वपूर्ण किरदार निभाया है. तस्वीरों के साथ दिव्या ने कैप्शन में लिखा, मैं बार्बी गर्ल हूँ, मेरी सावी दुनिया में, सावी सक्सेस पार्टी, जिससे साफ जाहिर होता है कि वह अपनी फिल्म की सफलता से बेहद खुश हैं. उनके इस नए अवतार और फिल्म की सफलता ने उनके फैंस को भी उत्साहित कर दिया है, और सोशल मीडिया पर उनकी तारीफों की बाढ़ आ गई है. बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार ने अपनी फोटोज से बोल्डनेस का तड़का लगा कर फैंस को मदहोश देती है। अपनी खूबसूरती से कायल करने वाली अदाकारा दिव्या खोसला कुमार सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोरती रहती है।

रजनीकांत की वेट्टैयन में पुष्पा के विलेन फहाद फासिल की एंट्री

मलयालम एक्टर फहाद फासिल 42 साल के हो गए। इस अवसर पर उनकी आगामी फिल्म वेट्टैयन के मेकर्स ने फिल्म से उनका फर्स्ट-लुक लुक जारी किया और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। फहाद रजनीकांत स्टारर में एक मजेदार भूमिका निभा रहे हैं।वेट्टैयन मेकर्स ने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म से फहाद का फर्स्ट लुक जारी किया है। साथ एक्टर को स्पेशल मैसेज के साथ बर्थडे विश किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, वेट्टैयन टीम हमारे डियर फहाद फासिल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देती है। आपकी कला और डेडिकेशन किरदारों को जिंदा कर देती हैं। यह वर्ष और भी अधिक अविश्वसनीय भूमिकाएं और सफलताएं लेकर आए।मेकर्स ने फहाद का एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें एक्टर बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन और साउथ मेगास्टार रजनीकांत के साथ फहाद पोज देते दिख रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए मेकर्स ने फहाद को जन्मदिन की बधाई दी है।टीजे ग्नानावेल ने वेट्टैयन को डायरेक्ट किया है। फिल्म में रजनीकांत अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, फहाद फासिल फिल्म में एक कॉमिक रोल अदा कर रहे हैं। वहीं थलाइवा और फहाद के अलावा फिल्म में अमिताभ बच्चन , राणा दग्गुबाती और मंजू वारियर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सितारों से सजी यह फिल्म इसी साल 10 अक्टूबर को रिलीज होगी।वेट्टैयन के अलावा फहाद फासिल की झोली में एक और बड़ी फिल्म है। फहाद, अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म पुष्पा: द रूल में भी दिखाई देंगे। पहले यह फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। लेकिन किसी वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी। फिलहाल, रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की फिल्म दिसंबर, 2024 में सिनेमाघरों में आएगी।

अभी टेलीविजन पर काम नहीं कर रही, शायद अगले साल कोई टीवी शो करूंगी : अदिति शर्मा

अभिनेत्री अदिति शर्मा, जो वर्तमान में टेलीप्ले जनपथ किस में अभिनय कर रही हैं, ने साझा किया है कि वह अभी टेलीविजन नहीं कर रही हैं, लेकिन हो सकता है कि अगले साल वह कोई टीवी शो करें।आखिरी बार 2022 के टीवी शो कथा अनकही में नजर आईं अदिति ने मुख्य भूमिका के साथ टीवी पर वापसी करने के बारे में खुलकर बात की है।उन्होंने बताया: मैं अभी कुछ पंजाबी फ़िल्मों पर काम कर रही हूँ। अभी मैं टेलीविजऩ नहीं कर रही हूँ, हो सकता है कि अगले साल मैं कोई टीवी शो करूँ।नाटक जनपथ किस की शूटिंग के बारे में बात करते हुए अदिति ने बताया, यह पहली बार था कि हम एक नाटक रिकॉर्ड कर रहे थे और इसे मंच पर प्रदर्शित करना बहुत अलग है। हमें नहीं पता था कि हम इसे कैसे रिकॉर्ड करेंगे और कैसे करेंगे। रिहर्सल बहुत मजेदार थी। दिल्ली के थिएटर समूहों के बहुत सारे कलाकार थे। उनके साथ काम करना और उनसे सीखना अद्भुत था।इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज से प्रसिद्धि पाने वाली अदिति ने पारंपरिक रंगमंच से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नाटकों के संक्रमण के बारे में अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मंच पर अभिनय करना या अभिनेताओं को लाइव देखना बिल्कुल अलग अनुभव है। मैंने कई माध्यमों में काम किया है - जैसे टीवी, फिल्म, थिएटर... लेकिन मुझे लगता है कि एक अभिनेता के रूप में आपको मंच पर जो आनंद मिलता है, वह बिल्कुल अलग है।उन्होंने कहा, इसलिए इसे डिजिटल बनाना, रिकॉर्ड करना और संग्रहित करना, जैसा कि आजकल बहुत सारे नाटकों के साथ हो रहा है... इसलिए मुझे लगता है कि यह भविष्य के लिए बहुत अच्छी बात है, लेकिन इसे लाइव देखना कुछ अलग है। मुझे लगता है कि इसे बड़े दर्शकों तक पहुंचाना एक शानदार बात है, क्योंकि इसे विभिन्न भाषाओं में डब किया जा रहा है। विभिन्न शहरों के लोग भी इसे देख सकते हैं। यह भविष्य के लिए एक अद्भुत बात है।अदिति ने निष्कर्ष निकाला, मुझे लगता है कि यह थोड़ा ज़्यादा है।

दुलकर सलमान की पैन-इंडिया फिल्म लकी भास्कर को मिली नई रिलीज डेट

दुलकर सलमान, एक प्रख्यात, बहु-भाषी अभिनेता और भारतीय सिनेमा के बड़े सितारों में से एक, लकी बसखर में अभिनय कर रहे हैं, जो 1980 के दशक के अंत से 1990 के दशक की शुरुआत तक बैंक कैशियर के असाधारण जीवन को बयान करने वाली एक पीरियड ड्रामा है। ब्लॉकबस्टर निर्देशक वेंकी एटलुरी इस फिल्म को बड़े पैमाने पर लिख और निर्देशित कर रहे हैं। अब, निर्माताओं ने 7 सितंबर को दुनिया भर में फिल्म रिलीज करने की घोषणा की है।फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म के लिए, निर्माताओं ने हैदराबाद में 80 के दशक के मुंबई (तब बॉम्बे के रूप में जाना जाता था) को कुछ महंगे और व्यापक सेटों के साथ फिर से बनाया है। इसके अलावा निर्माताओं ने कहानी के समय अवधि से बैंकों जैसा एक बैंक सेट और भी बड़े पैमाने पर बनाया है।बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री देने के अपने जुनून और शौक के लिए प्रसिद्ध, प्रोडक्शन हाउस सिथारा एंटरटेनमेंट ने ऐसे विशाल सेट बनाने में संकोच नहीं किया। उन्हें विश्वास है कि दर्शक उस समय अवधि के लकी बसखर के जीवन में पहुँच जाएँगे, जबकि उनकी हरकतों और यात्रा से अभिभूत होंगे।ऐस प्रोडक्शन डिज़ाइनर बंगलान ने सेट पर प्रामाणिकता लाने के लिए बड़े पैमाने पर शोध किया और अपनी कलात्मक नजर से देखने के अनुभव को बढ़ाया। प्रख्यात छायाकार निमिश रवि ने लकी बसखर की यात्रा को आकर्षक अंदाज़ में कैद करने के लिए निर्देशक वेंकी एटलुरी की दृष्टि के साथ मिलकर काम किया। मीनाक्षी चौधरी मुख्य महिला भूमिका निभा रही हैं और जीवी प्रकाश कुमार फ़िल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं।

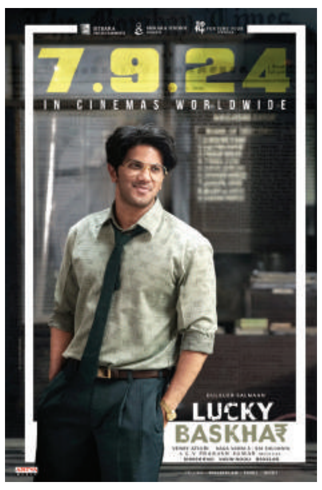

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें।

अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 15 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 10:28 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा दोपहर 12:53 तक
योग : वैधृति दोपहर 02:58 तक
करण : गर प्रातः 10:28 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक दोपहर 12:53 तक
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भारतीय स्वतंत्रता दिवस 78 वां , पारसी नववर्ष 1394 आरंभ , भद्रा रात्रि 10:10 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनजातीय क्षेत्रों में विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर किया जाए काम : बागडे

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।श्री बागडे बुधवार को राजभवन में जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आदिवासी क्षेत्रों के विकास के अंतर्गत सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और अन्य विकास योजनाओं से जुड़े विभागों की स्वयं मॉनिटरिंग करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनजाति क्षेत्र विकास विभाग का दायित्व केवल जनजातीय

विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन ही नहीं है बल्कि जनजातीय क्षेत्र के समग्र विकास की जवाबदेही उनकी है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के विकास लक्ष्यों को समयबद्ध पूरा करने के साथ ही जनजातीय क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया है।उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों की पढ़ाई, उनकी छात्रवृत्ति, आवास योजनाओं और वहां पर काश्तकारों के बारे में बिंदुवार जानकारी ली। बैठक में जनजाति विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने जन धन योजना के तहत खोले गए खातों, हर घर जल के तहत लाभान्वित परिवारों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत कृषि विकास के लिए किए कार्यों, हर गांव में पक्की सड़क निर्माण की प्रगति, गांवों में आरोग्य सेवाओं की स्थिति, आयुष्मान भारत योजना आदि के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि इन सभी योजनाओं का व्यावहारिक रूप में प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल लक्ष्य पूर्ति के लिए ही कार्य नहीं हो बल्कि यह भी देखा जाए कि आदिवासी क्षेत्र के लोगों को वास्तविक रूप में विकास योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने जनजाति क्षेत्र विकास विभाग को आदिवासी गांवों में सामुदायिक चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ ही वहां पर टीबी और कैंसर जांच शिविर आयोजित करवाने और टीबी और कैंसर मुक्त जनजातीय क्षेत्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

श्री बागडे ने आदिवासी क्षेत्रों में उद्यमिता और कौशल विकास के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पति उत्पादों का प्रभावी विपणन किया जाए। प्रयास किया जाए कि आदिवासी क्षेत्रों के लोगों द्वारा उत्पादित उत्पाद ही प्रदेश में अधिकाधिक उपयोग किए जाएं और इससे स्थानीय स्तर पर जीवन स्तर में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि भविष्य में राजभवन में आदिवासी क्षेत्र निर्मित उत्पादों का ही उपयोग किया जाए। जनजाति क्षेत्र विकास विभाग के अधिकारियों ने राज्यपाल को आदिवासी क्षेत्र में रोजगार गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए वहां के लोगों के कौशल और निर्मित उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी।

इससे पहले जनजाति क्षेत्र विभाग के सचिव जोगाराम ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में 53 आश्रम आवासीय विद्यालय खोले गए हैं। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में खोले गए छात्रावास और एकलव्य आवासीय विद्यालयों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकार निरंतर यह प्रयास कर रही है कि आदिवासी क्षेत्रों का प्रभावी विकास हो।

भीलवाड़ा में कार से 205 किलो डोडा–चूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक स्कॉर्पियो से तस्करी कर ले जाया जा रहा 205 किलो डोडा–चूरा जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया गिरफ्कतार है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मांडल पुलिस द्वारा रात मांडल चौराहा पर नाकाबंदी के दौरान भीलवाड़ा की ओर से आई एक स्कॉर्पियो कार को पुलिस ने रोकना चाहा, लेकिन चालक नाकाबंदी तोड़कर भाग गया। इसकी सूचना पुलिस टीम ने मांडल थाना के प्रभारी (एसए–चओ) संजय गुर्जर को दी। इस पर नानकपुरा चौकी पर की जा रही नाकाबंदी देखकर तस्कर स्कॉर्पियो को सर्विस लाइन से होकर धुंवाला–आसींद मार्ग पर भगा ले गये। थाना प्रभारी गुर्जर ने मय टीम के स्कॉर्पियो का पीछा किया और धुंवाला क्षेत्र में स्कॉर्पियो को रुकवा ली।

कार में दो लोग सवार थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा और पूछताछ की तो दोनों ने खुद को बीकानेर जिले के पांचू थाना इलाके के धरनोक गांव निवासी संदीप विश्नोई एवं हेतराम विश्नोई बताया। पुलिस ने स्कॉर्पियो की तलाशी ली तो उसमें 11 कट्टों में डोडा–चूरा मिला, जिसका वजन करवाने पर 205 किलो पाया गया। पुलिस ने स्कॉर्पियो सहित डोडा–चूरा जब्त कर दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में तस्करों ने उक्त डोडा–चूरा गंगरार क्षेत्र से खरीद कर बीकानेर ले जाना कबूल किया है।

राज्यसभा उपचुनाव : 21 अगस्त तक भरे जा सकेंगे नामांकन

चंडीगढ़, 14 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में राज्य सभा की एक सीट के उपचुनाव के लिये नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गयी है और नामांकन 21 अगस्त तक दाखिल किये जा सकेंगे।

चुनाव अधिकारी डॉ साकेत कुमार ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपचुनाव के लिये कार्यक्रम की घोषणा की जा चुकी है, जिसके तहत नामांकन 21 अगस्त तक भरे जा सकेंगे। नामांकनों की जांच 22 अगस्त को होगी। नामांकन वापस 27 अगस्त को लिये जा सकेंगे और आवश्यकता हुई तो मतदान तीन सितंबर को हरियाणा विधानसभा सचिवालय में होगा।

सर्व हिंदू समाज ने बंगलादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में निकाली जन आक्रोश रैली

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सर्व हिंदू समाज ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में बुधवार को जन आक्रोश रैली निकाली।

सर्व हिंदू समाज के लोग पूर्वाह्न करीब ग्यारह बजे न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान में एकत्रित हुए और जन आक्रोश प्रदर्शन किया। इसके बाद रामलीला मैदान से सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए जन आक्रोश रैली निकाली गई जो वापस न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान पहुंच कर संपन्न हुई। इस प्रदर्शन में साधु–संत, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के लोगों के अलावा अन्य कई लोग शामिल थे। इस अवसर पर जल आक्रोश रैली का हिस्सा बने विधायक बालमुकंदा आचार्य ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। बांग्लादेश में सनातन धर्म को मिटाने के लिए जो आतंकवाद हो रहा है उस पर शीघ्र रोक लगनी चाहिए और बांग्लादेश ही नहीं अन्य सभी जगहों पर जिहादी संगठनों पर पाबंदी लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सनातनी की आवाज हैं और यह ललकार हैं, जिसके आगे जिहाद टिकने वाला नहीं हैं।

इसी तरह रैली में आये अन्य लोगों का कहना था कि

बांग्लादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा होनी चाहिए और उन पर कोई अत्याचार नहीं होना चाहिए, हिन्दुओं पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। कुछ लोगों ने भारत से बंगलादेशियों को निकालने की मांग भी की। इस जन आक्रोश रैली में सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं लोगों सहित सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया और जयपुर व्यापार महासंघ के आह्वान पर इस प्रदर्शन के समर्थन में आधे दिन जयपुर बंद भी रखा गया।

चित्तौड़गढ़ में भी हिंदुओं की हत्याओं के खिलाफ निकला विशाल मौन जुलूस

चित्तौड़गढ़,14 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिन्दू और अन्य अल्पसंख्यक लोगों की हत्याओं के साथ हिन्दू धर्म स्थलों पर हो रहे हमलों के विरुद्ध बुधवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में सर्व समाज ने बाजार बंद रखकर विशाल मौन जुलूस निकाला।

पुराने शहर के प्रताप वालीबाल स्टेडियम में बुधवार को सर्व समाज के आव्हान पर करीब दो हजार लोग एकत्र हुये और यहां से पैदल मौन जुलूस निकाला गया जो कलेक्ट्रेट पहुंचा जहां पर जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर कहा गया कि बंगलादेश में हिंदुओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की कट्टरपंथियों द्वारा हत्या की जा रही है साथ ही धर्म स्थलों को भी तहस नहस कर रहे हैं, जिससे लोगों में कट्टरपंथियों के विरुद्ध जबर्दस्त आक्रोश व्याप्त है। राष्ट्रपति से मांग की गयी है कि वहां पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करवाई जाये। पैदल मार्च के दौरान पूर्व घोषित कार्यक्रम अनुसार दोपहर बाद एक बजे तक बाजार बंद का व्यापक असर देखा गया और बिना दबाव के पुराने शहर के साथ उप नगरीय क्षेत्रों के प्रमुख बाजार के अलावा चाय पानी की दुकानें तक बंद रही। बंद के दौरान पुलिस ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किये।

पांच परिचालकों को नियमित करने का मामला

तीन रोडवेज के सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

भिवानी, 14 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के भिवानी डिपो में पांच परिचालकों को गलत तरीके से नियमित किए जाने के मामले में रोडवेज के तीन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। इस मामले में पहले मुख्यालय के अधिकारियों ने विभागीय जांच कराई थी, जिसमें भी तीन कर्मचारी दोषी पाए गए। जिसके बाद अब डिपो महाप्रबंधक की शिकायत पर भिवानी के औद्योगिक पुलिस थाना में धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है।

हरियाणा राज्य परिवहन विभाग भिवानी डिपो के

महाप्रबंधक दीपक कुंडू ने औद्योगिक पुलिस थाना में दी शिकायत में बताया कि 13 जनवरी 2022 को पांच परिचालकों को पीछे की तारीख में गलत तरीके से नियमित किया गया। इस मामले में विद्या नगर निवासी अनुज शर्मा ने परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप सिंह विर्क को शिकायत दी थी। जिसकी चंडीगढ़ मुख्यालय के एचएसएस कृष्ण कुमार सांगवान ने जांच की थी।

मुख्यालय के अधिकारी की जांच में भिवानी डिपो के टिकट वेरीफायल पुष्कर, सेवानिवृत्त लिपिक कपूर सिंह, सेवानिवृत्त कार्यालय अधीक्षक लीलावंती को दोषी ठहराया गया। जांच में पाया गया था कि बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति के ही अधीनस्थ कर्मचारियों ने अपने ही स्तर पर पांच परिचालकों को नियमित कर डाला। इस मामले की विभागीय जांच में दोषी पाए जाने के बाद अब डिपो महाप्रबंधक ने तीनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है। औद्योगिक पुलिस थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।

आजादी के साथ देश को विभाजन की विभीषिका भी झेलनी पड़ी : सैनी

कुरुक्षेत्र, 14 अगस्त (एजेंसियां)। आजादी के साथ–साथ हमारे देश को विभाजन की विभीषिका भी झेलनी पड़ी, जिसमें लाखों लोगों को जान गंवानी पड़ी। बच्चों से लेकर महिलाओं को भी अनेक यातनाएं झेलनी पड़ी। पूर्वजों के परिवारों ने लंबे समय तक इस विभीषिका का दर्द झेला है, लेकिन न रूके और न झुके। वे समाज व देश के विकास में अहम भूमिका निभाते रहे। ये विचार मुख्यमंत्री नायब सैनी ने व्यक्त किए। वे अनाजमंडी में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज का दिन भारत देश के बंटवारे का दुखद दिन है। यह ऐसा समय था, जो न केवल गहरे जख्म दे गया बल्कि इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उस समय हुए मंजर को देख आज भी हर किसी की रूह कांप उठती है। बंटवारा ऐसा हुआ कि लोग न केवल अपने घर, कारोबार छोड़ने पर मजबूर हुए बल्कि लाखों लोगों की जान भी चली गई। यह सब एक अंग्रेज अधिकारी रेड क्लिफ की देन रही, जिन्होंने भारत व पाकिस्तान के बीच रेखा खींच दी। आज इसी विभीषिका से देश का आधा साहित्य भरा हुआ है, लेकिन यह दिन आपसी भाईचारे का भी संदेश देता है। जिससे सीख लेते हुए हमें आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान कुरुक्षेत्र के गांव मसाना में इन लोगों की स्मृति में बनाए जा रहे पंचनद स्मारक के लिए 51 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। समारोह के दौरान पंचनद समारक ट्रस्ट के राष्ट्रीय संयोजक महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव, राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने भी संबोधित किया जबकि इस दौरान शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, महंत तरूण दास, महंत महेश गिरी सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी व अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

किशनगढ़ में एचडीएफसी बैंक के एटीएम में लूट

अजमेर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले की मार्बल सिटी किशनगढ़ में लुटेरों ने बुधवार को एक निजी बैंक के एटीएम को लूट लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित किशनगढ़ मार्बल सिटी हॉस्पिटल के बाहर लगे एचडीएफसी बैंक के एटीएम को लूट लिया। लुटेरे कार में सवार होकर आये और पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ा। उसके बाद गैस कटर के जरिए एटीएम मशीन को काट कर उसमें रखी नकदी लूट ली।मशीन में करीब चार लाख 73 हजार रुपये थे। घटना आज तड़के करीब चार बजे की बताई जा रही है।एटीएम लूट की सूचना पर गांधीनगर थाना पुलिस के साथ किशनगढ़ सीओ महिपाल सिंह मौके पर पहुंचे और एफएसल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाने का काम किया गया।

निखिल कुमारस्वामी को जेडीएस की कमान सौंपने की तैयारी?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के केंद्रीय मंत्री होने के मद्देनजर जेडीएस प्रदेश अध्यक्ष का पद पार्टी की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी को देने की तैयारी चल रही है। राज्य में कांग्रेस सरकार के खिलाफ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग को लेकर बेंगलूरु से मैसूरु तक भाजपा-जेडीएस के संयुक्त मार्च में निखिल कुमारस्वामी सबसे आगे थे। पदयात्रा के दौरान एचडी कुमारस्वामी के साथ-साथ निखिल कुमारस्वामी को भी उच्च प्राथमिकता दी गई। जेडीएस सूत्रों ने बताया कि निखिल कुमारस्वामी को प्रदेश अध्यक्ष का पद देने की मंशा से पार्टी कार्यक्रमों में उन्हें अन्य नेताओं से ज्यादा तरजीह दी जा रही है। निखिल कुमारस्वामी ने अभी से ही पार्टी की जिम्मेदारी संभालनी शुरू कर दी है। इसलिए अगला प्रदेश अध्यक्ष बनने

में कोई संदेह नहीं है। एचडी कुमारस्वामी फिलहाल जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष बने हुए हैं। पार्टी के अंदरूनी हलकों में पिछले तीन महीने से प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव की चर्चा चल रही है। एक राय यह भी है कि सामाजिक न्याय पर जोर देने के उद्देश्य से पार्टी प्रदेश अध्यक्ष का पद किसी लिंगायत या कुरुबा समुदाय को देना पार्टी संगठन के लिए अधिक फायदेमंद होगा। पूर्व मंत्री एच. विश्वनाथ के पार्टी छोड़ने के बाद जेडीएस प्रदेश अध्यक्ष का पद एचडी कुमारस्वामी को दे दिया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सीएम इब्राहिम के पार्टी में लौटने के बाद कुमारस्वामी की जगह इब्राहिम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। लोकसभा चुनाव में जेडीएस-एनडीए गठबंधन में शामिल होने का विरोध करने वाले इब्राहिम को पार्टी से निकाल दिया गया और एचडी कुमारस्वामी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का पद पहले ही कुरुबा, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और ओक्कालिगा समुदाय को दिया जा चुका है। लिंगायत समुदाय को मौका नहीं मिला है। इसलिए उत्तरी कर्नाटक हिस्से में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए उस हिस्से से लिंगायतों को प्रदेश अध्यक्ष बनने की इजाजत देना उचित है। यह आगामी शहरी स्थानीय निकाय, जिला और तालुक पंचायत और बीबीएमपी चुनावों से प्रभावी ढंग से निपटने में सहायक होगा। पहले ही अल्पसंख्यक समुदाय पार्टी से दूर हो चुका है। सिर्फ एक गठबंधन पर विश्वास करने से कोई फायदा नहीं होगा। संगठन की दृष्टि से यह राय है कि पार्टी में सभी समुदायों को समान अवसर दिये जाने की जरूरत है। देखने वाली बात यह होगी कि क्या उम्मीद के मुताबिक निखिल कुमारस्वामी को जेडीएस की कमान सौंपी जाएगी या फिर आखिरी वक्त में बदलाव कर किसी और को जिम्मेदारी दी जाएगी।

संघ परिवार के नेताओं का हस्तक्षेप

विजयेंद्र-यतनाल गुटों के बीच वार्ता बैठक 21 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। संघ परिवार के नेताओं ने आखिरकार राज्य भाजपा में संकट को हल करने के लिए हस्तक्षेप किया है और इस महीने की 21 तारीख को विजयेंद्र-यतनाल गुटों के बीच एक वार्ता बैठक आयोजित की जाएगी। आरएसएस नेता मुकुंद के नेतृत्व में चामराजपेट के केशवकृपा में होने वाली बैठक में राष्ट्रीय संगठन सचिव बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और बसनगौड़ा पाटिल यतनाल समेत कुल 40 लोगों को आमंत्रित किया गया है।

संघ परिवार के नेताओं ने सख्त निर्देश दिए हैं कि विजयेंद्र गुट के 20 और यतनाल गुट के 20 सदस्य ही बैठक में आएं और चेतावनी दी कि कोई भी बल नहीं दिखा सकता। चूंकि राज्य भाजपा में संकट दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, इसलिए आरएसएस नेताओं ने एक केंद्रीय मंत्री के अनुरोध पर एक बैठक आयोजित करने की योजना बनाई। समझा जाता है कि इसका मूल उद्देश्य दोनों गुटों को एक साथ लाना और मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना है। पिछले एक सप्ताह से चल रहे घटनाक्रम का पार्टी संगठन पर प्रतिकूल असर पड़ा है। जैसा कि हर कोई ऐसा व्यवहार कर रहा है जैसे कि उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा खो दी है। एक केंद्रीय मंत्री ने आरएसएस स्थित शिवमोग्गा के प्रभावशाली नेताओं के साथ चर्चा की कि समस्या को विकराल होने से पहले प्रारंभिक चरण में ही रोक दिया जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के करीबी आरएसएस के ये प्रभावशाली नेता आमतौर पर भाजपा की गतिविधियों में कम ही दखल देते हैं या हस्तक्षेप करते हैं। विजयेंद्र, येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री के अनुरोध पर प्रभावशाली नेताओं ने मुकुंद को बैठक करने का निर्देश दिया है और दोनों गुटों को समस्या के कारणों पर एक विस्तृत रिपोर्ट लाने का निर्देश दिया है। बैठक में क्या मुडा पदयात्रा सफल रही? वॉक शुरू होने से पहले किसे आमंत्रित किया गया था, क्या कारण थे कि कुछ लोग शामिल नहीं हुए? इन सभी मुद्दों पर चर्चा होगी। इसी तरह यतनाल गुट के विजयेंद्र से ईर्ष्या करने का कारण क्या है? अलग से बैठक करने का क्या औचित्य है? पदयात्रा में शामिल क्यों नहीं हुए? क्या विजयेंद्र को इसमें शामिल होना चाहिए? समझौते की राजनीति बार-बार क्यों सुनाई देती है, पर चर्चा होगी। अब 21 तारीख को दोनों गुट आमने-सामने होंगे और अपनी-अपनी दलीलें रखेंगे। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद लोकसभा चुनाव नतीजों में दावण-गेरे, कलबुर्गी, बीदर, चिक्कोडी और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में हार के क्या कारण हैं? विजयेंद्र इस बारे में रिपोर्ट देंगे। समझा जाता है कि संघ परिवार के नेता दोनों गुटों को निर्देश देंगे कि आरोप-प्रत्यारोप करने के बजाय उन्हें अपनी दुश्मनी भुलाकर कांग्रेस सरकार की विफलताओं के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना चाहिए।

एके 47 मामले में विधायकी गंवाने वाले बाहुबली अनंत सिंह को हाईकोर्ट से राहत

दो केस में बरी

पटना (एजेंसियां)। बाहुबली और पूर्व विधायक अनंत सिंह को बड़ी राहत मिली है। पटना हाईकोर्ट ने उन्हें एके 47 और बुलेटपूफ्फ्र जैकेट रखने वा-लेदो बड़े केस में बरी कर दिया है। इस मामले में सिविल कोर्ट ने अनंत सिंह को दस साल की सजा सुनाई थी। इस कारण उन्हें विधायकी गंवाई पड़ी थी। इसके बाद जेल जाना पड़ा था। अनंत सिंह ने सिविल कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद पटना हाईकोर्ट ने उन्हें बड़ी राहत दी। समर्थकों का कहना है कि बाहुबली अनंत सिंह का अब जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है।

विधायकी गंवाने वाले बाहुबली और मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पांच मई को पटना के बेउर जेल से बाहर निकल गये हैं। गृह विभाग से हरी झंडी मिलने के बाद अनंत सिंह को जेल से 15 दिनों के लिए पैरोल मिला था। आनंद सिंह को कोर्ट से राहत मिलने की सूचना पर उनके समर्थकों में काफी उत्साह का माहौल है। अनंत सिंह के पैतृक गांव नदवां में लोगों ने जमकर पटाखे छोड़े, मिठाइयां बाटी और एक दूसरे को गुलाल लगाये।

बता दें अनंत सिंह लगभग 5 वर्षों से जेल में बंद है। अनंत सिंह पर एके 47 रखने का आरोप है, जिसके तहत कोर्ट ने उन्हें 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। तब से मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पटना के बेउर जेल में सजायाफ्ता बंदी के रूप में सजा काट रहे हैं।

सीमा विवाद के चलते आज तक नहीं बन पाया संपर्क पथ शोपीस बन गया 15 वर्ष पहले निर्मित पुल

पूर्णिया (एजेंसियां)। 15 साल पहले तत्कालीन भाजपा विधायक स्व संजीव झा के मद से बीच खेत में एक पुल बना दिया गया। लेकिन दो विधानसभा महिषी और कहरा विधानसभा के सीमा पर पुल बनने के बाद दोनो विधानसभा के किसी भी जनप्रतिनिधि ने संपर्क पथ बनाने की दिशा में काम करना तो दूर लाखों की लागत से बने पुल को देखना तक मुनासिब नहीं समझा।

सहरसा जिले के महिषी और कहरा विधानसभा के सीमा पर स्थित लालगंज गांव को सहरसा सुपौल मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए खेत में ही पुल का निर्माण कर दिया गया, लेकिन दोनो तरफ पहुंच पथ का निर्माण ही नही हुआ। इस कारण यह पुल लोगों के लिए व्यर्थ साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तत्कालीन भाजपा विधायक स्व संजीव झा के कार्यकाल (2005-2010) के अंतिम काल में इस पुल का निर्माण उनके विधायक योजना से हुआ था, जिसमें पहुंच पथ भी बनना था। सहरसा सुपौल मुख्य मार्ग से पुल तक सड़क के लिए मिट्टी भी गिरा था। कुछ दिन बाद चुनाव हुआ और वह चुनाव हार गए। इसके बाद कुछ नही हुआ। अब पुल व्यर्थ साबित हो रहा है। लोगों का कहना है कि पुल के पश्चिम भाग के बाद दूसरे विधानसभा महिषी में आता है। उधर भी सड़क का निर्माण नही हुआ है, जिसके कारण आधा किलोमीटर की दूरी के बदले गांव के लोगो को दो से तीन किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ता है।

दो विधानसभा और दो पंचायत के बीच फसा यह सड़क और पुल जंगल में तब्दील हो गया है। जबकि लालगंज का यह मुख्य सड़क है। स्थानीय उमाकांत पाठक, सतनजीव पाठक, शोभाकांत पाठक, मनोज कुमार ने बताया कि यह गांव का मुख्य सड़क था।

बीते दस साल से यह सड़क जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण मृतपाय हो गया। दो विधानसभा के बीच पड़ने के कारण दोनो विधायक भी नजर देना उचित नही समझते है तो दो पंचायत रहूआ और लालगंज पंचायत के बीच पड़ने के कारण भी कोई पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधि भी इस दिशा में कोई पहल नहीं करते हैं। स्थानीय लो-गों ने कहा कि विधायक, सांसद से निर्माण के लिए गुहार लगाते लगाते थक गए हैं। वही लालगंज पंचायत के वार्ड 13 के वार्ड सदस्य प्रमोद पाठक कहते हैं कि तत्कालीन विधायक स्व संजीव झा के कार्यकाल समाप्त होने के बाद इस सड़क और पुल को अपने खुद के अस्तित्व पर छोड़ दिया गया है। वही दो पंचायत जिसमे लगभग डेढ़ सौ गज रहुआ पंचायत जो कि कहरा प्रखंड में आता है और बाकी लालगंज पंचायत जो कि सत्तरकट्टैया प्रखंड में आता है। दोनो पंचायत के भी आपसी सामंजस्य नहीं होने के कारण यह पुल सड़क के बिना बेकार साबित हो रहा है।

मुजफ्फरपुर में जब्त 30 लाख की कीमत का परचून लदा ट्रक थाने से गायब, पुलिस विभाग में मचा हड़कंप

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में थाने की अभिरक्षा में जब्त 30 लाख रुपये की परचून सामान से लदे ट्रक के गायब होने का मामला सामने आया है। दरअसल, मुजफ्फरपुर-पटना एनएच-77 पर बॉर्डर के फकुली थाना पुलिस अभिरक्षा से 30 लाख रुपये से अधिक की अवैध परचून सामग्री लदा ट्रक गायब हो गया है। इस घटना के बाद से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। गौरतलब है कि इस ट्रक को राज्य कर अपर आयुक्त तिरहुत रेंज ने बगैर कागजात के माल लाने की गड़बड़ी के मामले में पकड़ा था। उसमें बताया गया था कि इसमें बड़े पैमाने पर टैक्स

चोरी का मामला था। उसके बाद जांच के बाद कार्रवाई करते हुए अपर आयुक्त ने ट्रक जब्त कर फकुली थाना पुलिस को सौंप दिया था।

वहीं, जब मामले की जानकारी राज्य कर आयुक्त को हुई तो पुलिस के द्वारा यह जानकारी दी गई कि शायद ट्रक का चालक ट्रक को लेकर फरार हो गया था। उसके बाद से अब फकुली थाना पुलिस टोल प्लाजा पर लगे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल रही है।

मामले में थाने के चौकीदार भरत राय ने एफआईआर में बताया कि सात अगस्त की देर रात राज्य कर अपर आयुक्त टीम द्वारा जांच और कार्रवाई कर उत्तर प्रदेश नंबर के एक ट्रक को परचून लदे हुए कई सामान के साथ जब्त कर थाने लाया गया था। इसकी जब्ती सूची के साथ ट्रक को थाने को सौंप दिया गया था। हमारे थाने में पर्याप्त स्थान न रहने के कारण जब्त किए गए ट्रक को थाने के सामने सड़क किनारे एनएच पर ही खड़ा किया गया था, जो गायब हो गया है। राज्य कर आयुक्त ने इस मामले में ट्रक चालक हरियाणा के झज्जर निवासी योगेश कुमार को पकड़ा था। उसके पास से ट्रक की चाबी ले ली गई थी।

वहीं, फकुली थानेदार ललन कुमार ने चौकीदार भरत राय से पूछा कि सड़क पर जब्त किया गया खड़ा ट्रक कहां है। इसके जवाब मे चौकीदार ने बताया कि ट्रक और चालक दोनों गायब हो गए हैं। उसके बाद एफआईआर में कहा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि चालक ही ट्रक लेकर भाग गया है। एफआईआर में ट्रक चालक और अन्य अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। इस संबंध में थानेदार ने बताया कि मामला गंभीर है। गायब हुए ट्रक और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। इसके साथ ही ट्रक के मालिक का ब्योरा परिवहन विभाग के कार्यालय से लिया गया है। उसके और चालक के घर पर छापामारी की जाएगी।

साइट निरीक्षण के दौरान टोल विरोधी प्रदर्शनकारियों व अधिकारियों के बीच बहस

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के कांचिनाडका में प्रस्तावित टोल गेट साइट का निरीक्षण कर रहे अधिकारियों का टोल विरोधी विरोध समिति के सदस्यों से बहस हो गया। राज्य सड़क विकास निगम के कार्यकारी अभियंता रघु एल और सहायक अभियंता हेमंत कुमार निरीक्षण के लिए साइट पर गए। उनके दौरे की जानकारी मिलने पर टोल विरोधी कार्यकर्ता मौके पर एकत्र हो गए। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी नेत-ाओं को टोल परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। हालांकि, कार्यकर्ताओं ने टोल गेट के निर्माण का कड़ा विरोध किया और कहा कि वे किसी भी हालत में इसकी अनुमति नहीं देंगे। जब कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों का सामना किया तो स्थिति और बिगड़

गई। इस दौरान टोल गेट परियोजना के लिए जिम्मेदार कंपनी के कर्मचारियों ने प्रदर्शनकारियों के साथ बहस की। कार्यकर्ताओं ने कंपनी के कर्मचारियों के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की और अंततः उन्हें साइट छोड़ने के लिए मजबूर किया। पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए कर्मचारियों को अपने वाहन से वहां से चले जाने का निर्देश दिया तथा प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया। बाद में पुलिस ने अधिकारियों को वापस बुला लिया, जिन्होंने आगे की जानकारी देने का प्रयास किया। हालांकि, प्रदर्शनकारी अपनी मांग पर अड़े रहे कि टोल गेट का निर्माण आगे नहीं बढ़ना चाहिए। टोल विरोधी विरोध समिति के नेता सुहास हेगड़े ने घोषणा की कि टोल गेट के प्रस्ताव को रद्द करने की मांग को लेकर पांच दिनों के भीतर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

नालंदा में आंगनबाड़ी केंद्र पढ़ने गया बालक लापता

आंगनबाड़ी सेविका पर बच्चा चोरी कर बेचने का आरोप

पटना (एजेंसियां)। नालंदा में आंगनवाड़ी केंद्र से तीन साल का मासूम रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। मामला बिहार शरीफ के नगर थानाक्षेत्र के धोबी गली खंदक पर का है। लापता बालक की पहचान संतोष कुमार के बेटे सूर्यांशु कुमार के रूप में हुई है। परिजन आंगनबाड़ी सेविका सहायिका पर बच्चा चोरी करने और बेचने का आरोप लगा रहे हैं।

24 घंटे से भी अधिक समय से बच्चा लापता है, जिसके कारण गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने खंदक पर तीन मुहाने के पास बीच सड़क टायर जलाकर आवागमन को ठप कर दिया।

सूचना पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने के प्रयास में जुट गई।

जानकारी के मुताबिक, शिवाजी नगर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका के पद पर सुमिता कुमारी जबकि सहायिका के पद पर कंचन देवी कार्यरत हैं। इन्हीं दोनों पर बच्चा चोरी कर बेचने का आरोप लगा है। सूर्यांशु की मां सुशीला देवी ने बताया कि उनके बेटे को आंगनबाड़ी की सेविका सुनीता कुमारी घर से लेकर जाती थी और छुट्टी के बाद घर पहुंचा देती थी।

मंगलवार को बेटे को लेकर घर से तो गई, लेकिन वह पहुंचाने नहीं आई। तभी से सूर्यांशु गायब है। उन्हें संदेह है कि उनके बेटे का किसी ने अपहरण कर लिया है।

आंगनवाड़ी सहायिका कंचन देवी ने बताया कि छुट्टी के बाद बारी-बारी से बच्चों को घर पहुंचा दिया गया।

सूर्यांशु पहले ही आंगनबाड़ी केंद्र से छुट्टी होने के बाद निकल चुका था। उसके घर पर ताला बंद था, जिसके कारण वह कहीं भटक कर चला गया। परिजनों द्वारा बच्चा बेचने या चोरी कर लेने का उन लोगों पर आरोप बेबुनियाद है।

वहीं, इस मामले में बिहार थाना अध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि परिजनों को समझाने-बुझाने के प्रयास में पुलिस जुट गई है। साथ ही लापता बच्चे की तलाश के लिए पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और स्थानीय लोगों से पूछताछ में जुट गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com